कोचिंग सेंटर के प्रसार, इससे पैदा सामाजिक मुद्दों की समीक्षा करेगी संसदीय समिति-6

केंद्रीय उद्योग मंत्री गोयल ने कहा- भारत-कनाडा एफटीए वार्ता फिर करेंगे शुरू-10

ट्रंप बोले- अप्रैल में चीन की यात्रा पर जाऊंगा उसके बाद शी की करूंगा मेजबानी-11

दूसरे टेस्ट में भी हालत पतली, बल्लेबाजों की गैर जिम्मेदारी से 201 पर सिमटा भारत-12

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

| बरेली |

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष पंचमी 10:57 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 25 नवंबर 2025, वर्ष 7, अंक 1, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

एसआईआर में गड़बड़ियों का आरोप

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सपा ने राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा ज्ञापन
- केंद्रीय निर्वाचन आयोग से की उच्च स्तरीय जांच की मांग

अमृत विचार : सपा ने मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं और तकनीकी खामियों का आरोप लगाते हुए राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। सपा प्रदेश अध्यक्ष की ओर से सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि 4 नवंबर 2025 से शुरू एसआईआर प्रक्रिया के दौरान 403 विधानसभा क्षेत्रों के 1,62,486 मतदेय स्थलों पर 15.44 करोड़ मतदाताओं के गणना प्रपत्रों को गलत तरीके से बीएलओ ऐप में अपलोड किया जा रहा है, जिसे अब एडिट भी नहीं किया जा सकता। वहीं, भारत निर्वाचन आयोग से तत्काल उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

प्रदेश अध्यक्ष ने सोमवार को सौंपे ज्ञापन में बताया कि इस गलत अपलोडिंग का सीधा असर 9 दिसंबर 2025 को जारी होने वाली मतदाता सूची पर पड़ेगा, जिसके बाद बड़ी संख्या में वैध मतदाताओं को ईआरओ द्वारा नोटिस भेजे जाएंगे और दस्तावेज सत्यापन के अभाव में उनके नाम 7 फरवरी 2026 की अंतिम सूची से हट सकते हैं। साथ ही कहा गया कि 2025 व 2003 की मतदाता सूची दोनों में नाम वाले लाखों मतदाताओं ने सही प्रपत्र भरकर जमा किए पर ऐप में 2003 वाली प्रविष्टि "नॉट फाउंड" बताती है। कई स्थानों पर ईआरओ और सुपरवाइजर बीएलओ पर दबाव बनाकर गणना प्रपत्रों को "तृतीय विकल्प" में जबरन सबमिट करा रहे हैं, जिससे मतदाता सूची की विश्वसनीयता प्रभावित हो रही है।

ज्ञापन में कई जिलों की अन्य शिकायतें

- बिजनौर (नगीना) : अधिकतर प्रपत्र प्रथम-द्वितीय विकल्प छोड़कर तृतीय विकल्प में अपलोड।
- सीतापुर (सिधौली) : बीएलओ पर पिछड़े, दलित, मुस्लिम मोहल्लों में फॉर्म न बांटने का आरोप।
- देवरिया (बरहज) : 10 प्रतिशत से कम प्रपत्र ऑनलाइन।
- अमेठी व फर्रुखाबाद : 2003 की दो अलग-अलग सूचियों से भारी भ्रम।
- सिद्धार्थनगर : 2003 सूची में केवल 50 प्रतिशत नाम दर्ज।
- लखनऊ : ऐप एक दिन में केवल 50 अपलोड स्वीकार कर रहा है।

जंबूरी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव

भारत स्काउट एंड गाइड की 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी का राज्यपाल ने उद्घाटन कर बच्चों की हौसलाअफजाई की

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : भारत स्काउट एंड गाइड की 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी का उद्घाटन सोमवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने किया। राज्यपाल ने डिफेंस एक्सपो ग्राउंड वृंदावन योजना में आयोजित उद्घाटन समारोह में देश-विदेश से आये स्काउट-गाइड्स के उत्साह, अनुशासन और प्रस्तुतियों की सराहना की।

राज्यपाल ने बच्चों की हौसलाअफजाई की और कहा कि आपकी ऊर्जा गर्व का अनुभव कराती है। बच्चों की प्रस्तुतियों को देख प्रफुल्लित हुईं राज्यपाल ने कहा कि आप सभी को देखकर बहुत खुशी होती है। मन में इच्छा होती है कि ईश्वर हमें फिर से छोटा बच्चा बना दे। आप देश के भविष्य हैं। उन्होंने कहा कि स्काउट-गाइड संस्थाएं बच्चों में सेवा, नेतृत्व, अनुशासन और राष्ट्रप्रेम जैसे मूल्यों को सुदृढ़ करती हैं।

उन्होंने कहा कि भारत स्काउट एंड गाइड की 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी, हीरक जयंती जंबूरी, संगठन के 75 गौरवशाली वर्षों की पूर्णता का उत्सव है। आयोजन में देश-विदेश के 33,000 से अधिक स्काउट-गाइड प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। उद्घाटन समारोह के दौरान ऊर्जा, अनुशासन और सांस्कृतिक उत्साह से भरा वातावरण ''भारत माता की जय'' और वंदे मातरम् के नारों से गुंजायमान रहा।

लखनऊ के डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में आयोजित राष्ट्रीय जंबूरी में स्काउट गान के दौरान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, साथ में राष्ट्रीय मुख्य आयुक्त डॉ. केके खंडेलवाल व प्रादेशिक मुख्य आयुक्त डॉ. प्रभात कुमार व अन्य।

राज्यपाल ने विभिन्न प्रदेशों और विदेशों से आए स्काउट-गाइड प्रतिभागियों, शिक्षकों, प्रशिक्षकों एवं अभिभावकों का स्वागत करते हुए कहा कि जंबूरी बच्चों के लिए सीखने, अनुभव साझा करने और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का उत्कृष्ट मंच है। उन्होंने आयोजन को भारत की एकता और विविधता का सशक्त प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं, उनके व्यक्तित्व का विकास करते हैं और समाज के प्रति कर्तव्यबोध जागृत करते हैं। यह जंबूरी न केवल महोत्सव है, बल्कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव भी है।

देश-विदेश से आए प्रतिनिधियों और अभिभावकों ने आयोजन की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं और विशाल स्तर पर हुई तैयारियों की सराहना की। कार्यक्रम में लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, भारत स्काउट एंड गाइड के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार जैन, चीफ नेशनल कमिश्नर डॉ. केके खंडेलवाल, उत्तर प्रदेश संगठन के अध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह, जंबूरी महासचिव एवं प्रादेशिक मुख्य आयुक्त प्रशांत कुमार, उत्तर प्रदेश के चीफ पोस्टमास्टर जनरल प्रणव कुमार आदि मौजूद रहे।

- कहा- बच्चों की प्रतिभा देखकर मन करता है, फिर से बच्चा बन जाऊं

मुख्यमंत्री योगी की तस्वीर अपने कैनवास पर उतारता छात्र।

शिक्षित बनो ।।। 563 ।।। संगठित रहो

कुरीतियां छोड़ो

स्थापित–1963

मौर्य विकास संस्था (रजि.) बरेली

द्वारा आयोजित

सामूहिक विवाह

निमंत्रण पत्र

दिनांक : 30 नवम्बर 2025

समय : प्रातः 10:00 बजे से

स्थान : मौर्य छात्रावास अशोक नगर, मढ़ीनाथ, बरेली

यह निमंत्रण पत्र पदाधिकारीगण, सभासद, प्रधान व अन्य गण अधिकारियों व सभी स्व जातियों के लिए है। आप वर व वधु को आशीर्वाद देने की कृपा करें।

।। निवेदक ।।

अध्यक्ष
राममूर्ति मौर्य
मो. 6396441650

महामंत्री
राजेश मौर्य
मो. 9759614753

मौर्य विकास संस्था (रजि0) बरेली

जिले में ही हर शिकायत का समाधान करें अधिकारी : योगी

अपने सरकारी आवास पर आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनते मुख्यमंत्री योगी।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- आर्थिक सहायता, अवैध कब्जे, पुलिस व बिजली-शिक्षा से जुड़े मामलों की अनदेखी न करने की दी हिदायत

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अपने सरकारी आवास पर आयोजित 'जनता दर्शन' में प्रदेशभर से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं और मौके पर मौजूद अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। योगी ने कहा कि जिले में ही डीएम–एसएसपी हर शिकायत का समाधान करें। उन्होंने कहा कि आर्थिक सहायता, अवैध कब्जे, पुलिस एवं बिजली-शिक्षा से जुड़े मामलों की अनदेखी न की जाए।

मुख्यमंत्री ने 52 से अधिक फरियादियों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और आश्वस्त किया कि सरकार हर पीड़ित के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जिले में प्राप्त होने वाली सभी शिकायतों को गंभीरता से सुनें और तय समयावधि के भीतर उनका समाधान कराएं। अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में होने वाली जनसुनवाई को प्रभावी बनाते हुए किसी भी पीड़ित को समाधान के लिए लंबी प्रतीक्षा न करनी पड़े।

जनता दर्शन में गोरखपुर, शामली, झांसी, कन्नौज सहित कई जिलों से लोग अपनी समस्याओं के साथ पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने सभी की बातें विस्तार से सुनीं और संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि आमजन की सेवा और सुरक्षा ही इस सरकार का मूल संकल्प है। हर जरूरतमंद की सहायता सुनिश्चित की जाएगी और हर उचित परेशानी का समाधान लगातार कराया जा रहा है।

कार्यालय जिला मजिस्ट्रेट, शाहजहाँपुर।

संख्या–1708/ न्याय सह — दिनांक: 07 नवम्बर, 2025

विज्ञप्ति

विशेष सचिव, उ0प्र0 शासन न्याय अनुभाग–3 (नियुक्तिया) लखनऊ के शासन के पत्र दिनाँक 27.10.2025 के कम में जनपद शाहजहाँपुर में सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) के एक रिक्त पद पर विधि परामर्शी निदेशिका में उल्लिखित प्राविधानों के अन्तर्गत आबद्धता हेतु पैनल गठन की कार्यवाही पूर्ण कर शासन को उपलब्ध कराये जाने हेतु निम्न निर्धारित प्रारूप पर आवेदन–पत्र आमंत्रित किया जाता है।

क्र. सं.	रिक्त पद	रिक्त पद की सख्या
1	सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी)	1

आवेदन–पत्र का प्रारूप

स्व प्रमाणित फोटो चस्पा किया जायेगा।

1–पदनाम जिसके लिये आवेदन किया गया–.....
2–आवेदक का नाम.....
3–आवेदक पिता का नाम.....
4–स्थायी / वर्तमान पता.....
5–जन्म तिथि (हाईस्कूल परीक्षा प्रमाण–पत्र की प्रमाणित प्रति सहित)
6–शैक्षिक योग्यता.....
7–व्यवसायिक योग्यता.....
8 अधिवक्ता के रूप में अनुभव..... 9–विधि व्यवसायी के रूप में पंजीयन संख्या.....
(अ) प्रादेशिक (ब) स्थानीय
10–हिन्दी में प्रवीणता–
(स्वयं प्रमाणित फोटो चस्पा किया जायेगा)
11–विगत तीन वर्षों में विधि व्यवसाय की आय पर आयकर की अदायगी का विवरण पैन नम्बर अथवा आयकर रिटर्न की प्रमाणित प्रतियों सहित। 12–विगत दो वर्षों के दौरान किये गये विधि कार्य का न्यायालय द्वारा सत्यापित विवरण सफलता के प्रतिशत सहित, 13–अन्य विवरण यदि कोई हो
दिनांक–..

आवेदक का नाम / हस्ताक्षर
दूरभाष/मो0 संख्या–

उक्त पद के लिये अर्हतायें, शर्ते एवं निर्देश– 1. आवेदक को विधि स्नातक के साथ बार का सदस्य होने एवं तत्संबंधी प्रमाण–पत्र संलग्न करना अनिवार्य है। 2. सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता (फौ0) पद के लिये 07 वर्ष, विधि कार्य का अनुभव अनिवार्य है। 3. आवेदक की हिन्दी में प्रवीणता आवश्यक है। 4. आवेदक को विगत तीन वर्षों में विधि व्यवसाय की आय पर आयकर की अदायगी के संबंध में साक्ष्य देना आवश्यक है। 5. आवेदक के द्वारा विगत दो वर्षों में फौजदारी वादों में किये गये विधि व्यवसाय का न्यायालय द्वारा सत्यापित विवरण आवेदन–पत्र के साथ लगाना होगा। 6 आवेदक की आयु 60 वर्ष से कम होनी चाहिये। 7. सभी तथ्यों के संबंध में प्रमाण–पत्रों की प्रमाणित छायाप्रतियां संलग्न की जाये। 8. आवेदन पत्र स्वच्छ पठनीय लिपि में निर्धारित प्रारूप पर अपेक्षित विवरण / प्रमाणिक अभिलेखों सहित होनाचाहिये तथा पद की अर्हतायें एवं निर्देशों के पालन न होने की दशा में आवेदन–पत्र पर विचार किया जाना सम्भव नहीं होगा। 9. आवेदन पत्र, प्रकाशित विज्ञप्ति की तिथि से 15 दिवस के अन्दर कार्यालय जिला मजिस्ट्रेट शाहजहांपुर (न्याय सहायक) को 03 प्रतियों में पंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित किये जायेंगे। विलम्ब से प्राप्त होने वाले आवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा।

UP – 241206 दिनांक: 21/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(धर्मेन्द्र प्रताप सिंह),
जिला मजिस्ट्रेट, शाहजहाँपुर।

MINISTRY OF ELECTRONICS AND INFORMATION TECHNOLOGY Government of India
Digital India Power To Empower
INDIAai
रा.इ.सू.प्रौ.सं NIELIT

अटल बिहारी वाजपेयी राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान
Atal Bihari Vajpayee National Institute of Electronics and Information Technology
(Under Ministry of Electronics and Information Technology, Govt. of India)
Drummond Govt. Inter College Campus
Gauhaniya Chouraha, Pilibhit - 262001, Uttar Pradesh
Website:https://nielit.gov.in/

पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग
द्वारा संचालित

निःशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना

'O' Level Software Duration: 02 Sem.

'CCC' Course on Computer Concepts

अन्य पिछड़ा वर्ग (ओ.बी.सी.) के शिक्षित बेरोजगार 12वीं पास युवक/युवतियों के लिए निःशुल्क एक वर्षीय अवधि का कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रवेश हेतु आवश्यक अभिलेख

- ☑ 10वीं की अंकतालिका व प्रमाण पत्र
- ☑ 12वीं की अंकतालिका व प्रमाण पत्र
- ☑ जाति प्रमाण पत्र सत्यापित प्रति के साथ
- ☑ 2 पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो
- ☑ आय प्रमाण पत्र सत्यापित प्रति के साथ (वार्षिक आय एक लाख से कम हो)
- ☑ आधार कार्ड, अपार आई.डी.
- ☑ राशन कार्ड की प्रति
- ☑ सभी अभिलेख स्वप्रमाणित व प्रमाण पत्र दो प्रतियों में

नोटः– परीक्षा फीस अभ्यर्थी द्वारा स्वयं देय होगी।

निर्धारित समय सारणी के अनुसार ऑनलाइन आवेदन करें,
website - https://obccomputertraining.upsdc.gov.in/ तथा हार्ड कॉपी कार्यालय में जमा करें

उक्त योजना उ.प्र. के मूल निवासी, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओ.बी.सी.) के उक्त पात्रता रखने वाले के लिए हैं। योजना का लाभ पाने हेतु संपर्क करें।

हार्डकॉपी जमा करने / जानकारी हेतु कार्यालय में सम्पर्क करें
Enquiry No. : 6203739575, 05882-299295

6 तक जमा होंगे छात्रवृत्ति के आवेदन

लखनऊ, अमृत विचार : समाज कल्याण विभाग ने सत्र 2025-26 के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजनाओं की संशोधित समय-सारणी जारी कर दी है। यह समय-सारणी अनुसूचित जाति-जनजाति, सामान्य, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वर्ग के कक्षा 9-10 (पूर्वदशम) और कक्षा 11-12 (दशमोत्तर) दोनों पर लागू होगी।

यह जानकारी समाज कल्याण विभाग के उपनिदेशक एवं योजनाधिकारी आनंद कुमार सिंह ने सोमवार को दी, उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी मान्यता प्राप्त विद्यालयों द्वारा मास्टर डेटा लॉक करने की प्रक्रिया 25 नवंबर से 1 दिसंबर 2025 तक चलेगी। इसके अलावा कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के ऑनलाइन आवेदन 25 नवंबर से 6 दिसंबर तक स्वीकार किए जाएंगे, जबकि आवेदन का अंतिम प्रिंट 7 दिसंबर तक निकाल सकेंगे। आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन की हार्डकॉपी 9 दिसंबर तक विद्यालय में जमा करनी होगी। उपनिदेशक ने बताया कि विद्यालयों द्वारा ऑनलाइन सत्यापन की अंतिम तिथि 13 दिसंबर तय की गई है। डीआईओएस द्वारा वास्तविक छात्रों की संख्या की जांच 15 से 20 दिसंबर तक होगी।

मेडिकल सप्लाई कॉरपोरेशन में जीएम की सेवा समाप्त

लखनऊ, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश मेडिकल सप्लाई कॉरपोरेशन में संविदा पर तैनात महाप्रबंधक उपकरण उज्जवल कुमार की सेवा समाप्त कर दी गई है।

यह कार्रवाई सोमवार को कार्पोरेशन के एमडी उज्जवल कुमार (आईएएस) ने विभाग में महिला कर्मचारियों द्वारा प्राप्त शिकायतों और वेंडरों की समस्याओं को लेकर की है। जानकारी के अनुसार, महाप्रबन्धक उज्जवल कुमार पर टेंडर प्रक्रिया में भ्रष्टाचार कर करोड़ों की संपत्ति अर्जित करने और महिला कर्मचारियों के साथ अनुचित व्यवहार करने सहित कई गंभीर आरोप थे।

वाद के निर्णय हेतु सम्मन
(आदेश 5 नियम 1 व 5 दीवानी प्रक्रिया संहिता (संशोधित) एक्ट 1909)
अपर उपजिलाधिकारी सदर बरेली जिला बरेली
धारा 116 उ.प्र. राजस्व संहिता 2006
वाद संख्या टी–202512130108676

गौरव अग्रवाल निवासी साहूकारा शहर व तहसील व जिला बरेली बनाम अनिल बाबू राठौर पुत्र बाबू राम राठौर 2. श्रीमती नीलम अनिल राठौर पत्नी अनिल बाबू राठौर निवासीगण 1. वी–न्यू बैरक चैम्बूर कालोनी बिल्डिंग नं. 25 समीर चैम्बूर मुम्बई (महाराष्ट्र) हाल निवासी स्वाले नगर नवदिया तहसील व जिला बरेली। तारीख पेशी–स्पष्ट हो कि आपके नाम याचिका दायर की गयी है अतः आपको आदेशित किया जाता है कि आप दिनांक 26.11.2025 को निर्देशित स्थान पर स्वयं व्यक्तिगत रूप से अथवा उस अधिवक्ता के माध्यम से जो वाद की स्थिति से पूर्ण रूप से भिज्ञ हो एवं वाद से सम्बन्धित समस्त महत्वपूर्ण प्रकरण की बावत आवश्यक जानकारी प्रस्तुत कर सके या जिसके साथ कोई और व्यक्ति हो जो इस निमित्त प्रश्नों का उत्तर दे सके, उपस्थित हो आपके उपस्थित होने के लिये निर्धारित की गयी है एवं वाद के अन्तिम निर्णय हेतु भी प्रस्तावित है, आपके लिये अनिवार्य है कि उस दिन अपने समस्त गवाहों को जिनकी गवाही पर एवं उन समस्त दस्तावेजों के साथ जिन पर आप अपने प्रत्युत्तर के समर्थन में अभिवाक करना चाहते हैं, उसी दिन प्रस्तुत करें और आपको सूचित किया जाता है कि यदि उक्त दिनांक को आप उपस्थित न होंगे तो आपकी अनुपस्थिति में वाद की सुनवायी और उस पर निर्णय कर कर दिया जायेगा।

मेरे व्यक्तिगत हस्ताक्षर और न्यायालयों की मुहर के साथ आज दिनांक 20.11.2025 को जारी किया गया। असिस्टेन्ट कलेक्टर प्रथम श्रेणी/अपर उपजिलाधिकारी सदर, बरेली

कार्यालय कृषि उत्पादन मंडी समिति

नवीन मण्डी स्थल, बिल्सी (बदायूँ)

पत्रांक: कृ.उ.म.सं./2025–114 — दिनांक: 21.11.2025

दुकान/गोदाम आवंटन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नवीन मण्डी स्थल बिल्सी में 06 नग नवनिर्मित सुपर मार्केट की दुकानों एवं 03 नग गोदाम आरक्षित श्रेणी का आवंटन खुली बोली के माध्यम से किया जाना है। जिसकी नीलामी हेतु दिनांक 26.11.2025 को अपराहन् 01:00 बजे मण्डी समिति बिल्सी के सभाकक्ष में आवंटन समिति के समक्ष होगी। सुपर मार्केट की दुकानों एवं गोदामों के आवंटन हेतु आवेदन प्रार्थना पत्र रू. 250.00 तथा नियमानुसार देय जी.एस.टी. (18%) के साथ नगद जमा करके समिति कार्यालय से प्रकाशन की तिथि से 25.11.2025 सायं 05:00 बजे तक प्राप्त तथा जमा किये जा सकते हैं। उक्त वर्णित दुकानें एवं गोदामों का विवरण निम्नवत् है तथा दुकानें एवं गोदामों के आवंटन की नियम व शर्तें किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय समय पर उपस्थित होकर देखी जा सकती है।

सुपर मार्केट की दुकानों की आरक्षण वार स्थितिः–

दुकानों की श्रेणी	कुल सं.	दुकानों में आरक्षण की स्थिति			न्यूनतम प्रीमियम	जमानत धनराशि
		अनु. जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनारक्षित		
सुपर मार्केट बड़ी दुकानें	06	21, 25 (दो दुकानें)	27, 29 (दो दुकानें)	–	1248750.00	124875.00
		01,05 (दो दुकान)	–	–	1141500.00	114150.00

गोदामों की आरक्षण वार स्थिति–

गोदामों की श्रेणी	कुल सं.	गोदामों में आरक्षण की स्थिति		न्यूनतम प्रीमियम	जमानत धनराशि
		अनु. जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग		
गोदाम (100 मी.ट.)	03	01, 05 (दो गोदाम)	07 (एक गोदाम)	485000.00	48500.00

दुकान एवं गोदाम आवंटन पर सर्वाधिक प्रीमियम बोली धनराशि पर 18% की दर से जी.एस.टी. देय है।

सचिव
कृषि उत्पादन मण्डी समिति
बरेली

सभापति/उपजिलाधिकारी
कृषि उत्पादन मण्डी समिति
बरेली

कोचिंग सेंटर के प्रसार, इससे पैदा सामाजिक मुद्दों की समीक्षा करेगी संसदीय समिति-6

केंद्रीय उद्योग मंत्री गोयल ने कहा- भारत-कनाडा एफटीए वार्ता फिर करेंगे शुरु-10

ट्रंप बोले- अप्रैल में चीन की यात्रा पर जाऊंगा उसके बाद शी की करूंगा मेजबानी-11

दूसरे टेस्ट में भी हालत पतली, बल्लेबाजों की गैर जिम्मेदारी से 201 पर सिमटा भारत-12

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष पंचमी 10:57 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 25 नवंबर 2025, वर्ष 7, अंक 1, पृष्ठ 14+4 मूल्य 6 रुपये

191 फ़ीट ऊंचा है राममंदिर का शिखर • 11: 55 बजे से 12:00 बजे का शुभ मुहूर्त • 6000 से अधिक आमंत्रित अतिथि • 1000 से अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात

सजी अयोध्या, मोदी राममंदिर में आज करेंगे ध्वज स्थापना

अयोध्या। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर भगवा ध्वज की स्थापना करेंगे जो इसके निर्माण के पूरा होने का प्रतीक होगा। इस समारोह के लिए रामनगरी को बड़े पैमाने पर सजाया गया है। आधिकारिक कार्यक्रम के अनुसार प्रधानमंत्री मंगलवार सुबह करीब 10 बजे सप्तमंदिर आएंगे, इसके बाद वे शेषावतार मंदिर जाएंगे। सुबह करीब 11 बजे मोदी माता अन्नपूर्णा मंदिर जाएंगे, इसके बाद राम दरबार गर्भगृह में दर्शन और पूजा करेंगे, जिसके बाद रामलला गर्भगृह में दर्शन करेंगे। दोपहर करीब 12 बजे प्रधानमंत्री श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर भगवा ध्वज स्थापित करेंगे जो मंदिर के निर्माण के पूरा होने का प्रतीक होगा।

अलविदा वीरू

धर्मेंद्र ने दुनिया छोड़ी, अब दिलों में रहेंगे

मुंबई, एजेंसी

बॉलीवुड के एक और सबसे चमकदार सितारे का अवसान हो गया। ही मैन के नाम से मशहूर और सिने प्रेमियों के चहेते धर्मेंद्र का सोमवार सुबह निधन हो गया। उन्होंने अपने आवास पर 89 की उम्र में अंतिम सांस ली। दोपहर के वक्त विले पार्ले स्थित पवन हंस श्मशान भूमि में उनका अंतिम संस्कार किया गया। बड़े बेटे सनी देओल ने उन्हें मुखाग्नि दी। बॉलीवुड की कई हस्तियां उन्हें अंतिम विदाई देने पहुंचीं।

कुछ वक्त से बीमार धर्मेंद्र का मुंबई के एक अस्पताल में इलाज चल रहा था। परिवार ने इस महीने की शुरुआत में घर पर ही उनका इलाज जारी रखने का निर्णय लिया था। वह आठ दिसंबर को 90 वर्ष के हो जाते, लेकिन सोमवार सुबह उनका निधन हो गया। उनका फिल्मी करियर 65 वर्षों का रहा। इस बीच उन्होंने करीब 300 फिल्मों में काम किया जिनमें सत्यकाम और शोले जैसी तमाम यादगार फिल्में शामिल हैं। उनके अंतिम संस्कार के दौरान श्मशान भूमि के बाहर उनके प्रशंसकों की भीड़ उमड़ पड़ी। हेमा मालिनी, बेटी इशा देओल और परिवार के सदस्य भी श्मशान स्थल पर पहुंचे थे। अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म जगत की कई हस्तियां पहुंची। इनमें शबाना आजमी, गोविंदा, आमिर खान, अभिषेक बच्चन, सलमान खान, अक्षय कुमार, संजय दत्त,रणवीर सिंह ,दीपिका पादुकोण तथा जायद खान शामिल थे। (संबंधित पेज 5)

> धर्मेंद्र जी का निधन भारतीय सिनेमा के एक युग का अंत है। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, दोस्तों और असंख्य प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति।
> – नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

> लोकप्रिय फिल्म अभिनेता श्री धर्मेंद्र जी का निधन अत्यंत दुःखद, कला और फिल्म जगत की अपूरणीय क्षति है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को सद्गति प्रदान करें। ॐ शांति! – योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री

प्रदूषण बेलगाम... दिल्ली में घर से काम करेंगे आधे कर्मचारी

निजी और सरकारी दोनों कार्यालयों पर लागू होगा सरकार का बाध्यकारी आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में वायु प्रदूषण से लगातार खराब होते हालात के बीच राज्य सरकार ने सभी सरकारी और निजी दफ्तरों में 50 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ काम करने का बाध्यकारी आदेश जारी किया है। आदेश के मुताबिक बाकी 50 प्रतिशत कर्मचारी घरों से काम करेंगे। यह आदेश दिल्ली सरकार के सभी कार्यालयों और राजधानी में संचालित निजी संस्थानों पर लागू होगा। इससे पहले सरकार ने निजी कार्यालयों को 50 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ काम करने का सुझाव दिया था। यह पहला मौका है जब इस तरह की बाध्यता लागू की गई है।

दिल्ली सरकार ने चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रैप) के तीसरे चरण के अनुसार सोमवार को सरकार के पर्यावरण विभाग की ओर से पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा पांच के तहत यह आदेश जारी किया गया है। दिल्ली में संचालित सभी निजी कार्यालय 50 प्रतिशत कर्मचारियों की उपस्थिति के साथ चलेंगे। उपराज्यपाल वीके सक्सेना के नाम से जारी आदेश में कहा गया है कि शेष कर्मचारी अनिवार्य रूप से घर से काम करेंगे। कहा गया है कि निजी प्रतिष्ठान भी जहां भी संभव हो, अलग-अलग कार्य घंटों को लागू करेंगे। ऐसे प्रतिष्ठान घर से काम करने के मानदंडों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करेंगे और कार्यालय आवागमन से जुड़े वाहनों की आवाजाही को कम से कम करेंगे। पर्यावरण विभाग ने अपने आदेश में कहा, सभी प्रशासनिक सचिव और विभागाध्यक्ष नियमित रूप से कार्यालय आएंगे और 50 प्रतिशत से अधिक कर्मचारी कार्यालय में प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित नहीं होंगे। शेष कर्मचारी घर से काम करेंगे।

एनसीआर से सटे जिले भी प्रभावित

लखनऊ : एनसीआर से सटे जिले नोएडा, गाजियाबाद, हापुड़ और मेरठ समेत कई जिलों की हवा भी खराब स्थिति में है। देशभर में गाजियाबाद सबसे प्रदूषित शहर रिकार्ड हुआ है। हापुड़ का एक्यूआई 420 और नोएडा का 418 रिकार्ड हुआ। सीपीसीबी की रिपोर्ट के अनुसार, लखनऊ, बरेली और कानपुर में भी वायु प्रदूषण चिंताजनक स्तर पर है। खासकर लखनऊ और कानपुर में एक्यूआई खतरनाक स्तर तक पहुंच जाता है।

लगातार बिगड़ रहे हालात, ज्यादातर इलाकों में एक्यूआई 400 पार

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली की वायु गुणवत्ता सोमवार को भी 'गंभीर' श्रेणी के करीब रही। शहर का समग्र एक्यूआई 382 रहा, जबकि 15 निगरानी केंद्रों में सूचकांक 400 से ज्यादा रहा। सोमवार को 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 382 पर पहुंच गया, जो लगातार 11वें दिन 'बहुत खराब' श्रेणी में रहा। पर्यावरण विभाग ने कहा कि चूंकि वाहन शहर के प्रदूषण स्तर में बड़े पैमाने पर योगदान करते हैं, इसलिए यह महसूस किया गया कि वाहनों की आवाजाही पर और अधिक अंकुश लगाने की आवश्यकता है।

समुद्र में उतरा माहे श्रेणी का पहला स्वदेशी युद्धक जहाज

मुंबई। भारतीय नौसेना ने सोमवार को आईएनएस माहे को अपने बेड़े में शामिल किया, जो माहे श्रेणी का पहला पनडुब्बी रोधी युद्धक जहाज है। इस जहाज के सेवा में शामिल होने के बाद नौसेना की युद्ध क्षमता में बढ़ने की उम्मीद जताई गई है।

यह जलपोत उथले जल के स्वदेशी लड़ाकू जहाजों की नई पीढ़ी का हिस्सा है। यह स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के साथ जटिल लड़ाकू जहाजों को डिजाइन करने, निर्माण करने और तैनात करने की भारत की समुद्री क्षमता का भी प्रतीक कहा गया है। समारोह के मुख्य अतिथि सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने इसे दुर्लभ उपलब्धि बताते हुए कहा कि इसके आने से भारतीय नौसेना की समुद्री प्रभुत्व सुनिश्चित करने, तटीय सुरक्षा तंत्र मजबूत करने और देश के विशाल तटीय जलक्षेत्र में भारत के समुद्री हितों की रक्षा करने की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

अग्रिम पंक्ति में होगा तैनात

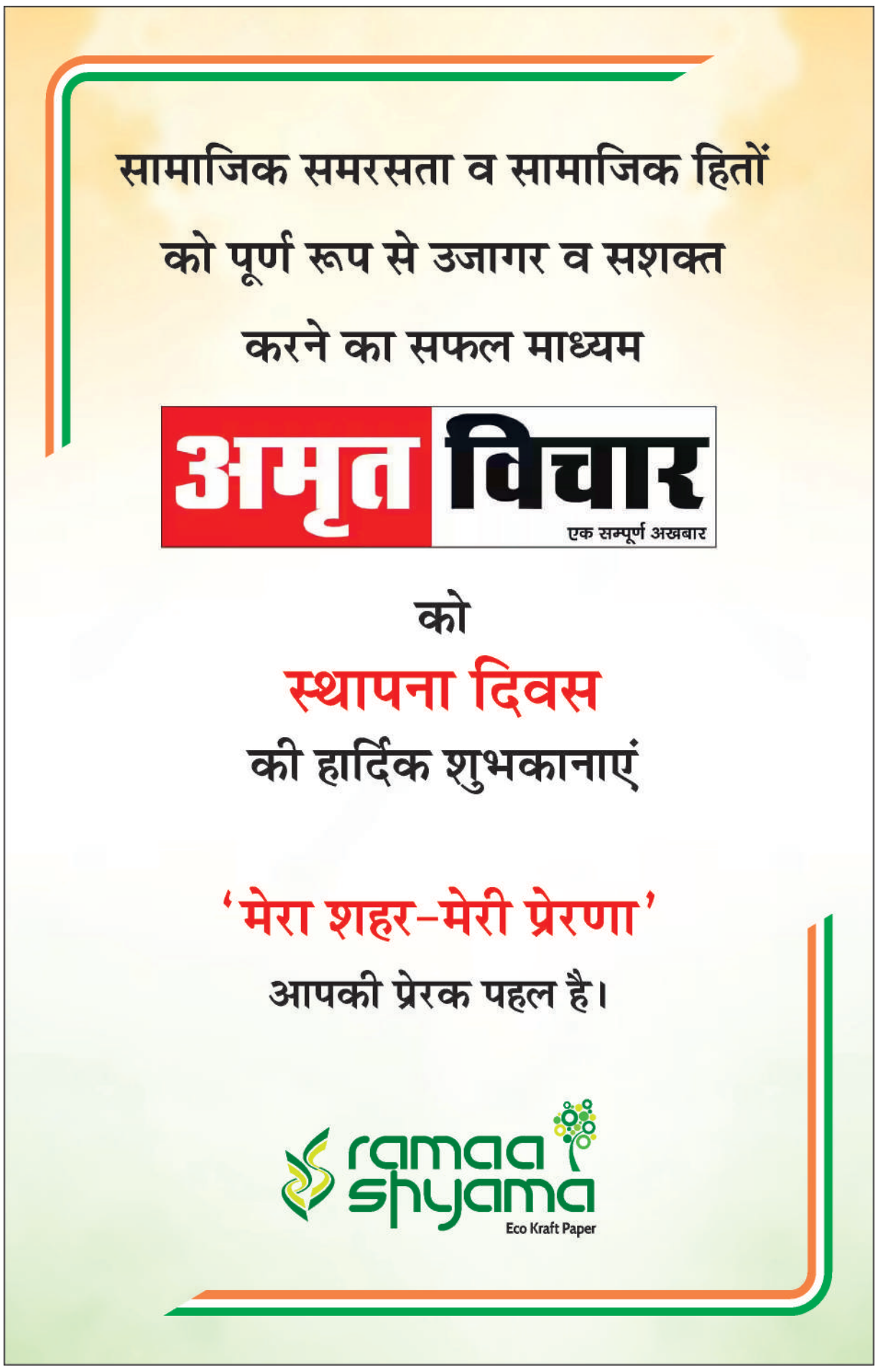

न्यूज ब्रीफ

शहीदी दिवस पर आज सार्वजनिक अवकाश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 25 नवंबर मंगलवार को सभी स्कूल-कॉलेज और दफ्तर बंद रहेंगे। इस दिन गुरु तेग बहादुर के शहादत दिवस को सार्वजनिक अवकाश की घोषणा कर दी गई है। योगी सरकार ने वर्ष 2025 के अवकाश कैलेंडर में संशोधन करते हुए गुरु तेग बहादुरजी के बलिदान दिवस पर घोषित अवकाश की तिथि बदल दी है। सामान्य प्रशासन विभाग के अनुसार पहले यह अवकाश 24 नवंबर को निर्धारित था, अब इसे 25 नवंबर कर दिया गया है।

एडिटर्स गिल्ड के अध्यक्ष चुने गए संजय कपूर

नई दिल्ली। वरिष्ठ पत्रकार संजय कपूर को निर्विरोध एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया का अध्यक्ष चुना गया है। वह अनंत नाथ का स्थान लेंगे। द हिंदू बिजनेस लाइन के पूर्व संपादक राघवन श्रीनिवासन और थंब प्रिंट एनई की प्रधान संपादक टेरेसा रहमान को महासचिव और कोषाध्यक्ष चुना गया है।

सियासी दलों को गुमनाम नकद चंदे से संबंधित याचिका पर नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और निर्वाचन आयोग समेत अन्य पक्षों से उस याचिका पर जवाब मांगा है जिसमें राजनीतिक दलों को 2,000 रुपये से कम का 'गुमनाम' नकद चंदा लेने की अनुमति देने वाले आयकर अधिनियम के प्रावधान की वैधता को चुनौती दी गई है।

याचिका में कहा गया है कि पारदर्शिता की यह कमी मतदाताओं को दानकर्ता और उनके उद्देश्य समेत राजनीतिक वित्तपोषण के स्रोत के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी से वंचित करती है। इससे चुनाव की शुचिता कमजोर होती है और लोग वोट डालते समय तर्कसंगत, बुद्धिमत्तापूर्ण और पूरी तरह सूचित निर्णय लेने से वंचित रह जाते हैं। याचिका में निर्वाचन आयोग को निर्देश देने की मांग की गई है कि वह किसी राजनीतिक दल के पंजीकरण और चुनाव चिन्ह के आवंटन के लिए एक शर्त निर्धारित करे कि कोई भी दल नकद में कोई राशि प्राप्त नहीं कर सकता। पीठ ने इसे चार सप्ताह बाद सूचीबद्ध किया है।

53वें सीजेआई बने जस्टिस सूर्यकांत, राष्ट्रपति मुर्मू ने दिलाई शपथ

नई दिल्ली। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सोमवार को भारत के 53वें प्रधान न्यायाधीश के तौर पर शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में एक समारोह में न्यायमूर्ति सूर्यकांत को शपथ दिलाई और उन्होंने हिंदी में शपथ ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई वरिष्ठ नेता समारोह में शामिल हुए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत को न्यायमूर्ति बीआर गवई के स्थान पर सर्वोच्च न्यायिक पद पर नियुक्त किया गया है जो रविवार को सेवानिवृत्त हो गए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत नौ फरवरी 2027 को 65 वर्ष का होने तक लगभग 15 महीने तक इस पद पर रहेंगे। शपथ के बाद न्यायमूर्ति सूर्यकांत प्रधानमंत्री मोदी का अभिवादन करने उनके पास गए। इस दौरान पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी मौजूद थे। शपथ ग्रहण करने के बाद न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने न्यायालय परिसर में महात्मा गांधी और डॉ. बीआर आंबेडकर की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की।

कबड्डी में भी बेटियों का वर्ल्ड कप पर कब्जा

ढाका। बेटियां उपलब्धियों का अंबार लगा रही हैं। टी-20 क्रिकेट के दो वर्ल्ड कप जीतने के बाद सोमवार को देश की महिला टीम ने चीनी ताइपै को 35-28 से हराकर कबड्डी विश्वकप भी जीत लिया। यह उनका लगातार दूसरा विश्व कप है। भारत 11 देशों के टूर्नामेंट में शीर्ष पर रहा। भारत ने सेमीफाइनल में ईरान को 33 . 21 से हराया था। चीनी ताइपै ने बांग्लादेश को 25-18 से मात दी थी।

> महिला टीम को कबड्डी विश्व कप जीतकर देश को गौरवान्वित करने के लिए बधाई। उन्होंने जबर्दस्त कौशल और दृढ़ता का प्रदर्शन कर अनगिनत युवाओं को बड़े सपने देखने की प्रेरणा दी है। – नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

अमृत विचार

बरेली , मंगलवार,25 नवंबर 2025

बरेली देहात

न्यूज ब्रीफ

सुनार पर मंगलसूत्र हथियाने का आरोप

नवाबगंज, अमृत विचार : कस्बा यासीन नगर निवासी निर्धन महिला हमीदन की मजबूरी का फायदा उठाकर एक सुनार द्वारा उसका मंगलसूत्र हड़पने का मामला सामने आया है। पीड़िता के अनुसार उसे सड़क पर सोमवार को ओम लिखा हुआ एक मंगलसूत्र मिला था। पेट की भूख ने उसे मेन रोड स्थित मस्जिद के पास बनी एक सुनार की दुकान तक पहुंचा दिया। हमीदन का आरोप है कि सुनार ने मंगलसूत्र देखते ही लालच दिखाते हुए कई तोले का सोना बताकर अच्छे दाम देने की हामी भर दी। जब महिला ने मंगलसूत्र उसे सौंपा तो सुनार ने उसे तोलकर अपने शोकेस में रख लिया और कहा कि अभी उसके पास पैसे नहीं हैं। बदले में उसने करीब एक हजार रुपये मूल्य की चांदी की जेवर देकर दोपहर बाद आने को कहा और तब पैसे लेने का वादा किया। निर्धारित समय पर जब हमीदन दोबारा दुकान पर पहुंची और चांदी की जेवर वापस की, तो सुनार की नीयत बदल ली। आरोप है कि उसने जेवर भी ले लिए और मंगलसूत्र की रकम देने से साफ इनकार कर दिया। जब पीड़िता ने विरोध किया तो सुनार ने उसके साथ मारपीट कर दुकान से भगा दिया। हमीदन ने थाने पहुंचकर लिखित तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

लापता युवक बरामद

शेरगढ़ अमृत विचार : बीती 21 नवंबर को थाना क्षेत्र के गांव मवई काजियान की साप्ताहिक बाजार से लापता हुए 20 वर्षीय युवक को शेरगढ़ पुलिस ने पेट्रोल पंप से बरामद कर लिया है। पुलिस के मुताबिक युवक को परिजनों को सौंप दिया गया हैप्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि बीती 21 नवंबर को थाना देवरनिया के गांव शरीफ नगर निवासी मोहन स्वरूप बाइक से थाना शेरगढ़ के गांव मवई काजियान में लगने वाली साप्ताहिक बाजार गए थे। जो देर रात तक वापस घर नहीं पहुंचे थे।

खनन की ट्राली ने बच्चे को मारी टक्कर, घायल

बिथरीचैनपुर में 12 वर्षीय बच्चे का हाथ कुचला, रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, बिथरी चैनपुर

अमृत विचार: मिट्टी से लदी ट्रैक्टर ट्राली ने खेत पर खाना देने जा रहे बच्चे को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह घायल हो गया और उसका एक हाथ बुरी तरह चोटिल हो गया। परिजनों ने पुलिस से मामले की शिकायत की है।

सोमवार दोपहर छोटन (12) पुत्र पुत्तन निवासी बिथरी, घर से अपने बाबा को खाना देने बेनीपुर जा रहा था। तभी रास्ते मे बेनीपुर की तरफ आ रही अवैध खनन में चल रही मिट्टी से लदी ट्रैक्टर ट्राली ने उसे टक्कर मार दी, जिससे उसका हाथ ट्राली के पहिया के नीचे आ गया। बच्चे का इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है। आसपास के ग्रामीणों ने बताया कि अवैध खनन की ट्रालियों से वह परेशान है। दिन भर फर्राटा भर रहीं ट्रालियों ने रोड पर चलना मुश्किल कर दिया है। विभागीय अफसर कोई कार्यवाही नही कर रहे हैं। इंस्पेक्टर सीपी शुक्ला ने बताया मामले की जांच की जा रही है। बिथरी मेहतरपुर ,बहादरपुर रोड पर गुजरने वाले राहगीरों का सफर धूल भरा है। यहां से कई ईंट भट्टो पर मिट्टी जाती है। लेकिन कोई भी पानी का झिड़काव नही करवाता। ऐसे में राहगीरों के सफर धुंध बनी रहती है।

● अस्पताल में बच्चा भर्ती, हाथ बुरी तरह कुचला

कार्रवाई नहीं, अवैध खनन का खुला खेल

बिथरी क्षेत्र के बेनीपुर, सरीपुर, मेहतरपुर करोड़,बहादुरपुर समेत कई गांवों में जमकर अवैध खनन का कारोबार हो रहा है ।लेकिन विभागीय अफसर और पुलिस की सांठ गांठ के चलते कोई कार्यवाही नही की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि बेनीपुर रोड पर दिन भर अवैध खनन की मिट्टी से भरी ट्रालियां फर्राटा भर्ती हैं। लेकिन,जिनसे हर वक़्त हादसे का डर बना रहता है। यातायात माह में जहां हर जगह वाहनों की चेकिंग कराने का दावा किया जा रहा है वहीं अवैध खनन में लगी ट्रालियों में न तो कोई नंबर है और न ही रिफ्लेक्टर लगाया गया है।

बस की टक्कर से बाइक सवार गम्भीर घायल

आंवला, अमृत विचार : आंवला-बदायूं मार्ग के देवीपुल के समीप बस ने बाइक को टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार का एक हाथ कटकर शरीर से अलग हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को इलाज के लिए अस्पताल भेजा है। कस्बे के मोहल्ला नगरिया सतन निवासी पवन सिंह बाइक से अपनी ननिहाल ग्राम दिगोई से वापस घर लौट रहे थे। इसी बीच यह हादसा हो गया। पुलिस के अनुसार घायल को अस्पताल भेजा गया है। उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

सात बीएलओ सम्मानित, आठ का वेतन रुकेगा

संवाददाता, फरीदपुर

अमृत विचार : पुनरीक्षण कार्य में बेहतर कार्य करने वालों के साथ साथ लापरवाही बरतने वाले बीएलओ पर भी त्वरित कार्रवई की जा रही है। फरीदपुर में सोमवार को पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा के दौरान नोडल अधिकारी एडीएम प्रशासन पूर्णिमा सिंह ने सात बीएलओ का सम्मानित कर उनके कार्य की प्रशंसा की तो आठ लापरवाह और समय से काम नहीं करने वाले बीएलओ के वेतन रोकने के निर्देश दिये हैं।

तहसील सभागार में हुए समीक्षा कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी प्रशासन व नोडल अधिकारी पूर्णिमा सिंह ने कहा कि बीएलओ मुनीश कुमार सहायक अध्यापक रामप्रकाश सहायक अध्यापक रमन बाबू रोजगार सेवक सुनील कुमार सहायक अध्यापक सईद उद्दीन सहायक अध्यापक एवं सुपरवाईजर कैलाश चन्द्र, लेखपाल पवन कुमार सोलंकी राजस्व निरीक्षक के द्वारा अच्छा कार्य किया गया है इन बीएलओ की प्रशंसा करते हुए सम्मानित किया गया।

साथ ही उन्होंने बताया कि बीएलओ योगेन्द्र पाल, जयवीर राजीव कुमार यादव शिक्षामित्र, सुआलाल मनोज कुमार सहायक अध्यापक मो. ताहिर और दो सुपरवाईजरों का कार्य संतोषजनक नहीं है। बताया कि इन बीएलओ के कार्य की प्रगति बहुत धीमी है। यानि यह लोग सुस्त गति और काम में गंभीरता नहीं बरत रहे हैं। इसलिए इन सभी को नोटिस जारी कर वेतन रोकने के निर्देश दिये गये हैं। मंगलवार को सार्वजनिक अवकाश हैलेकिन परिषदीय स्कूलों में शिक्षकों को पुनरीक्षिण कार्य में सहयोग करने का आदेश बीएसए ने जारी किया है। सभी स्कूलों में बने बूथों पर शिक्षक बीएलओ का सहयोग करेगी।

फरीदपुर में एसआईआर के कार्यों की समीक्षा करते अपर जिलाधिकारी प्रशासन। ● अमृत विचार

प्रपत्रों की फीडिंग बढ़ाएं बीएलओ

रिठौरा : मतदाता पुनरीक्षण कार्य में लगे बीएलओ प्रपत्रों की फीडिंग बढ़ाएं। ज्यादा से ज्यादा लोगों के फार्म भरवाएं तभी फीडिंग बढ़ सकेगी। बेहतर कार्य करने वाले बीएलओ सम्मानित किये जा रहे हैं। ऐसे में जिनकी कार्य प्रगति कमजोर है वह अपनी गति बढ़ाएं। एसडीएम प्रमोद कुमार ने नगर पंचायत कार्यालय प्रांगण में लगे कैंप के निरीक्षण में यह बात कही। नायब तहसीलदार अभिषेक तिवारी , बीएलओ दुर्गा सिंह, वर्षा गुप्ता,दीक्षा सिंह,सीमा यादव , मीरा गंगवार, चेयरमैन शकुंतला देवी ने भी किया। इस दौरान दिनेश कुमार सिंह प्रेमराज, रामपाल सिंह, रामदास, खलील अहमद, मोहित रस्तोगी, कुलदीप गंगवार, प्रवेश पाठक, एकता वाधवा, सोनी शंखधार, प्रीती आर्या , धनपाल सिंह , रवींद्र कश्यप,मुकेश भास्कर,अनीस अहमद, शोएब अंसारी, कुंवरपाल यादव,राजेन्द्र कश्यप आदि रहे।

दुष्कर्म के आरोपी को भेजा जेल

भुता, अमृत विचार : पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर फरार चल रहे दुष्कर्म के आरोपी सिकंदर पुत्र ओमप्रकाश निवासी इज्जत नगर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।क्राइम इंस्पेक्टर योगेंद्र कुमार के बताया कि आरोपी पर कुछ दिनों पहले गांव की नाबालिग किशोरी को बहला फुसलाकर अपने साथ ले जाने व उसके साथ दुष्कर्म किए जाने व जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। आरोपी सिकंदर पास्को एक्ट व अन्य गंभीर धाराओं के मुकदमे में काफी समय से पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहा था। मुखबिर की सूचना पर रजपुरी नवादा तिराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया। जिसके बाद न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

मनचले से परेशान युवती ने कॉलेज छोड़ा

संवाददाता, नवाबगंज

● पिता की तहरीर पर पुलिस ने दर्ज की मनचले पर रिपोर्ट

अमृत विचार : रिठौरा के निजी कालेज में पढ़ने जा रही किसान की बेटी का हौसला एक मनचले ने तोड़ दिया है। मनचले की बढ़े हौसले और धमकी से परेशान छात्रा ने कॉलेज जाना बंद कर दिया है। कई दिनों से मनचले का मानसिक उत्पीड़न झेल रही छात्रा ने पिता को व्यथा बताई तो पिता ने नवाबगंज थाने में तहरीर दी है।

थाना हाफिजगंज क्षेत्र के ग्राम नौआ नगला निवासी खेम प्रकाश ने बताया कि उसकी बेटी निजी कालेज की छात्रा है वह हर रोज कालेज आती है। उसे खिलवीपुर निवासी शोभित कई महीनों से रास्ते में रोककर परेशान कर रहा। अश्लील टिप्पणी कर रहा था। शोभित ने बेटी का नंबर कहीं से हासिल कर लिया फिर रात में अलग अलग नंबरों से छात्रा को फोन कर अश्लील बातें और धमकियां देता रहा। जब बेटी ने विरोध किया तो जान से मारने और घर से अगवा करने की धमकी दी। इस कृत्य में शोभित के साथी भी साथ देते रहे। डर और प्रताड़ना से टूटी किसान की बेटी पहले कॉलेज जाना बंद किया फिर पिता को व्यथा बताई।

बेटी का पिता आरोपी युवक के घर शिकायत लेकर भी गया लेकिन उसमें कोई सुधार नहीं हुआ है। तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

किसानों को समय पर मिले उर्वरक :निदेशक

मुख्यालय से आए इफको निदेशक ने आंवला संयत्र में की समीक्षा बैठक।

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार : इफको मुख्यालय से आंवला संयंत्र के दौरे पर पहुंचे निदेशक (तकनीकी) ए. के. शर्मा ने रविवार को वरिष्ठ महाप्रबंधक सत्यजित प्रधान की उपस्थिति में संयंत्र संचालन, उर्वरक उत्पादन और प्रचालन की समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि किसानों तक गुणवत्ता पूर्ण उर्वरक समय पर पहुंचना सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

उन्होंने बताया कि देश की समृद्धि का रास्ता किसानों की मेहनत से होकर गुजरता है, और इफको के उर्वरक नैनो यूरिया प्लस, नैनो डीएपी, नैनो जिंक और नैनो कॉपर आधुनिक खेती को नई दिशा दे रहे हैं। आंवला इकाई पहुंचने पर अतिथि गृह पॉल पोथन नगर में निदेशक का भव्य स्वागत किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों और इंप्लाइज यूनियन के प्रतिनिधियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। दौरे के दौरान ए.के. शर्मा जल उपचार प्रणाली और आरओ प्लांट का निरीक्षण किया। उन्होंने नैनो संयंत्र में उत्पादन समीक्षा व यूनियन से विभिन्न मुद्दों पर चर्चा भी की । अतिथि गृह पर जीएम प्रदीप शर्मा, आर के शर्मा, हीरालाल, यूनियन के अध्यक्ष सुखदेव सिंह महामंत्री गजेन्द्र सिंह आदि मौजूद रहे।

शैक्षिक भ्रमण पर गए छात्र-छात्राओं ने ताजमहल देखा

अलीगंज, अमृत विचार : सद्गुरु कुलम पब्लिक स्कूल अलीगंज के छात्र-छात्राओं को शैक्षणिक भ्रमण के तहत ऐतिहासिक स्थलों का दौरा कराया गया।

भ्रमण दल ने आगरा में विश्व प्रसिद्ध ताजमहल तथा फतेहपुर सीकरी में बुलंद दरवाजा का अवलोकन किया, जहाँ गाइड द्वारा विद्यार्थियों को ऐतिहासिक व वास्तु संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। विद्यालय से रवाना होने से पूर्व विद्यालय प्रबंधक मुकुट सिंह यादव एवं प्रधानाचार्य अमित कुशवाह ने बस को हरी झंडी दिखाकर शुभ यात्रा की कामना के साथ रवाना किया।प्रधानाचार्य ने बताया कि शैक्षिक भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों के ज्ञान में वृद्धि करना तथा उन्हें ऐतिहासिक विरासत से जोड़ना है। भ्रमण के दौरान स्कूल के अध्यापक राजीव कुमार, विशाल चौहान, नेहा मौर्य, शुभी सक्सेना, शालिनी, पूनम, गौरव शर्मा, दीपक पाठक, शिवम सक्सेना, अतुल कुमार एवं मनोज कुमार आदि शिक्षक रहे और छात्रों का नेतृत्व किया।

बिना प्रचार के लगा पशु आरोग्य मेला

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : दूरदराज क्षेत्रों के पशुपालकों को पशु चिकित्सा का लाभ दिलाने के लिए अधकटा नजराना में लगे विशेष शिविर का विधायक डा. एमपी आर्या ने फीता काटकर उद्घाटन किया। इस दौरान छह पशुओं का इलाज हुआ

पंडित दीन दयाल आरोग्य योजना के तहत सोमवार को ग्राम अधकटा नजराना में वृहद गोशाला के निकट शिविर लगाया गया। पशुधन प्रसार अधिकारी व पशु चिकित्सा सचल वाहन भी मौजूद रहा । पशु चिकित्सा दल ने पशुपालको को दुधारु पशुओं के बीमारियों से बचाव के तरीके सुझाने के साथ ही विभिन्न पशु रोगो की दवाएं निशुल्क वितरित की । आरोग्य मेला लगने की पूर्व सूचना गांव और आसपास क्षेत्रों में नहीं होने से कई पशुपालकों को कार्यक्रम का पता नहीं चल पाया।

उपमुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा. विपिन तोमर ने बताया कि इस दौरान मेले में पशुओं में पेट के कीड़ो व बांझपन के मामले अधिक पाए गए । बताया कि ब्लाक के ऐसे ग्रामों जहां से पशु चिकित्सालय दूर हैं,उनमे तीन शिविर लगाए जाने हैं । जिनमें बुधवार को ग्राम ग्रेम में तथा अगला शिविर ग्राम पंडरा - पंडरी में लगाए जाने की योजना है ।पशु चिकित्सा शिविर में डा. एके गंगवार , हेमेन्द्र गंगवार पशु चिकित्साधिकारी डा. धर्मेन्द्र व फार्मेसिस्ट मनीष भी मौजूद रहे।

अरोग्य मेले में गो माता का पूजन करते विधायक डॉ . एमपी आर्य । ● अमृत विचार

● विधायक ने किया उद्घाटन बुधवार को ग्रेम में लगेगा शिविर

सप्तपुरियों में प्रथम श्रीअयोध्या धाम में मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम की पावन जन्मभूमि पर
दिव्य-भव्य श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण पूर्ण होने के उपलक्ष्य में
मंदिर के शिखर पर 22X11 फीट की

धर्म ध्वजा का पुनर्स्थापन

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री
के द्वारा

गरिमामयी उपस्थिति

आनंदीबेन पटेल — राज्यपाल, उत्तर प्रदेश
डॉ. मोहनराव भागवत — सरसंघचालक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ
योगी आदित्यनाथ — मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
महंत नृत्यगोपाल दास — अध्यक्ष, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास
केशव प्रसाद मौर्य — उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
ब्रजेश पाठक — उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
सूर्य प्रताप शाही — मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान, उत्तर प्रदेश
जयवीर सिंह — मंत्री, पर्यटन एवं संस्कृति, उत्तर प्रदेश

एवं अन्य गणमान्य महानुभाव

दिनांक : 25 नवंबर, 2025 | समय : मध्याह्न 12:00 बजे | स्थान : श्री राम जन्मभूमि मंदिर परिसर, श्रीअयोध्या धाम

श्री राम जन्मभूमि मंदिर की विशेषताएं : 2.7 एकड़ में विस्तृत तीन मंजिला मुख्य मंदिर परिसर | श्रद्धालुओं, दर्शनार्थियों एवं पर्यटकों के लिए आवश्यक समस्त सुविधाओं की उपलब्धता | परकोटा के 6 मंदिरों (भगवान शिव, भगवान गणेश, भगवान हनुमान, सूर्यदेव, देवी भगवती एवं देवी अन्नपूर्णा) तथा शेषावतार मंदिर पर ध्वजदण्ड एवं कलश स्थापित | सप्त मण्डप में महर्षि वाल्मीकि, महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, रामभक्त निषादराज, माता शबरी एवं ऋषि पत्नी अहिल्या का मंदिर | संत तुलसीदास मंदिर तथा रामभक्त जटायु एवं गिलहरी की प्रतिमाएं स्थापित | 10 एकड़ में पंचवटी, 3.5 किमी लंबी चहारदीवारी, ट्रस्ट कार्यालय, अतिथि गृह, सभागार इत्यादि

काम दमदार-डबल इंजन सरकार

लाइव प्रसारण DD NEWS & Youtube.com/DDNEWS

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

UPGovtOfficial | CMOUttarpradesh | CMOfficeUP

न्यूज ब्रीफ

ब्लॉक प्रमुख की कार की टक्कर से पूर्व प्रधान के भाई की मौत, हंगामा

पीलीभीत, अमृत विचार : ब्लॉक प्रमुख लिखी कार की टक्कर से स्कूटी सवार पूर्व प्रधान के भाई की मौत के बाद हंगामा हो गया। परिजन ने हत्या का आरोप लगाते हुए शव नहीं उठने दिया। एफआईआर की मांग पर अड़े रहे। देर रात तक पुलिस प्रशासनिक अफसर वार्ता में जुटे रहे। मौके पर भीड़ लगी रही। हादसा पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम प्रसादपुर में सोमवार को हुआ। बताते हैं कि गांव रम्पुरा फकीरे के रहने वाले पूर्व प्रधान के भाई 45 वर्षीय श्रीकृष्ण पुत्र नंदराम स्कूटी से घर की तरफ जा रहे थे। रास्ते में प्रसादपुर गोशाला के पास पहुंचे इसी दौरान उनकी स्कूटी को कार ने टक्कर मार दी। जिसमें स्कूटी सवार की मौत हो गई। कार पर ब्लॉक प्रमुख लिखा हुआ था, जो कि पूरनपुर ब्लॉक प्रमुख की बताई जाती रही। कुछ ही देर में भीड़ जमा हो गई। इसकी सूचना मिलने पर पूरनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी की। मृतक के परिवार वाले भी आ गए। इसके बाद मामला तूल पकड़ गया। परिवार वालों ने हत्या का आरोप लगाते हुए कारवाई की मांग शुरू कर दी।

मीरगंज में नकदी समेत जेवर लेकर चोर फरार

परिवार वाले सोते रहे और चोर वारदात को अंजाम देकर फरार

संवाददाता, मीरगंज

अमृत विचार : शाही थाना क्षेत्र के तुरसा पट्टी गांव में शनिवार और रविवार मध्य रात चोरी की बड़ी वारदात हुई, जहां अज्ञात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये का माल साफ कर दिया। परिवार के सुबह उठने पर घटना का खुलासा हुआ, जिसके बाद गांव में दहशत का माहौल है।

पीड़ित दानवीर पुत्र काशीराम ने बताया कि रात में पूरा परिवार घर में सो रहा था। सुबह उठकर देखा तो घर में रखी तिजोरी टूटी पड़ी थी और उसमें रखा सामान गायब था। बताया कि चोर तिजोरी से 50,500 रुपये नकद, एक सोने का हार, नथ, मंगल टीका, लौंग, कुंडल और तीन मोबाइल फोन चुरा ले गए। घटना के बाद पीड़ित ने थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थानाध्यक्ष शाही राजेश बैसला ने बताया कि घटना में बहुत सुझबुझ कर सेफ अलमारी में चाबी लगाकर लॉक खोले गए हैं। मामला संदिग्ध है। घटना का जल्द खुलासा किया जाएगा।

क्योलड़िया में नकब लगाकर लाखों की चोरी

क्योलड़िया, अमृत विचार : सीमेंट की दुकान के पीछे नकब लगाकर चोर नकदी और लाखों का सामान चोरी कर ले गये। सुबह दुकान खुलने पर चोरी का पता चला। मामले की रिपोर्ट दर्ज करा दी गई है। थाना क्षेत्र के गांव परसरामपुर के पूर्व प्रधान रघुराज की शराब भट्टी के पास सीमेंट की दुकान है। 23 नवंबर की रात को अज्ञात चोर ने दुकान की पीछे कि दीवार में नकब लगाकर 6 बैटरा इनवर्टर ,नगदी सहित लाखों का सामान चोरी कर फरार हो गये। सुबह दुकान खोली तो दुकान से सामान गायब था। चोरी की घटना से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। दुकान मलिक की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

प्रदूषण फैला रहे कोल्हुओं पर छापा, मचा हड़कंप

संवाददाता, नवाबगंज

कोल्हू की भट्ठी में इस तरह के गंदे कपड़े जलाने से निकलने वाला काला धुआं वातावरण को प्रदूषित कर रहा।

अमृत विचार : क्षेत्र के गांव गरगईया हाइवे समीप चल रहे प्रत्येक कोल्हू पर गंदे कपड़े और सड़ा-गला मोम जलाकर फैलाए जा रहे जहरीले धुएं के खिलाफ प्रदूषण विभाग जाग गया है। कई महीनों से फैल रहे और अग्निशमन विभाग की दीवारें काली पड़ने के बाद विभाग ने कुभकरणी नींद तोड़कर कोल्हू संचालकों पर कार्रवाई की है। ग्रामीणों द्वारा मुख्यमंत्री पोर्टल पर की गई शिकायत और अमृत विचार में खबर प्रकाशित होने के बाद विभाग ने छापामार कार्रवाई की है।

सोमवार को पर्यावरण विभाग के अफसर श्याम बाबू द्विवेदी और लक्ष्मी नारायण टीम के साथ अचानक मौके पर पहुंचे। उन्होंने भी देखा कि कोल्हुओं पर गंदा कपड़ा व मोम जलाकर कार्य किया जा रहा था, जिससे पूरे क्षेत्र में जहरीला धुआं फैल रहा था। अधिकारियों को देखते ही कुछ कोल्हु स्वामी अपने-अपने कोल्हू छोडकर भाग खड़े हुए।

इन कोल्हुओं के बीच ही फायर स्टेशन मौजूद है, जिसकी पूरी बिल्डिंग धुएं और कालिख से काली पड़ चुकी है। सूत्रों के अनुसार फायर स्टेशन का स्टाफ भी इस जहरीले धुएं के कारण विभिन्न बीमारियों से ग्रस्त हो गया है। फायर स्टेशन प्रभारी पुष्पेंद्र कुमार ने पर्यावरण विभाग को पत्र भेजकर कोल्हुओं पर गंदा कपड़ा व मोम जलाना रोकने की मांग की थी। टीम ने कार्यवाही के दौरान सभी कोल्हुओं की वीडियो रिकॉर्डिंग कर संचालकों के नाम दर्ज किए हैं। अधिकारियों

- **कोल्हू पर जलाया जा रहा था सड़ा मोम व कपड़ा ,ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री को भेजी थी शिकायत**

ने बताया कि यह गंभीर पर्यावरणीय अपराध है और दोषियों के खिलाफ सख्त विधिक कार्रवाई की जाएगी। जरूरत पड़ने पर कोल्हुओं को सील करने की प्रक्रिया भी अपनाई जाएगी। ग्रामीणों का कहना है कि जहरीले धुएं से बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को सांस लेने में भारी दिक्कत हो रही है।

कोल्हू की चिमनी से निकलता धुआं।

सेना में नौकरी लगवाने के नाम पर नौ लाख की ठगी

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार : पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहे एक युवक को षडयंत्र के तहत सेना में नौकरी लगवाने के नाम पर फंसाकर उससे नौ लाख रुपये की रकम हडप ली गयी। नौकरी न लगने पर पीडित ने तीन आरोपियों के खिलाफ एसएसपी के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कराई है।

मोहल्ला कच्चा कटरा निवासी सचिन प्रजापति ने बताया कि वह पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहा है। वर्ष 2024 में आर्मी की भर्ती की तैयारी के दौरान भमोरा के गांव भरताना निवासी सचिन यादव से उसकी मुलाकात हुई थी। सचिन ने उससे कहा कि धर्मेंद्र यादव निवासी इस्लामाबाद थाना भमोरा उसका दोस्त है। वह फौज में है। वह उससे कहकर उसकी नौकरी लगवा देगा। वह उसकी बातों में फंस गया। उसने धर्मेन्द्र से मिलवाया तो उसने भी नौकरी लगवाने का वायदा किया और उससे कहा कि कोलकाता में उसके बहनोई हैं। नौकरी पाने के लिए उन्हें 9 लाख की रकम देनी होगी। कोलकाता में भर्ती निकलने की बात कहकर उसके प्रमाण पत्र अपने वाट्सएप पर मंगा लिए। धर्मेन्द्र यादव एंव सचिन यादव ने पूरी तरह षडयंत्र में उसे फंसा लिया। कुछ दिनों बाद दोनों ने उसे कोलकाता जाने और वहां भर्ती निकलने की बात कही। तुम्हारा काम हो जायेगा। वह कोलकाता चला गया। वहां एक फौजी मिला जिसकी नेमप्लेट पर विजय सिंह लिखा हुआ था। विजय सिंह के द्वारा कहा गया कि तुम्हारे कागज धर्मेन्द्र यादव ने भेज दिये है। उसे दौडना नही है। उसका सीधे मेडिकल होगा। मिलिट्री अस्पताल चलो। उस व्यक्ति ने उसका मेडिकल परीक्षण करवाया। मेडिकल होने के बाद उसे फिट बताकर घर भेज दिया। कुछ दिन बाद उसका पुलिस वेरीफिकेशन आया और वेरीफिकेशन भी हुआ। तब लगा कि उसकी नौकरी लग जाएगी। कुछ दिनों बाद नियुक्ति पत्र लेने के लिए कोलकाता जाने की बात कही गई।

धर्मेन्द्र ने व्हाट्सएप से विजय सिंह कर्नाटका बैंक के नाम से एक बैंक खाता नम्बर भेजा। धर्मेंद्र के कहने पर उसने 30 जुलाई 2024 को 4 लाख और 7 अगस्त 2024 को 5 लाख कैश दे दिया। वह कोलकाता गया तो वहां चार दिन तक इंतजार करने के बावजूद उसे कोई लैटर नहीं दिया गया। उसने धर्मेन्द्र यादव से अपने 9 लाख रुपये मांगे तो वह इनकार करने लगा। अब वह उसे जान से मारने की धमकी दे रहा है। पुलिस ने एसएसपी के आदेश पर तीनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच आरम्भ कर दी है।

संगठन विस्तार पर चर्चा की

नवाबगंज, अमृत विचार: भीम आर्मी–आज़ाद समाज पार्टी (कांशीराम) की लीगल सेल द्वारा सोमबार शाम को ग्राम रिछोला किफायतुल्लाह में हुई सभा में संगठन के विस्तार पर पदाधिकारियों ने चर्चा की। इस दौरान पार्टी की विचारधारा से प्रभावित होकर कई लोगों ने सदस्यता लेने की भी इच्छा जताई। कार्यक्रम की अध्यक्षता शाहिद अंसारी जिला महासचिव संचालन अमित सागर ने किया। मंडल अध्यक्ष अमर सिंह मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम में जान मोहम्मद अंसारी, आरिफ शैरी, सलीम आज़म अली आदि रहे।

मानवता के सच्चे रक्षक थे गुरु तेग बहादुर

कार्यालय संवाददाता, बरेली

स्कूल में पौधरोपण करते शिक्षक। ● अमृत विचार

अमृत विचार: केसर इंटर कॉलेज बहेड़ी में सोमवार को गुरु तेग बहादुर के बलिदान दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सह जिला विद्यालय निरीक्षक गिरीश चंद्र यादव, तहसीलदार भानु प्रताप सिंह, प्रधानाचार्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा, शिक्षकों और कर्मचारियों ने नमन किया। डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने कहा कि सिक्खों के नौवें गुरु तेग बहादुर मानवता के सच्चे रक्षक थे। उन्होंने विश्व इतिहास में धर्म, मानवीय मूल्य, आदर्श, सिद्धांतों की रक्षा के लिए प्राणों की आहुति देकर भारतीय संस्कृति और देश की रक्षा की। इस अवसर पर केसर इको क्लब ने चंदन नीम ,अशोक, आम इमली का पौधारोपण किया। सह जिला विद्यालय निरीक्षक गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण एवं संपोषण के लिए पौधरोपण जरूरी है। तहसीलदार भानु प्रताप सिंह ने कहा कि पौधरोपण से जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण को रोका जा सकता है। इस मौके पर शरत मिश्र, नीरज अग्रवाल, आदि रहे।

गो तस्करों के मंसूबों को कुचलेगा दल

बहेड़ी में गो रक्षा दल की बैठक में महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष का मनोनयन किया गया। ● अमृत विचार

संवाददाता, बहेड़ी

- **बैठक में संगठन को मजबूत करने पर हुई चर्चा**

अमृत विचार : तहसील में गो रक्षा हिन्दू दल के पदाधिकारियों की बैठक में संगठन को मजबूत करने पर बल दिया गया। जिलाध्यक्ष देवेन्द्र भास्कर की अध्यक्षता में हुई बैठक में कलावती को महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया। बैठक में सभी पदाधिकारियों ने संगठन की मजबूती के लिए विचार रखे। जिलाध्यक्ष ने कहा कि सर्दी में गौ तस्कर गोकशी को अंजाम देते हैं। लेकिन संगठन के पदाधिकारी ऐसा नहीं करने देंगे। इस दौरान बैठक में करन ठाकुर, राहुल ठाकुर, भोपराम राठौर, भूपेंद्र कुर्मी, रविंद्र प्रताप सिंह, रजत पंडित, मयंक गंगवार,विशाल ठाकुर, शिव ठाकुर, सनी ठाकुर, आदि मौजूद रहे।

गोवंशों पर मंडराया लंपी का खतरा

पीलीभीत, अमृत विचार : गोवंशों पर लंपी वायरस का खतरा मंडरा रहा है। पशुओं में खतरनाक बीमारी लंपी स्किन डिजीज की जद में साल भर के गोवंश आ सकते हैं। ऐसे में पशुपालन विभाग ने इन्हीं गोवंशों को लंपी वायरस से बचाव के लिए टीकाकरण अभियान की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए पशुपालन विभाग की ओर से शासन में वैक्सीन उपलब्ध कराने को डिमांड भेजी गई है। वि बता दें कि गोवंशीय पशुओं में लंपी बीमारी की शुरुआत इस बार पूर्वी यूपी से हुई है। हालांकि पिछली बार के अपेक्षा मृत्यु दर काफी कम है। पूर्व में जनपद में पशुओं को लंपी वायरस से बचाव के लिए टीकाकरण अभियान चलाया गया था। उस दौरान चार माह तक के गोवंशों को इस टीकाकरण से दूर रखा गया था।

बरात में बाल श्रमिकों से लिया जा रहा काम

संवाददाता, बहेड़ी

बरात में भारी लाइट लेकर चल रहे बाल मजदूर। ● अमृत विचार

अमृत विचार : बाल श्रमिकों से काम नहीं कराने के दावे के विपरीत बैंड बाजा संचालक बाल श्रमिकों से काम करा रहे है। नाबालिग बच्चे खाने और कुछ पैसे कमाने की लालच में बैंड की भारी लाइट को उठाकर मीलों पैदल चल रहे हैं। भारी सामान उठाने से नाबालिगों के चेहरे पर थकान देखी जा सकती है। इस आशय का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है।

इस समय सहालग चल रही है। एक एक बैंड संचालक के पास कई बुकिंग हैं। शादियों में बैंड की बुकिंग होना जरूरी है और उसके साथ लाइट भी चलना जरूरी है। यह लाइट उठाने के लिए मजदूरों को ज्यादा पैसे देने पड़ेगें। वह न देकर बैंड संचालक बाल मजदूरों को कम पैसे और लजीज खाने का लालच देकर उनसे यह लाइट उठवा रहे हैं।

- **भारी लाइट को नाजुक हाथों से उठाए मीलों चलते नाबालिग**

तहसील के ग्राम गुरसौली में बैंड बाजा संचालक द्वारा नाबालिग बच्चों से काम करवाने का मामला सामने आया है। बैंड के साथ 10-12 साल के नाबालिग बच्चे भारी भरकम सामान उठाकर चलते दिख रहे हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे शादी समारोह के इस वीडियों में बैंड चलता हुआ दिखाई दे रहा है। बैंड के साथ नाबालिग बच्चे भारी भरकम सामान अपने नाजुक हाथों से उठाते हुए चल रहे हैं। मजदूरी कराने वाले लोगों को भी नाबालिग बच्चे कम पैसों में मिल जाते हैं और वह लोग बच्चों से पूरा काम करवाते हैं।

शराब को लेकर भिड़े बराती, होमगार्ड को दौड़ाया

पीलीभीत, अमृत विचार : नौगवां चौराहे पर दो अलग-अलग बरातों में शामिल होने पहुंचे बरतियों में शराब को लेकर विवाद हो गया। तूल पकड़ने पर उनमें मारपीट हो गई। इसमें एक युवक घायल हो गया। बीच-बचाव कराने पहुंचे होमगार्ड को आरोपियों ने दौड़ा दिया। हालांकि बाद में सुनगढ़ी पुलिस पहुंची और सख्ती की।

नौगवां चौराहा पर शराब के ठेके पर दो अलग-अलग बरातों में शामिल युवक शराब लेने के लिए पहुंचे थे। पहले शराब लेने के लिए दोनों में कहासुनी हो गई। ठेका संचालक ने दोनों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन कुछ ही देर में विवाद बढ़ता चला गया। देखते ही देखते दोनों में धक्का मुक्की होने लगी।

बीच सड़क पर खराब हुई रोडवेज बस, जाम

दोपहर को बस खराब होने के बाद सड़क पर लगा जाम। ● अमृत विचार

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : लोधी नगर चौराहे पर रविवार दोपहर उस समय यातायात व्यवस्था प्रभावित हो गई जब बरेली से शीशगढ़ जा रही रोडवेज बस अचानक खराब होकर सड़क पर खड़ी हो गई। बस के खराब हो जाने से चौराहे पर जाम की स्थिति बनी रही और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई।

रोडवेज बस चालक रणजीत सिंह बस को बरेली से शीशगढ़ की ओर लेजा रहे थे। लोधी नगर चौराहे पर बस में खराबी आ गई और वह बीच सड़क पर रुक गई। इससे मार्ग बाधित हो गया और देखते ही देखते जाम लग गया। मौके पर मौजूद पीआरबी पुलिस कर्मियों ने वाहनों को वैकल्पिक मार्ग से निकालने में जुट गए। बस चालक ने बताया कि बस का इंजन प्रेशर नहीं बना रहा था और क्लच ने भी काम करना बंद कर दिया था, जिस कारण बस रास्ते में खड़ी हो गई। महिला परिचालक अनीता राणा ने बताया कि बस में कुल 8 यात्री सवार थे, जिन्हें व्यवस्था करते हुए दूसरी बस से भेज दिया गया।

VIDYAA WORLD SCHOOL

Co-Educational Sr. Sec. School, Affiliated to CBSE, New Delhi

WORLD-CLASS ARTIFICIAL INTELLIGENCE & ROBOTICS LAB

Free Foundation Classes for NEET & JEE Aspirants

Admission Fee FREE for Classes Pre-Nursery to KG

Limited Seats - Enrol Now!

Admission Open for Classes Pre-Nursery to XI

Air-Conditioned Classrooms (Pre-Nursery to V)

OPP. DENTAL COLLEGE, VAIBHAV NAGAR, PILIBHIT BYPASS ROAD, BAREILLY - 243006 (U.P.)

MOB : +91 - 8954031398 I EMAIL : vwsbly@gmail.com I WEBSITE : WWW.VIDYAAWORLDSCHOOL.COM

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 25 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

25 दिसंबर तक बनेंगे आयुष्मान कार्ड

अमृत विचार, लखनऊ : आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए 25 नवंबर से 25 दिसंबर 2025 तक विशेष अभियान शुरू किया गया है। यह अभियान प्रदेश के सभी जनपदों में एक साथ संचालित होगा। उप्र. में स्टेट एजेंसी फॉर कॉम्प्रिहेन्सिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेज (साचीज) की मुख्य कार्यपालिका अर्चना वर्मा ने बताया कि विशेष अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पात्र परिवारों के वे सदस्य, जिनका अब तक आयुष्मान कार्ड नहीं बन सका है, उन्हें लाभ तुरंत उपलब्ध कराया जाए। अभियान में 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को विशेष प्राथमिकता दी गई है।

प्रदेश के तापमान में आ सकती है गिरावट

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में हवाएं कंपकपाने वाली सर्दी लेकर लौटी हैं। उत्तर पश्चिमी हवाओं के लौटने से फिलहाल दिन-रात के तापमान में जहां कमी आएगी, वहीं आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट दर्ज की जा सकती है। इस बीच कई जिलों में कोहरे का भी सिलसिला जारी रहेगा। मौसम केंद्र लखनऊ के प्रमुख की ओर से जानकारी दी गई है कि लखनऊ और आस-पास सुबह के समय कुहासा-कोहरा और बाद में आसमान में धुंध रहने की आशंका है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 27 और 13 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा।

गोवंश व्यवस्थाओं को लेकर दिए सख्त निर्देश

अमृत विचार, लखनऊ : पशुधन विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये हैं कि निराश्रित गोवंश के बेहतर देखभाल, रखरखाव एवं अन्य व्यवस्थाओं के लिए एक सप्ताह में सभी गोशालाओं का निरीक्षण सुनिश्चित हो। पशुधन मंत्री ने सोमवार को विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में गोआश्रय स्थलों की व्यवस्था गोवंश के रखरखाव एवं सुविधाओं की समीक्षा कर रहे थे। गोआश्रय स्थलों पर गोवंश को ठंड से बचाव के लिए तिरपाल, अलाव, भूसा आदि की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। ठंड से किसी भी गोवंश की मृत्यु न हो। पशु चिकित्साधिकारी गोआश्रय स्थल पर जाकर चिकित्सा की व्यवस्था करें।

टिहरी में खाई में गिरी बस पांच लोगों की जान गई

संवाददाता, देहरादून

- कुंजापुरी दर्शन के बाद लौट रहे थे श्रद्धालु, 13 घायल, 6 गंभीर

अमृत विचारः टिहरी जिले के नरेन्द्रनगर क्षेत्र में कुंजापुरी मंदिर के पास सोमवार को एक बस के गहरी खाई में गिरने से पांच श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 13 घायल हो गए। इनमें 6 लोगों को गंभीर हालत में एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया गया है।

टिहरी की जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल ने बताया कि विभिन्न राज्यों से आए श्रद्धालुओं का दल सोमवार सुबह ऋषिकेश के दयानंद आश्रम से कुंजापुरी दर्शन के लिए पहुंचा था। मंदिर में दर्शन करके लौटने के बाद चालक ने जैसे ही बस को आगे बढ़ाया, उसके ब्रेक फेल हो गए और वह खाई में गिर गई। 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि पुलिस और एसडीआरएफ की टीमों ने बचाव एवं राहत अभियान चलाते हुए 13 घायलों को नरेन्द्रनगर अस्पताल पहुंचाया, जहां से छह की गंभीर अवस्था को देखते हुए उन्हें एम्स ऋषिकेश रेफर कर दिया गया। बताया गया कि कुंजापुरी दर्शन करने के लिए बस में 28 लोग पहुंचे थे। मृतकों की पहचान दिल्ली के द्वारका निवासी अनीता चौहान, उत्तर प्रदेश के सहारनपुर निवासी आशु त्यागी, महाराष्ट्र के नागपुर निवासी नमिता प्रबोध काले, बेंगलुरु निवासी अनुजा वेंकटरामन और गुजरात के वडोदरा निवासी पार्थसारथी जोशी के रूप में हुई है।

मोदी आज भगवा ध्वज फहराकर करेंगे राममंदिर का निर्माण पूर्ण होने की घोषणा

रंगबिरंगी रोशनियों से जगमगाई अयोध्या, गूंजने लगी रामधुन

अयोध्या, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर भगवा ध्वज फहराएंगे जो इसके निर्माण के पूरा होने का प्रतीक होगा। इस समारोह की बड़े पैमाने पर तैयारियां जारी हैं। राम मंदिर का संपूर्ण क्षेत्र रंगबिरंगी रोशनी से जगमग कर रहा है, साथ ही अनवरत रामधुन भी गूंजने लगी है।

प्रधानमंत्री मंगलवार सुबह करीब 10 बजे सप्तमंदिर आएंगे जिसमें महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, महर्षि वाल्मीकि, देवी अहिल्या, निषादराज गुहा और माता शबरी से जुड़े मंदिर हैं। इसके बाद वे शेषावतार मंदिर जाएंगे। सुबह करीब 11 बजे प्रधानमंत्री माता अन्नपूर्णा मंदिर जाएंगे, इसके बाद वह राम दरबार गर्भगृह में दर्शन और पूजा करेंगे, जिसके बाद रामलला गर्भगृह में दर्शन करेंगे। दोपहर करीब 12 बजे प्रधानमंत्री श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर भगवा झंडा फहराएंगे, जो मंदिर के निर्माण के पूरा होने का प्रतीक होगा।

रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र में ध्वज स्थापना से पहले शुरू हो गया है अनुष्ठानों का दौर।

कड़ी की गई सुरक्षा, मुख्यमंत्री ने देखीं तैयारियां

प्रधानमंत्री मोदी के आगमन से पहले अयोध्या में सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी कर दी गई है। महराजगंज जिले में भारत–नेपाल सीमा पर भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। इस बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को राममंदिर ध्वजारोहण समारोह स्थल और प्रधानमंत्री मोदी के आगमन मार्ग का निरीक्षण किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने मंदिर के मुख्य प्रवेश स्थल के बगल बने मंच पर पहुंचे, जहां से मोदी राममंदिर ध्वजारोहण समारोह में आमंत्रित अतिथियो से संवाद करेंगे।

त्रिभुजाकार ध्वज पर होगी दीप्तिमान सूर्य की तस्वीर

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, समकोण त्रिभुजाकार ध्वज की ऊंचाई 10 फुट और लंबाई 20 फुट है। इस पर एक दीप्तिमान सूर्य की तस्वीर है जो भगवान राम के तेज और वीरता का प्रतीक है। इस पर 'ॐ' अंकित है और कोविदार वृक्ष की तस्वीर भी है। पवित्र भगवा ध्वज गरिमा, एकता और सांस्कृतिक निरंतरता का संदेश देगा और राम राज्य के आदर्शों का प्रतीक होगा।

48 घंटे में अपहरण का खुलासा, सात गिरफ्तार

बरेली निवासी परवेज का मुरादाबाद में हुआ था अपहरण, मझोला पुलिस ने किया सकुशल बरामद

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : मझोला पुलिस ने अपहरण कर 10 लाख रुपये फिरौती की मांग करने वाले गैंग की दो महिला सदस्यों सहित सात आरोपियों को गागन नदी रोड मल्कदा तिराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अपहृत परवेज को सकुशल बरामद कर लिया। टीम ने सदस्यों से एक तमंचा 315 बोर, दो कारतूस, नौ मोबाइल फोन, एक टाटा सफारी और एक लक्जरी कार भी बरामद की है।

सोमवार को एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने पुलिस लाइन में आयोजित प्रेसवार्ता में अपहरण कर फिरौती मांगने वाले गैंग का खुलासा किया। बताया कि 22 नवंबर को बरेली निवासी परवेज पुत्र शरीफ का 6-7 लोगों ने नया मुरादाबाद क्षेत्र से अपहरण कर लिया था। आरोपियों में दो महिलाएं भी शामिल थीं। अपहरणकर्ताओं ने परवेज के परिवार वालों से फोन कर 10 लाख रुपये की फिरौती की मांग और जान से मारने की धमकी दी थी। पीड़ित के रिश्ते के भाई आजन पुत्र नूरुल हक की तहरीर पर थाना मझोला में मुकदमा दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि परवेज के परिवार वालों ने अपहरणकर्ताओं के दबाव में 83 हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर भी कर दिए, जिसके बाद आरोपियों का लालच बढ़ गया और वे लगातार शेष रकम भेजने को मजबूर करते रहे।

घटना की गंभीरता देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने तत्काल कार्रवाई कर धरपकड़ के लिए एक टीम गठित की। जिसमें मौजूद तकनीकी निगरानी और फील्ड इंटेलिजेंस की मदद से आरोपियों का पीछा किया गया। 24 नवंबर को गागन नदी रोड मल्कदा तिराहे के पास से पुलिस ने विकुल कुमार उर्फ कैलाश सिंह, शोमिक त्यागी, अमन, नितिन, विभिन्न क्षेत्रों के रहने वाले हैं। पुलिस टीम की त्वरित कार्रवाई और शाकिर, नेहा और संगीता को गिरफ्तार कर लिया। सभी आरोपी मुरादाबाद और अमरोहा जिले के अपहृत के सकुशल लौटने से पीड़ित परिवार ने राहत की सांस ली है।

थाना मझौला पुलिस ने अपहरण कर फिरौती मांगने वाले गैंग को पकड़ा।

महिला पुलिस के साथ गैंग की महिला सदस्य। ● अमृत विचार

- परवेज के घरवालों से 10 लाख रुपये की फिरौती मांगी गई थी

अकेला मिल गया था परवेज तो जबरन कार में बैठा लिया

पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वह आसान तरीके से अच्छी कमाई करने के लालच में इस अपराध में शामिल हुए। उन्होंने बताया कि परवेज उन्हें अकेला मिल गया था, जिसके बाद उसे जबरन कार में बैठाकर अगवा कर लिया गया। फिरौती न मिलने पर उसे तमंचे की नोक पर धमकाया जाता रहा और परिवार वालों को फोन कर पैसे भेजने का दबाव बनाया जा रहा था। परवेज की कार छिपा दी और मोबाइल फोन व चाबी को नेहा के पास रखवा दिया गया था।

तेजाब की धमकी से डरीं दो बहनों ने कॉलेज जाना छोड़ा

कार्यालय संवाददाता अमरोहा

अमृत विचार : छेड़छाड़ से तंग आकर दो बहनों ने कॉलेज जाना छोड़ दिया। आरोपी ने तेजाब फेंककर उनके चेहरे बिगाड़ने की धमकी दी है। दोनों बहनों ने घर से निकलना ही छोड़ दिया। पुलिस ने आरोपी युवक व उसके दो दोस्तों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

नगर कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ले के रहने वाले कारोबारी की दो बेटियां एक कॉलेज में पढ़ती हैं। एक बेटी हाई स्कूल तो दूसरी इंटर की छात्रा है। बड़ी बेटी का रिश्ता तय हो गया है। 15 नवंबर को कॉलेज जाते समय शफीक नाम के युवक ने दोनों बहनों को रोक लिया। उनके साथ छेड़छाड़ कर अश्लील हरकतें शुरू कर दीं। बड़ी बहन को धमकाते हुए कहा कि किसी कीमत पर शादी नहीं होने दूंगा। तेजाब डालकर सूरत बिगाड़ दूंगा। डरी सहमी दोनों छात्राएं घर लौटीं और परिजनों को बताया। आरोपी ने बड़ी बेटी के मंगेतर के साथ खींची तस्वीर रिश्तेदारी में भेज कर बदनाम करने की कोशिश की। कारोबारी के बेटे को भी दोनों बहनों के फोटो भेज अश्लील टिप्पणी की। परेशान होकर दोनों बहनों ने कॉलेज जाना छोड़ दिया। यहां तक की अब घर से भी नहीं निकल पा रही हैं।

पंतनगर के रिटायर्ड प्रोफेसर से 7.50 लाख की ठगी

रुद्रपुर, अमृत विचार: पंतनगर विश्वविद्यालय से सेवानिवृत हुए प्रोफेसर को यूएनडीपी में प्रोजेक्ट मैनेजर की नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की साइबर ठगी होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एलायंस सिटी निवासी महेंद्र पाल सिंह ने बताया कि वह जून 2025 में पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय से प्रोफेसर के पद से रिटायर्ड हुआ था। जब वह ऑनलाइन जॉब के लिए गूगल सर्च कर रहा था कि तभी सेवानिवृत होने से पहले यूनाइटेड नेशन डेवलपमेंट प्रोग्राम में प्रोजेक्ट मैनेजर के पद पर आवेदन किया। आठ अगस्त 2025 को मेल आईडी पर मेल प्राप्त हुई। जिसमें लिखा था कि उसका चयन यूएनडीपी में हांगकांग चीन के लिए प्रोजेक्ट मैनेजर पर हुआ है। जिसके तहत ऑनलाइन ही दस्तावेज देना अनिवार्य है। लगातार मिल रहे निर्देश के तहत हांगकांग कृषि विभाग का खाता दिया और नौ सितंबर को खाते में 4200 यूएसडी, 26 सितंबर को अन्य दस्तावेज तैयार करने के लिए 4700 यूएसडी, 29 सितंबर तक 8900 यूएसडी ट्रांसफर कर दी। जो कि भारतीय मुद्रा के 7.50 लाख रुपये होते है। काफी दिनों तक ज्वाइनिंग पत्र नहीं आया तो उन्हें ठगी का एहसास हुआ।

उत्तराखंड सरकार का सांस्कृतिक पुनर्जागरण पर जोर

देहरादून, अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जैसे अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर 500 वर्षों बाद स्थापित हुआ, उज्जैन में महाकाल कॉरिडोर का निर्माण पूरा हुआ। उसी प्रकार, उत्तराखंड में भी सांस्कृतिक पुनर्जागरण के लिए व्यापक कार्य चल रहे हैं।

सोमवार को लाखामंडल में मुख्यमंत्री धामी ने विशाल जनसभा को संबोधित किया। कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनेक ऐतिहासिक और निर्णायक कदम उठा रही है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि पिछले 4. 5 वर्षों में 26,000 से अधिक युवाओं को पूरी पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ सरकारी नौकरियों में चयनित किया गया है।

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु लड़कों की
संपर्क करें
कंपटीशन बुक हाउस
कॉलेज बुक हाउस
5, 6, 7 न्यू कॉलेज रोड मार्केट बरेली

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र मो. ताज व पुत्रवधु नेहा को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। नूर जहाँ पत्नी अकील अहमद निवासी मोहल्ला हजियापुर चाँद साबरी कब्बाल गली थाना बारादरी जिला बरेली।

सूचना
मैनें एक प्लाट ग्रेटर नोएडा इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी से क्रय किया था। प्लाट नं. 41 ब्लॉक-ए, सेक्टर- पी4 और एलॉटमेंट नं. UPG0158137 है। उक्त प्लाट का लीज़ डीड क्र0- 12846/07 है। उक्त प्लाट के लीज़ डीड के मूल अभिलेख मुझसे कहीं खो गये हैं। जिसमें एलॉटमेंट पत्र भी खो गया है। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिले। दिनेश चन्द्र पुत्र श्री सुरेश चन्द्र वर्मा निवासी बी-5, जगदीश विहार, राजेन्द्र नगर, जिला बरेली

सार्वजनिक सूचना
यह सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सुश्री विनीता देवी पत्नी श्रीपाल एक आवासीय भवन क्रय कर रही है, जो मौज़ा नवादा जोगियाँ, तहसील एवं जनपद बरेली में स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 63.54 वर्ग मीटर है। उक्त संपत्ति की खरीद हेतु ऋण गृह ऋण लिमिटेड से लिया जा रहा है। इस संबंध में एक विक्रय विलेख श्री सोहन पाल पुत्र श्री खमानी लाल द्वारा श्री रंजीत सिंह राठौर पुत्र श्री वीरेंद्र स्वरूप के पक्ष में निष्पादित की गई थी, जो कि उप पंजीयक, सदर द्वितीय बरेली के दिनांक 21.11.2024 वही संख्या 1 जिल्द संख्या 15960 पेज संख्या 335 से 350 क्रमांक 18469 में रजिस्ट्री हुई। यदि किसी व्यक्ति या संस्था को उपर्युक्त संपत्ति, विलेख या स्वामित्व से संबंधित कोई आपत्ति, दावा या अधिकार हो, तो इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 (सात) दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी को लिखित रूप में अवगत कराएं। नियत अवधि के बाद आपत्तियों पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जाएगा।
Sonu Singh Yadav, Advocate, Sewa Grih Rin Ltd., Contact No. 9324585156

D.EL.ED (BTC) सीधे प्रवेश
राफिआह कॉलेज ऑफ एजुकेशन
पताः- निकट डाक बंगला बिसौली रोड, सहसवान (बदायूं)
शासनादेश सं0 1169/ अरसठ- 4-2025-2067/2013 बेसिक शिक्षा अनुभाग- 4 - दिनांक 12 नवम्बर 2025 प्रवेश की कार्यवाही हेतु शासनादेश संख्या-828 अरसठ- 4- 2025- 2067 2025 बेसिक शिक्षा अनुभाग-4 D.EL.ED पूर्व (BTC) प्रशिक्षण सत्र-2025-27, में सीधे प्रवेश हेतु अल्पसंख्यक अभ्यार्थी संस्थान की वेबसाइट www.rcegroup.org पर आवेदन आमंत्रित है।
सम्पर्क सूत्र- 9999736330, 8859563997, 9999098111

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार के
एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार
6वें स्थापना दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
जिला खाद्य विपणन अधिकारी
शाहजहांपुर
जिला खाद्य एवं विपणन विभाग की ओर से किसान भाइयों से अपील
● सरकारी क्रय केंद्रों पर बेचें फसल, एसएसपी का लें लाभ
● निजी आढ़तों की जगह सरकारी केंद्रों पर अपनी फसल बेचें और मिनिमम सपोर्ट प्राइस प्राप्त करें।
● किसान भाई धान अच्छी तरह सुखाकर ही क्रय केंद्रों पर लाएं। क्योंकि 17: से ज्यादा नमी होने पर धान सरकारी खरीद केंद्र पर नहीं खरीदा जा सकता।
● फसल का पैसा किसानो के खाते में सीधे डीबीटी के जरिए भेजा जाता है।
● सरकारी केंद्रों पर अपनी फसल बेचकर खाद्य एवं विपणन विभाग और जिला प्रशासन का सहयोग करें।
धन्यवाद
राकेश मोहन पांडेय
जिला खाद्य विपणन अधिकारी, शाहजहांपुर

अमृत विचार
Lifelines MEDICAL OF BAREILLY
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ... नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन - 8979252222, 9457663289

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

खामोश हुए ही मैन...

जन्म: 8 दिसबंर 1935 ■ निधन: 24 नवंबर 2025

तोड़ेंगे दम मगर, तेरा साथ न छोड़ेंगे...

विशेष डेस्क

अमृत विचार। मुंबई के फिल्म स्टूडियो की चमकती रोशनियों ने कई चेहरों को स्टारडम दिया, लेकिन कुछ नाम ऐसे हैं जो सिर्फ सितारा नहीं बने, बल्कि कई पीढ़ियों के दिलो-दिमाग में गहरे उतर गए। धर्मेंद्र एक ऐसे ही अलेबेले अभिनेता थे। ही-मैन के नाम से मशहूर बॉलीवुड के इस सुपर स्टार की मुस्कान में अगर गांव की मिट्टी की महक थी, तो चाल में पंजाब के किसी फौजी जैसी चौकसी और आंखों में एक ऐसा अपनापन कि दर्शक उनके किरदार में खुद को परदे पर खोजने लगते थे। संवाद अदायगी का उनका अपना अंदाज, अभिनय में सादगी के साथ मर्दानगी की मिसाल ने लोगों को धर्मेंद्र का दीवाना बना दिया था।

बॉलीवुड के बीते छह दशक से ज्यादा के सफर में पांच दशक तक 300 से ज्यादा फिल्मों वाले शानदार करियर की बदौलत किसी बादशाह की तरह लोगों के दिलों पर राज करने वाले दिलदार स्वभाव और बेजोड़ शख्सियत वाले धर्मेंद्र ने अभी 8 नवंबर को ही अपना 89वां जन्मदिन मनाया था। इसके दो दिन बाद ही उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। लेकिन फिल्म शोले में बसंती के लिए पानी की टंकी पर चढ़कर जान देने की जानदार एक्टिंग करने वाले धर्मेंद्र जिस तरह फिल्म में मरना कैसिंल करके टंकी से नीचे उतर आए थे, उसी तरह मौत को मात देकर घर आ गए थे। लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था, जिसने हिंदी सिनेमा के इस लेजेंड को 24 नवंबर को दुनिया को अलविदा कहने के लिए मजबूर कर दिया।

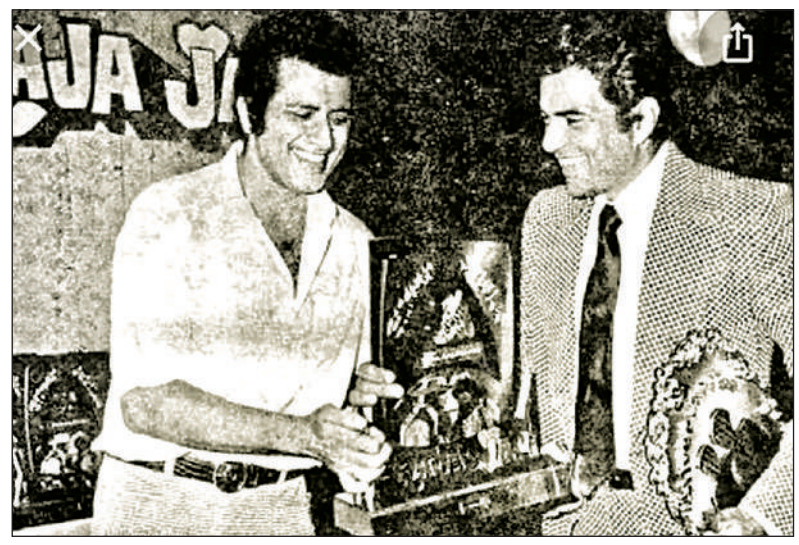

मनोज कुमार न रोकते तो पंजाबी जट्ट धर्मेंद्र नहीं बन पाते

धर्मेंद्र के फिल्मी हीरो बनने की कहानी बड़ी दिलचस्प है। बात साल 1960 की है। पंजाब के एक छोटे से गांव का एक सीधा-सादा लड़का स्क्रीन पर दिलीप कुमार को देखकर हीरो बनने का सपना पाल बैठा था। लेकिन एक स्कूल मास्टर के बेटे के लिए ये सपना पूरा करना आसान नहीं था, यह जानते हुए भी इस पंजाबी जट्ट ने अटैची उठाई और पहुंच गया मायानगरी मुंबई। यह वह दौर था जब फिल्म इंडस्ट्री में "हीरो" की परिभाषा सिर्फ खूबसूरत चेहरे और नपे-तुले एक्शन तक सीमित थी। लेकिन धर्मेंद्र ने जल्दी ही इसे बदल दिया। उन्होंने हीरो को इंसान बनाया, और इंसान को हीरो की ऊंचाई दी। लेकिन इससे पहले उन्हें मुंबई में खासा संघर्ष करना पड़ा। उस समय फिल्म स्टूडियो के बाहर काम मिलने के इंतजार में लाइन लगानी पड़ती थी। कई बार सड़क पर सोने की नौबत आ जाती थी। ऐसे में थक-हारकर धर्मेंद्र ने एक दिन ट्रेन पकड़कर वापस पंजाब जाने का फैसला ले लिया। लेकिन किस्मत को तो कुछ और ही मंजूर था। पंजाब से ही अभिनेता बनने आए मनोज कुमार से मुलाकात हो गई। उन्होंने वापस जाने से रोक लिया और हौसला बढ़ाया तो धर्मेंद्र ने कुछ दिन और रुकने का फैसला किया। इसके बाद निर्देशक बिमल रॉय ने सबसे पहले धर्मेंद्र को स्पॉट किया। फिर तो एक दिन जिस अभिनेता देव आनंद को धर्मेंद्र पर्दे पर देखते थे, उन्होंने उन्हें अपने मेकअप रूम में बुलाया और आगे बढ़ने के लिए मोटिवेट किया।

- **बिमल रॉय की बंदिनी से मिला ऐसा ब्रेक फिर रुका नहीं सफर** अर्जुन हिंगोरानी ने अपनी फिल्म 'दिल भी तेरा, हम भी तेरे' से धर्मेंद्र को ब्रेक दिया। लेकिन उनकी यह पहली फिल्म बस आई-गई जैसी हो गई। हालांकि उनकी दूसरी फिल्म 'शोला और शबनम' कामयाबी की कहानी लेकर आई। इसके बाद उनकी कुछ और फिल्में भी चलीं, लेकिन बड़ा कमाल हुआ उन्हीं बिमल रॉय की फिल्म से, जिन्होंने धर्मेंद्र को अपनी अभिनेता प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में स्पॉट किया था। अपने जमाने के आइकॉनिक फिल्ममेकर बिमल ने धर्मेंद्र को 'बंदिनी' (1963) में कास्ट किया। अशोक कुमार और नूतन के लीड वाली इस फिल्म को नेशनल अवॉर्ड मिला और लोगों ने धर्मेंद्र के काम को भी जमकर सराहा।
- **आई मिलन की बेला, हकीकत, काजल फूल और पत्थर से दिलों में बनाई जगह:** 'आई मिलन की बेला' (1964) के लिए धर्मेंद्र को फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में नॉमिनेशन मिला। उसी साल आई देश की चीन के साथ युद्ध पर बनी पहली फिल्म 'हकीकत' से बड़ी पहचान मिली। 1965 में मल्टीस्टारर 'काजल' हिट होने का धर्मेंद्र को बड़ा फायदा मिला। 'फूल और पत्थर' (1966) में उन्हें लीड रोल मिला और फिल्म खूब चली। इसी साल उनकी 'देवर', 'ममता', 'आए दिन बहार के' और 'अनुपमा' भी बाक्स आफिस पर हिट साबित हुईं। 70 का दशक शुरू होने तक धर्मेंद्र स्टार बन चुके थे। अब जैसे सुपरस्टारडम उनका इंतजार कर रहा था।
- **और 70 तथा 80 के दशक ने बना दिया सुपरस्टार:** 70-80 के दशक में धर्मेंद्र बॉलीवुड के सबसे बड़े सुपरस्टार थे। इस दौर में उन्होंने कई हिट और यादगार फिल्में दीं, जैसे 'मेरा गांव मेरा देश', 'शोले', 'धरमवीर', 'यादों की बारात', 'लोफर', जुगनू, 'यादों की बारात' और 'प्रतिज्ञा' आदि। इस समय वह इंडस्ट्री के सबसे रोमांटिक और एक्शन हीरो में से एक थे और उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफलता की गारंटी थीं। इस दौर में हर निर्देशक और अभिनेत्री उनके साथ काम करना चाहती थीं।

कुछ यादगार फिल्में

- फूल और पत्थर (1966): जिसने उन्हें स्टार बना दिया
- सत्यकाम (1969) को सर्वश्रेष्ठ परफॉर्मेंस में गिना जाता है
- शोले (1975): भारतीय सिनेमा का यादगार स्तंभ
- चुपके-चुपके (1975): हिंदी कॉमेडी का स्वर्ण अध्याय
- धर्मवीर, काला सोना, सीता और गीता, यकीन, रजिया सुल्तान

1987 में सात हिट फिल्में

- साल 1987 धर्मेंद्र के लिए सबसे लकी साबित हुआ। इस साल उनकी सात फिल्में हिट हुईं। इसके चलते धर्मेंद्र डायरेक्टर्स के फेवरेट बन गए थे। 1987 में हिट हुई इन 7 फिल्मों ने धर्मेंद्र को एक नई पहचान दी थी। ये 7 फिल्में थीं, 'इंसानियत के दुश्मन', 'हुकूमत', 'लोहा', 'आग ही आग', 'मर्द की जुबान', 'वतन के रखवाले' और 'दादागिरी', इन सभी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी थी।

शोक में डूबे बॉलीवुड के सितारे

नई दिल्ली। रजनीकांत और मोहनलाल से लेकर अक्षय कुमार, अजय देवगन और करण जौहर समेत कई मशहूर फिल्मी हस्तियों ने सोमवार को धर्मेंद्र को श्रद्धांजलि दी और उन्हें भारतीय सिनेमा का एक 'सच्चा दिग्गज', 'पीढ़ियों के लिए प्रेरणा' और 'असली ही-मैन' कहकर याद किया। अक्षय ने दिग्गज अभिनेता की एक तस्वीर साझा करते हुए 'एक्स' पर लिखा, धर्मेंद्र जी ऐसे हीरो थे जो हर युवा लड़का बनना चाहता था... हमारे फिल्म जगत के असली 'ही-मैन', पीढ़ियों को प्रेरित करने के लिए शुक्रिया। अभिनेता अल्लू अर्जुन ने लिखा, दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र जी के निधन की खबर सुनकर गहरा दुख हुआ। एक शानदार अभिनेता जिन्होंने लाखों दिलों को छुआ। अभिनेत्री करीना कपूर और माधुरी दीक्षित ने धर्मेंद्र के निधन पर दुख व्यक्त किया और कहा कि यह फिल्म जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। आमिर खान के प्रॉडक्शन हाउस ने एक बयान में कहा, आप हमेशा हमारे दिलों में रहेंगे।

"शोले" का वीरू जो रोता भी है, टूटता भी है, प्यार भी करता है

- धर्मेंद्र ने परदे पर सिर्फ किरदार नहीं निभाए, उन्होंने भारतीय दर्शक के दिल के भीतर अपना घर बनाया। उनकी फिल्मों में मजबूती है, पर उनकी आंखों में नरमी। उनके संवाद दमदार हैं, पर व्यवहार में, यही कारण है कि धर्मेंद्र सिर्फ हिंदी सिनेमा के अभिनेता नहीं, एक ऐसा युग हैं, जिसे कोई बदल नहीं सकता।"अनुपमा" में उनकी संवेदनशीलता, "सत्यकाम" में नैतिकता की आग, "चुपके-चुपके" में मासूम कॉमेडी और "शोले" का वीरू—जो रोता भी है, टूटता भी है, प्यार भी करता है, भला कौन भूल सकता है। हेमा मालिनी के साथ तो उनकी केमिस्ट्री इतनी स्वाभाविक थी कि परदे पर आते ही जैसे कहानी खुद-ब-खुद खिल उठती थी।

प्रकाश कौर से हुई थी पहली शादी, जिनसे दो बेटे और दो बेटियां

- धर्मेंद्र की पहली शादी 1954 में 19 साल की उम्र में प्रकाश कौर से हुई थी। इस शादी से उनके दो बेटे हुए, सनी देओल और बॉबी देओल। इनके साथ ही दो बेटियां विजेता और अजिता भी हैं। अभिनेता अभय देओल उनके भतीजे हैं। 1880 में धर्मेंद्र ने अभिनेत्री हेमा मालिनी से शादी कर ली थी। इस शादी से उन्हें दो बेटियां ईशा देओल और आहाना देओल हैं।

धरम पाजी के साथ एक युग का जाना

- धर्मेंद्र की फिल्मों को देखकर हमने सीखा कि हीरो होना सिर्फ लड़ने की कला नहीं, बल्कि इंसान की अच्छाई की जीत है। धर्मेंद्र वह सितारा हैं जिनकी चमक सिर्फ परदे तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों की यादों, कहानियों और मोहब्बतों में रच-बस चुकी है। इसलिए धर्मेंद्र जैसे सितारे कभी खत्म नहीं होते, वे हर पीढ़ी के दिलों में दोबारा जन्म लेते हैं।

विविध

फर्जीवाड़ा करने वाले गिरोहों की तलाश में जुटी एजेंसियां

मदरसा बोर्ड ने भी चार अधिकारियों पर की कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : संतकबीरनगर के ब्रिटिश मौलाना शमशुल हुदा खान के खिलाफ कार्रवाई के बाद सुरक्षा एजेंसियां फर्जीवाड़ा करने वाले गिरोह की जड़ें तलाशने में जुटी हैं। वहीं, संतकबीरनगर पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आठ सदस्यीय एसआईटी गठित की है। आरोपी ब्रिटिश मौलाना के 18 खातों में 94.27 लाख रुपये सीज कर दिए गए हैं। साथ ही एनआरआई, एनआरओ और एनजीओ खातों में विदेशी फंडिंग की जांच के लिए पत्र भेजे जा रहे हैं। उधर, मदरसा बोर्ड ने चार अधिकारियों व कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। इसके अलावा विभाग के करीब आधा दर्जन अधिकारी-कर्मचारी भी रडार पर हैं।

एटीएस ने मूलतः संतकबीरनगर निवासी मौलाना शमशुल हुदा खान के ब्रिटेन नागरिक होने का खुलासा किया। यह भी सामने आया कि ब्रिटेन में रहने के दौरान भी वह मदरसा शिक्षक के रूप में वेतन लेता रहा। भंडाफोड़ के बाद उसे दिए गए 16.55 लाख रुपये वेतन की वसूली का आदेश जारी किया गया, जिस पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। मौलाना शमशुल हुदा खान आजमगढ़ के मिस्बाहुल उलूम मदरसा में कार्यरत था। नियमों के अनुसार विदेशी नागरिकता लेने के बाद सेवा स्वतः समाप्त हो जाती है, लेकिन उन्होंने इसे छिपाया। विभागीय जांच में पता चला कि सेवा अवधि में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, सिंगापुर, श्रीलंका और पाकिस्तान की यात्राएं कीं। 2022 में खुलासा होने पर अल्पसंख्यक कल्याण विभाग और एटीएस ने संयुक्त जांच शुरू की। सरकार ने गलत तरीके से वेतन व लाभ मंजूर कराने के आरोप में शेष नाथ पांडेय, निष्कर्ष सिंह, लालमन और प्रभात कुमार को निलंबित कर दिया है।

व्हाइट कॉलर टेररिज्म : कराची स्टॉक एक्सचेंज से उत्तराखंड में हो रही फंडिंग

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : दिल्ली धमाके के बाद पहली बार व्हाइट कॉलर टेररिज्म की बात सामने आई। ऐसे आतंकियों का नाम सामने आया, जो डॉक्टरी जैसे पेशे से जुड़े थे। जांच में व्हाइट कॉलर टेररिज्म के तार उत्तराखंड से भी जुड़े। देहरादून से लेकर पिथौरागढ़ तक इन आतंकियों के तार जुड़े मिले और अब एक नया मामला सामने आ रहा है। ये मामला कराची स्टॉक एक्सचेंज और उत्तराखंड से जुड़ा है। राज्य में ऐसे तमाम बैंक खाते हैं, जिसमें कराची स्टॉक एक्चेंज से रुपया ट्रांसफर किया जा रहा है।

हल्द्वानी में ऐसे कई बैंक खाते होने की बात सामने आ रही है और इससे जुड़ी जानकारी लीक हो रही है। सूत्रों और लीक हुई इस जानकारी के मुताबिक, उक्त बैंक खातों में 10 से लेकर 100 रुपये तक ट्रांजेक्शन हुआ है और ये रुपया कराची स्टॉक एक्सचेंज से भेजा गया है। इन खातों में कराची स्टॉक एक्सचेंज से रुपया तो आया, लेकिन गया कहां, इसकी जांच हो रही है। सबसे गंभीर बात यह है कि राज्य में इस तरह के कितने बैंक खाते सक्रिय हैं, इसकी पूरी जानकारी उपलब्ध नहीं है। सूत्रों का कहना है कि मामला एसटीएफ तक पहुंच चुका है, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं है। माना जा रहा है कि यह आतंकी फंडिंग हो सकती है। खातों में छोटी रकम इसलिए डाली जा रही है ताकि यह किसी की भी नजरों में न आए।

80 करोड़ से अधिक की लिमिट व खाताधारक फेक

प्राथमिक जांच में एक ऐसा बैंक खाता सामने आया है, जिसकी लिमिट 80 करोड़ रुपए से अधिक है। ये एक करंट अकाउंट है, जो एक कथित महावीर फर्म के नाम पर रजिस्टर्ड है। इस खाते में तीन साझेदार है, जिसमें से एक अभी भी जेल में है और खाते में दनादन रुपये आ रहे हैं। इस खाते में दो अन्य व्यक्तियों का नाम भी है और बताया जा रहा है कि ये दोनों व्यक्ति बैंक में सेविंग अकाउंट खुलवाने की हैसियत भी नहीं रखते हैं और इनके नाम पर न सिर्फ एक फर्म है बल्कि करंट अकाउंट भी है। बैंक की एक टीम उस पते पर पहुंची, जहां फर्म को दर्शाया गया था। लेकिन वहां कुछ नहीं मिला।

मथुरा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर बस पलटी, 16 यात्री घायल

मथुरा, एजेंसी: मथुरा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर सोमवार सुबह एक निजी बस के पलट जाने से कम से कम 16 यात्री घायल हो गए, जिनमें तीन की हालत गंभीर है। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सुरेश चंद्र रावत ने बताया कि बस दिल्ली (छतरपुर) से रायबरेली जा रही थी जिसमें लगभग 50 से 60 यात्री सवार थे। आगरा की ओर जाते समय चालक की लापरवाही के कारण बस डिवाइडर से टकराकर पलट गई। यात्रियों के अनुसार, चालक कंडक्टर से तंबाकू का पाउच ले रह था तभी उसने वाहन से नियंत्रण खो दिया जिससे यह दुर्घटना हुई।

दैनिक अमृत विचार, समाचार पत्र के स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

ग्रामीण विकास मंत्रालय
भारत सरकार
MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT
GOVERNMENT OF INDIA

इच्छुक अभ्यर्थी वेबसाईट पर ऑनलाइन आवेदन करें।
E-mail: info@a2zhr.com I Website : www.a2zhr.com

A2Z

Hotel Management Group

वस्त्र मंत्रालय MINISTRY OF TEXTILES

पर्यटन मंत्रालय MINISTRY OF TOURISM

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

DDU-GKY
Deen Dayal Upadhyaya Grameen Kaushalya Yojana

Telecom Sector Skill Council

ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार एवं राज्य सरकार, उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में
DDU-GKY (दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के अन्तर्गत 11 रोजगार आधारित नि:शुल्क ट्रेनिंग कार्यक्रम)।।

A2Z MULTISERVICES & IT SOLUTIONS PVT. LTD.

बेरोजगार ग्रामीण युवक एवं युवतियों के लिए सुनहरा मौका

नि:शुल्क ट्रेनिंग, भोजन एवं आवास, युनिफार्म, स्टेशनरी, किताबें आदि

100% JOB GUARANTEE

नि:शुल्क आवासीय ट्रेनिंग करें
रोजगार पायें

कोर्स : फैशन डिजाईनिंग, रिटेल सेल्सएसोसियट्स, जनरल डयूटी असिस्टेंट (नर्सिंग) स्मर्थ (Swing Machine Operator), होटल मैनेजमेन्ट।

सेन्टर पता: प्लाट नं. 272, एन.एच.-30, पीलीभीत रोड, हरदुआ नवाबगंज, बरेली (उ.प्र.)
मो. 7570004441, 7570004446

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 25 नवंबर, 2025

न्यूज ब्रीफ

ओडिशा में नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म

भुवनेश्वर। ओडिशा के खुर्दा जिले में 16 वर्षीय दलित लड़की को कथित तौर पर अगवा कर उससे सामूहिक बलात्कार किया गया। पुलिस ने सोमवार को बताया कि नाबालिग के माता-पिता ने 19 नवंबर को गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी, क्योंकि वह पिछले दिन स्कूल से घर नहीं लौटी थी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि लड़की की मां ने बाद में पुलिस में नई शिकायत दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया कि उसके एक पुरुष मित्र और उसके साथियों ने उससे बलात्कार किया।

दुर्घटना में परिवार को 35 लाख मुआवजा

नई दिल्ली। साल 2022 में यहां एक सड़क हादसे में मारे गए 21 साल के व्यक्ति के परिवार को 35 लाख रुपये से ज्यादा मुआवजा यहां एक मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) ने दिया है। उस व्यक्ति की मौत एक स्कूटर के मेट्रो पिलर से टकराने से हुई थी, जिस पर वह पीछे बैठा था। पीठासीन अधिकारी गुंजन गुप्ता ने मृतक राहुल के परिवार की याचिका पर सुनवाई की। यह हादसा 15 जून, 2022 को मेन रोहतक रोड पर मेट्रो पिलर नंबर 260 के पास हुआ था, जब रोहन का स्कूटर पिलर से टकरा गया।

तबादला होने के डर से आत्महत्या की कोशिश

मैसूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया के विधानसभा क्षेत्र वरुणा में तैनात एक ग्रेड-1 पंचायत सचिव ने पुरानी शिकायत दोबारा खोले जाने के बाद स्थानांतरण होने के डर से पिछले सप्ताह आत्महत्या की कोशिश की। वरुणा पंचायत में करीब दो साल से सचिव के रूप में कार्यरत दिव्या ने 20 नवंबर को अपने दफ्तर में ही लगभग 15 गोलियां खा लीं। पुलिस ने बताया कि थोड़ी देर बाद वह बेहोश होकर गिर पड़ीं और उन्हें मैसूरु के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया।

तमिलनाडु में दो बसों की टक्कर, 6 की मौत

तेनकासी। तेनकासी जिले में इदैकल के पास सोमवार को दो निजी बसों की टक्कर में छह व्यक्तियों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने घटना पर दुख जताया और जिला प्रशासन को सभी घायलों का सही से उपचार कराने का निर्देश दिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह हादसा तब हुआ जब आमने-सामने से आ रहीं दो निजी बसों की टक्कर हो गई।

कानून निजी दुश्मनी निपटाने का मंच नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने एक आपराधिक मामले को खारिज करते हुए की टिप्पणी

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने कुछ लोगों द्वारा अपने निहित स्वार्थों के लिए न्यायिक प्रणाली के दुरुपयोग की हालिया प्रवृत्ति की निंदा करते हुए सोमवार को कहा कि आपराधिक कानून व्यक्तिगत दुश्मनी निपटाने के लिए प्रतिशोधात्मक कार्यवाही का मंच नहीं बन सकता। न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने गुवाहाटी के एक व्यवसायी के खिलाफ आईपीसी की धारा 420 (धोखाधड़ी) और धारा 406 (आपराधिक विश्वासघात) के तहत दर्ज एक आपराधिक मामले को खारिज करते हुए ये टिप्पणियां कीं।

पीठ ने कहा कि हाल के वर्षों में कुछ लोग अपने निहित स्वार्थों और अपने अप्रत्यक्ष उद्देश्यों एवं एजेंडा को पूरा करने के लिए आपराधिक न्याय तंत्र का दुरुपयोग कर रहे हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि अदालतों को ऐसी प्रवृत्तियों के प्रति सतर्क रहना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारे समाज के ताने-बाने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले चूक और अपराध के कृत्यों को शुरू में ही रोक दिया जाए। शीर्ष अदालत ने शिकायत और साक्ष्यों का अवलोकन करते हुए कहा कि व्यवसायी इंदर चंद बागड़ी के विरुद्ध धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात का पुख्ता मामला नहीं बनाया जा सका है और शिकायतकर्ता जगदीश प्रसाद बागड़ी के पास विवादित संपत्ति के विक्रय विलेख को रद्द करने एवं अपने संविदात्मक अधिकारों के उल्लंघन के लिए हर्जाना मांगने के वास्ते दीवानी कानून के तहत अन्य उपाय मौजूद हैं। पीठ ने कहा कि आपराधिक कानून को व्यक्तिगत रंजिश और प्रतिशोध की भावना से प्रतिशोधात्मक कार्यवाही शुरू करने का मंच नहीं बनना चाहिए। न्यायालय ने कहा कि इंदर चंद बागड़ी को किसी आपराधिक मंशा का दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

पेंशन संबंधी याचिका पर केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को वित्त, गृह और विधि सहित विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों से भारतीय पुलिस सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारियों की एसोसिएशन द्वारा दायर एक याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें वित्त अधिनियम 2025 में पेश किए गए नए पेंशन सत्यापन खंड की वैधता को चुनौती दी गई है। पूर्व के फैसलों का हवाला देते हुए एसोसिएशन ने कहा कि एक ही वर्ग के पेंशनभोगियों के साथ केवल उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने एफआरआईपीएसओ के वकील अलभ्य धमीजा के माध्यम से दायर याचिका पर संज्ञान लिया और इस मुद्दे पर लंबित अन्य मामलों के साथ इस पर अगले साल जनवरी में सुनवाई की तारीख तय की।

हिंदू पक्ष की याचिका पर एक दिसंबर को सुनवाई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि वह कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद में एक हिंदू पक्ष की याचिका पर एक दिसंबर को सुनवाई करेगा। इस पक्ष ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें एक अन्य मुकदमे में एक अन्य पक्ष को भगवान कृष्ण के सभी भक्तों का प्रतिनिधि माना गया है। न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ ने कहा कि वह इस याचिका पर एक दिसंबर को सुनवाई करेगी, क्योंकि इस मुद्दे पर विस्तृत सुनवाई की आवश्यकता है। हाईकोर्ट ने मथुरा में विवादित स्थल से शाही ईदगाह मस्जिद को हटाने के लिए अलग मुकदमा दायर करने वाले एक अन्य हिंदू पक्ष को सभी भक्तों का प्रतिनिधि मानने की अनुमति दी थी।

आपराधिक न्याय तंत्र के दुरुपयोग की निंदा होनी चाहिए: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने असफल या टूटे रिश्तों को बलात्कार जैसे अपराध का रंग देने की 'चिंतनीय पहलू' की ओर इशारा करते हुए सोमवार को कहा कि इस संबंध में आपराधिक न्याय तंत्र का दुरुपयोग चिंता का विषय है और इसकी निंदा की जानी चाहिए। शीर्ष अदालत ने एक कथित बलात्कार मामले में दर्ज प्राथमिकी निरस्त करते हुए कहा कि हर खराब रिश्ते को बलात्कार के अपराध में बदलना न केवल अपराध की गंभीरता को कम करता है, बल्कि आरोपी के दामन को कलंकित करता है और उसके साथ गंभीर अन्याय करता है। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि बलात्कार का अपराध सबसे गंभीर प्रकार का है और केवल उन्हीं मामलों में लागू किया जाना चाहिए, जहां वास्तविक यौन हिंसा, जबरन या स्वतंत्र सहमति का अभाव हो। पीठ ने कहा कि किसी रिश्ते के दौरान हुई शारीरिक अंतरंगता को सिर्फ़ इसलिए बलात्कार का अपराध नहीं माना जा सकता, क्योंकि वह रिश्ता शादी में परिणत नहीं हो पाया। पीठ ने यह भी कहा कि कानून को उन वास्तविक मामलों के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए जहां भरोसे का कत्ल हुआ हो और सम्मान का हनन हुआ हो। शीर्ष अदालत ने कहा, इस अदालत ने कई मौकों पर उस चिंतनीय प्रवृत्ति पर ध्यान दिया है, जिसमें असफल या टूटे हुए रिश्तों को आपराधिकता का रंग दे दिया जाता है। पीठ ने मुंबई उच्च न्यायालय के औरंगाबाद पीठ की ओर से मार्च 2025 में दिये गए आदेश के विरुद्ध एक व्यक्ति द्वारा दायर अपील पर अपना फैसला सुनाया। उच्च न्यायालय ने छत्रपति संभाजीनगर शहर में अगस्त 2024 में दर्ज एक प्राथमिकी को रद्द करने संबंधी उसकी याचिका खारिज कर दी थी।

कालीन फैक्टरी के टैंक में जहरीली गैस से 3 की मौत

भदोही, एजेंसी

- एक अन्य को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया

जिले के औराई क्षेत्र में सोमवार को एक कालीन निर्माण फैक्टरी में टैंक में उतरे तीन मजदूरों की जहरीली गैस के कारण दम घुटने से मौत हो गई, जबकि एक अन्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, घटना औराई थाना क्षेत्र के उगापुर में स्थित एक कालीन इकाई के डाइंग संयंत्र में हुई, जहां मजदूर टैंक के अंदर सफाई और मोटर की मरम्मत का काम कर रहे थे। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि पहला मजदूर सफाई और मरम्मत के लिए टैंक में उतरा और जहरीले गैस के कारण बेहोश हो गया। उसे बचाने के लिए तीन अन्य मजदूर एक-एक करके नीचे उतरे, लेकिन उन सभी की दम घुटने से मौत हो गई।

उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान शिवम दुबे (38), राम सूरत यादव (55) और शीतला प्रसाद (50) के रूप में की गई है। तीनों भदोही जिले के निवासी थे। इसके अलावा, मध्यप्रदेश के सीधी जिले के निवासी राज किशोर (48) को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसकी हालत स्थिर बताई गई है। घटना के बाद श्रमिकों को कंपनी के कर्मचारियों द्वारा कालीन इकाई के मालिक सूर्य मणि तिवारी के स्वामित्व वाले सूर्या अस्पताल में ले जाया गया। जिलाधिकारी शैलेश कुमार और पुलिस अधीक्षक मांगलिक ने मौके का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने बताया कि मजिस्ट्रेटी जांच के आदेश दिए गए हैं और मृतक परिवारों को पर्याप्त मुआवजा दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि श्रम विभाग, कारखाना विभाग और फॉरेंसिक टीम जहरीली के फैलने के कारणों की जांच कर रही है। पुलिस अधीक्षक मांगलिक ने बताया कि मृतक मजदूरों के परिवारों की शिकायत के आधार पर सूर्या कालीन कंपनी के प्रबंधक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 125 और धारा 106 (लापरवाही से मौत) के तहत प्राथमिकी दर्ज की जा रही है।

उच्च पद पर काम करने पर मिले उस पद का वेतन

विधि संवाददाता, प्रयागराज

- हाईकोर्ट ने सेवा नियमों से जुड़े एक मामले में दिया आदेश

अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सेवा नियमों से जुड़े एक मामले में कहा कि यदि कोई कर्मचारी स्थानापन्न क्षमता में उच्च पद पर काम करता है, तो नियमित पदोन्नति न होने पर भी वह उस अवधि के लिए उच्च पद के वेतन का हकदार है। ऐसे मामलों में उच्च वेतन से इनकार करना कानून के साथ-साथ सार्वजनिक नीति के भी विपरीत है। उक्त आदेश मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेन्द्र की खंडपीठ ने उमा कांत पांडेय द्वारा दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। मामले के अनुसार याची रेलवे इंटर कॉलेज, मुगलसराय में प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) के रूप में कार्यरत थे। 30 नवंबर, 2004 को प्रधानाध्यापक (जूनियर विंग) की सेवानिवृत्ति के बाद विभाग ने उन्हें स्थायी नियुक्ति होने तक 'शिक्षक प्रभारी' के रूप में कार्यभार सौंपा। याची ने लगभग तीन वर्ष चार माह तक (1 दिसंबर 2004 से 6 मार्च 2008) यह दायित्व निभाया, लेकिन रेलवे प्रशासन ने उन्हें उच्च वेतनमान देने से इनकार करते हुए तर्क दिया कि उन्हें कभी औपचारिक रूप से पदोन्नत नहीं किया गया था और कोई नियम उन्हें हेडमास्टर का वेतन देने का समर्थक नहीं है। केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) ने भी यह तर्क स्वीकार कर याची के दावे को खारिज कर दिया। कोर्ट ने आदेश पलटते हुए कहा कि विभाग ने स्वयं याची को अनुशासनात्मक कार्यवाही में हेड मास्टर संबोधित किया, इसलिए अब यह कहना कि वे केवल नियमित कार्य कर रहे थे, असंगत है।

प्राचार्य की छेड़छाड़ से परेशान छात्रा ने की आत्महत्या

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में कथित तौर पर प्राचार्य द्वारा छेड़छाड़ करने से परेशान होकर नौवीं कक्षा की एक छात्रा ने स्कूल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि इस घटना के बाद आरोपी प्राचार्य को गिरफ्तार कर लिया गया है।

उन्होंने बताया कि जिले के बगीचा थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव में स्थित एक निजी स्कूल के प्राचार्य द्वारा कथित तौर पर छेड़छाड़ से परेशान होकर नौंवी कक्षा की छात्रा (15) ने रविवार शाम को स्कूल के एक कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जशपुर जिले के पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने बताया कि बगीचा थाना क्षेत्र के एक निजी स्कूल के स्टडी रूम में सीतापुर क्षेत्र की निवासी एक छात्रा के आत्महत्या करने की सूचना मिलने पर पुलिस दल को रवाना किया गया था।

कीर्तन जुलूस...

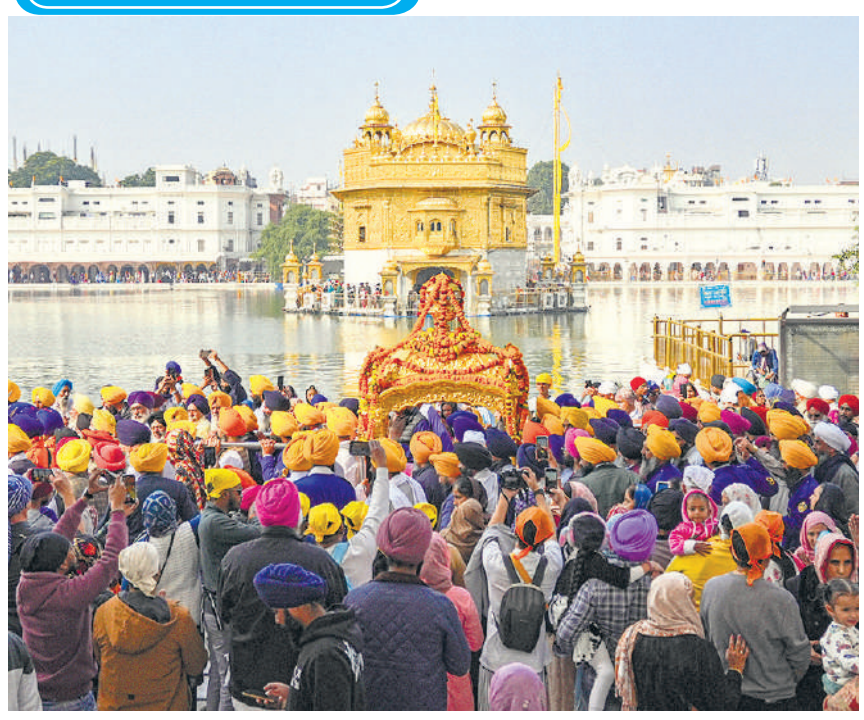

9वें सिख गुरु, गुरु तेग बहादुर की शहादत की 350वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में आयोजित नगर कीर्तन जुलूस में शामिल सिख समुदाय के सदस्य।

नोएडा में युवती ने 16वीं मंजिल से कूदकर दी जान

नोएडा। नोएडा के सूरजपुर क्षेत्र थाना क्षेत्र में स्थित एक सोसाइटी में 22 वर्षीय महिला द्वारा आत्महत्या किए जाने के मामले में पुलिस ने उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया है। अदालत ने सोमवार को आरोपी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। सूरजपुर थाने के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि मुजफ्फरनगर की रहने वाली युवती शालू ने शनिवार रात को सोसायटी की 16वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली थी। वह एक बीपीओ में काम करती थी। शालू के साथ फ्लैट में चार अन्य युवक भी रहते थे। मृतका के भाई पिंटू राणा ने पुलिस में दर्ज कराई शिकायत में आरोप लगाया है कि शामली के रहने वाले रक्षित ने उसकी बहन के साथ शादी का झांसा देकर उससे संबंध बनाए। जब उसने शादी करने से इनकार कर दिया तो शालू मानसिक तनाव में रहने लगी थी।

कोचिंग सेंटर के प्रसार, इससे पैदा सामाजिक मुद्दों की समीक्षा करेगी संसदीय समिति

नई दिल्ली, एजेंसी

तनाव से छात्रों की आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं के बीच एक संसदीय समिति ने प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्रों की सहायता के लिए कोचिंग सेंटर के प्रसार और इससे उत्पन्न होने वाले सामाजिक मुद्दों की समीक्षा करने का निर्णय लिया है। शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी स्थायी समिति कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रभाव और शिक्षा एवं विद्यार्थियों को इस उभरती प्रौद्योगिकी से लाभ की भी समीक्षा करेगी।

हाल में लोकसभा के एक बुलेटिन के अनुसार, स्थायी समिति ने 2025-26 के दौरान 'पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया' (पीएम-श्री) की समीक्षा का भी निर्णय लिया है। बुलेटिन में कहा गया है कि समिति प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्रों की सहायता के लिए कोचिंग सेंटर के प्रसार, इससे उत्पन्न होने वाले सामाजिक मुद्दों और इस मामले पर मौजूदा कानून की समीक्षा करेगी। पिछले कुछ वर्षों में कोचिंग संस्थानों में दाख़िला लेने वाले छात्रों द्वारा पढ़ाई के दबाव के कारण आत्महत्या करने के मामले सामने आए हैं। केवल राजस्थान के कोटा शहर में ही ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिसे भारत की कोचिंग राजधानी कहा जाता है।

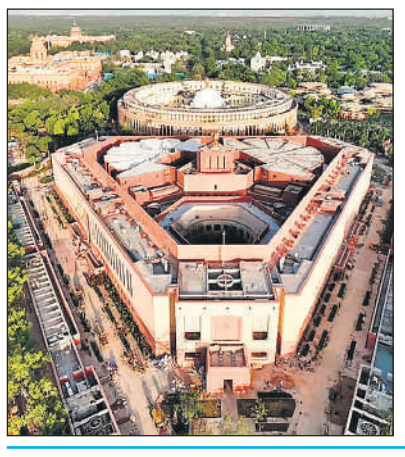

- शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी स्थायी समिति एआई के प्रभाव और शिक्षा एवं विद्यार्थियों को इस प्रौद्योगिकी से लाभ पर भी करेगी मंथन
- स्थायी समिति ने पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया की समीक्षा का भी लिया निर्णय

शिक्षा मंत्रालय ने किया था समिति का गठन

शिक्षा मंत्रालय ने इस वर्ष की शुरुआत में नौ सदस्यीय समिति गठित की थी ताकि कोचिंग से जुड़े मुद्दों और डमी स्कूलों के उभरने की प्रवृत्ति के साथ-साथ प्रवेश परीक्षाओं की प्रभावशीलता और निष्पक्षता की भी जांच की जा सके। समिति स्कूल शिक्षा प्रणाली के संदर्भ में प्रतियोगी प्रवेश परीक्षाओं की प्रभावशीलता और निष्पक्षता तथा कोचिंग उद्योग के बढ़ते प्रभाव का अध्ययन कर रही है।

एनसीईआरटी के कामकाज और प्रदर्शन की भी होगी समीक्षा

लोकसभा सचिवालय के अनुसार, समिति राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के कामकाज और प्रदर्शन की भी समीक्षा करेगी। साथ ही भाषाई और धार्मिक अल्पसंख्यकों की शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रयासों की भी जांच करेगी। समिति भारतीय उच्च शिक्षा परिषद (एचईसीआई) बनाने के लिए शिक्षा मंत्रालय के ''प्रयासों'' के संबंध में भी जानकारी मांगेगी। यूजीसी जैसी संस्थाओं की जगह लेने वाले एक उच्च शिक्षा नियामक की स्थापना के लिए एक विधेयक संसद के शीतकालीन सत्र में पेश किया जाना निर्धारित है। संसद का शीतकालीन सत्र एक दिसंबर से शुरू होगा।

32 लाख की प्रतिबंधित दवा ट्रामाडोल जब्त

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने 32 लाख से अधिक मूल्य की 54 हजार 'ट्रामाडोल' गोलियां जब्त की हैं और प्रतिबंधित दवाओं की तस्करी में शामिल गिरोह का भंडाफोड़ किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि इस गिरोह में शामिल पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया जबकि गिरोह का संबंध अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर होने का भी संदेह है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि खूफिया सूचना पर पुलिस ने दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के मदनपुर खादर एक्सटेंशन-1 में एक व्यक्ति को बड़ा बैग ले जाते पकड़ा। मदनपुर खादर निवासी मोहम्मद आबिद (50) के कब्जे से 'ट्रेकेन-100' की 54 हजार गोलियां बरामद की गई। ट्रामाडोल से संबंधित ट्रेकेन-100 दवाई स्वापक औषधि एवं मनः प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत प्रतिबंधित हैं।

इंडिया गेट प्रदर्शन : 22 आरोपी न्यायिक हिरासत में भेजे गए

नई दिल्ली, एजेंसी

- मारे गए नक्सली हिडमा के समर्थन में नारे लगाने का भी आरोप

दिल्ली पुलिस ने सोमवार को यहां एक अदालत को बताया कि राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण के बढ़ते स्तर के खिलाफ इंडिया गेट पर प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मियों पर पेपर स्प्रे का इस्तेमाल किया और गिरफ्तार आरोपियों के एक समूह ने मारे गए माओवादी नेता माडवी हिडमा के समर्थन में नारे लगाए। पुलिस ने मामले में दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की है। पहली प्राथमिकी कर्तव्य पथ थाने में छह प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज की गई है, जबकि दूसरी प्राथमिकी संसद मार्ग थाने में 17 लोगों के खिलाफ दर्ज है। 22 आरोपियों को दो मजिस्ट्रेट अदालतों में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। कर्तव्य पथ थाने में दर्ज पहले मामले में न्यायिक मजिस्ट्रेट अरिदमन सिंह चीमा ने पांच आरोपियों को दो दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। एक व्यक्ति को उम्र की पुष्टि होने तक निगरानी गृह भेजा गया।

मजिस्ट्रेट अदालत में सुनवाई के दौरान जांच अधिकारी ने सूचित किया कि गिरफ्तार आरोपी इस महीने की शुरुआत में आंध्र प्रदेश में एक मुठभेड़ में मारे गए शीर्ष माओवादी नेता माडवी हिडमा के समर्थन में नारे लगा रहे थे। वहीं बचाव पक्ष के वकील ने दावा किया कि तीन छात्रों को पूछताछ के दौरान पुलिस हिरासत में यातना दी गई।

कर्तव्य पथ पुलिस थाना में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विविध धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। दूसरे मामले में न्यायिक मजिस्ट्रेट साहिल मोंगा ने यह कहते हुए 11 महिलाओं सहित 17 आरोपियों को तीन दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया कि उनके खिलाफ आरोप गंभीर हैं। संसद मार्ग पुलिस थाना में इस संबंध में बीएनएस की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। न्यायिक मजिस्ट्रेट ने सुनवाई के दौरान कहा कि मैंने रिकॉर्ड का अवलोकन किया है और जांच अधिकारी (आईओ) को सुना है। आरोप गंभीर हैं और मामला जांच के प्रारंभिक चरण में है।

व्यवसायी की हत्या कर भाग रहे दो अपराधियों को पटना में भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला

पटना, एजेंसी

- व्यवसायी की हत्या के पीछे जमीन विवाद को बताया जा रहा कारण
- पुलिस जांच में जुट, अपराधियों के शव की करा रही पहचान

बिहार की राजधानी पटना के गोपालपुर थाना क्षेत्र के भोगपुर गांव में जमीन कारोबारी की हत्या कर भाग रहे दो अपराधियों की स्थानीय लोगों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। मृतक व्यवसायी भूपतिपुर निवासी अशरफी सिंह (65) है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सभी शवों को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया है। मामला दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई है। कारोबारी की हत्या के पीछे जमीन के विवाद को बताया जा रहा है।

घटना के संबंध में लोगों ने बताया कि सोमवार को बाइक सवार अपराधियों ने भूपतिपुर निवासी अशरफी सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर जमा होने शुरू हो गए। लोगों को जुटते देख अपराधी मौके से बाइक लेकर भागने की कोशिश करने लगे, लेकिन लोगों ने दोनों को दौड़ाकर पकड़ लिया। लोगों ने दोनों अपराधियों की जमकर पिटाई की और तबतक पीटते रहे, जबतक दोनों की मौत नहीं हो गई। किसी ने मामले की जानकारी पुलिस को दी।

सूचना के बाद सदर डीएसपी मौके पर पहुंचे और लोगों से घटना के संबंध में पूछताछ की। स्थानीय लोगों ने बताया कि 20 करोड़ के जमीनी विवाद को लेकर व्यवसायी की हत्या हुई है। फिलहाल घर के लोग कुछ भी बोलने की स्थिति में नहीं हैं। वहीं पुलिस ने मामला दर्ज कर मृत अपराधियों की पहचान में जुट गई है।

48 लाख के इनामी 15 सक्रिय माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा। छत्तीसगढ़ में सोमवार को 15 सक्रिय माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। जिला सुकमा में हुए सामूहिक आत्मसमर्पण को सुरक्षा बलों की बढ़ती दबाव, प्रशासनिक पहुंच और पुनर्वास योजनाओं की सफलता का बड़ा परिणाम माना जा रहा है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के मुताबिक, आत्मसमर्पित माओवादियों में पीएलजीए बटालियन नंबर 1 के चार हार्डकोर सदस्य हैं, जो लंबे समय से क्षेत्र में नक्सली गतिविधियों को अंजाम देने में सक्रिय थे। इनमें पांच महिलाएं और 10 पुरुष हैं। इन सभी पर 48 लाख के इनाम घोषित थे।

एसआईआर : सीईओ कार्यालय पर बीएलओ का प्रदर्शन

- काम के दबाव को लेकर कार्यालय में की घुसने की कोशिश
- प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों के साथ हुई हाथापाई

कोलकाता, एजेंसी

कोलकाता में सीईओ कार्यालय के बार प्रदर्शन करते बीएलओ।

पश्चिम बंगाल में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में शामिल बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) ने सोमवार को काम के कथित तौर पर अत्यधिक दबाव के विरोध में प्रदर्शन के दौरान सीईओ कार्यालय में घुसने की कोशिश की और पुलिसकर्मियों के साथ हाथापाई की।

बीएलओ अधिकार रक्षा समिति के सदस्यों ने उत्तरी कोलकाता के कॉलेज स्क्वायर से जुलूस निकाला, जिसमें ताले और बेड़ियां लेकर प्रतीकात्मक रूप से उस भवन के मुख्य द्वार को बंद किया गया, जिसमें मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) का कार्यालय स्थित है। अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने मध्य कोलकाता स्थित सीईओ कार्यालय में घुसने के लिए पुलिस अवरोधक तोड़ने की कोशिश की। प्रदर्शनकारी बीएलओ ने निर्वाचन आयोग के खिलाफ नारे लगाए और आरोप लगाया कि उन्हें जुलूस निकालने के लिए मजबूर होना पड़ा, क्योंकि निर्वाचन आयोग ने एसआईआर कवायद के दौरान अत्यधिक और अमानवीय कार्य दबाव की उनकी शिकायतों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

एक पदाधिकारी ने दावा किया कि बीएलओ को कम समय में कार्य पूरा करने का निर्देश है, हालांकि इसी कार्य में आमतौर पर दो साल से अधिक समय लगता है। समिति ने आरोप लगाया कि बीएलओ बीमार पड़ रहे हैं और उनमें से दो ने तनाव के कारण आत्महत्या कर ली। समिति ने पूर्व में कहा था कि पारा-शिक्षक, कॉलेज प्रोफेसर और विभिन्न संगठनों के शिक्षक इस प्रदर्शन में समर्थन के लिए शामिल होंगे, जिससे निर्वाचन आयोग पर तत्काल हस्तक्षेप के लिये दबाव डाला जा सके।

समय-सीमा बढ़ाने तक विरोध की दी चेतावनी

समिति ने चेतावनी दी कि यदि समय-सीमा नहीं बढ़ाई गई या सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए तो वह निरंतर विरोध कार्यक्रम शुरू करेगी। एक अन्य संगठन, बीएलओ ओइक्या मंच ने गणना प्रपत्रों के डिजिटलीकरण से संबंधित मुद्दों को अलग से उठाया और अतिरिक्त सहायक कर्मचारियों की मांग की। 'एक्स' पर टीएमसी सांसद साकेत गोखले ने कहा कि यदि भारत निर्वाचन आयोग वास्तव में स्वतंत्र है, तो उसे बूथ स्तर के अधिकारियों की सुरक्षा करनी चाहिए, मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए और विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के बारे में पारदर्शी होना चाहिए।

मैं बरेली हूं, रोहिलखंड का गौरवशाली शहर। मैंने अपने भीतर चिकित्सा सुविधाओं के क्षेत्र में एक शांत, लेकिन क्रांतिकारी परिवर्तन देखा है। यह बदलाव इतना गहरा है कि मुझे अब अपने निवासियों को इलाज के लिए लखनऊ या दिल्ली की लंबी यात्राएं करते हुए देखना नहीं पड़ता, बल्कि इसके विपरीत, अब मैं गर्व से देखता हूँकि पड़ोसी जिलों और अन्य राज्यों से भी लोग यहाँ आकर अपना इलाज करा रहे हैं।

मेरी चिकित्सा यात्रा की शुरुआत 1870 के दशक में हुई, जब अमेरिकी मेडिकल मिशनरी डॉ. क्लारा स्वैन ने यहां कदम रखा। उस समय, मैं चिकित्सा सुविधाओं से लगभग अछूता था, खासकर महिलाओं के लिए। डॉ. स्वाइन ने जो किया वह एक चमत्कार से कम नहीं था - उन्होंने एशिया का पहला महिला अस्पताल स्थापित किया। नई पीढ़ी को बताना चाहता हूं कि यहां का उपचार केवल दवाइयों तक सीमित नहीं था, इसमें सेवा और करुणा की भावना थी। यह उत्तरी भारत में नर्सिंग शिक्षा का एक प्रमुख संस्थान भी बना। क्लारा स्वाइन अस्पताल ने उस नींव को रखा जिस पर आज की आधुनिक इमारत खड़ी है।

आज़ादी के बाद और 21वीं सदी की शुरुआत तक, मेरी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली मुख्य रूप से सरकारी जिला अस्पतालों पर निर्भर थी, जिनमें अक्सर संसाधनों की कमी होती थी। यही कारण था कि मेरे निवासी, जो थोड़ा भी खर्च कर सकते थे, गंभीर बीमारियों के लिए लखनऊ के पीजीआई या दिल्ली के एम्स की ओर रुख करते थे। यह मेरे लिए निराशाजनक था। फिर बदलाव की बयार आई। निजी क्षेत्र ने इस खालीपन को भरा और स्वास्थ्य सेवा के मेरे परिदृश्य को पूरी तरह से बदल दिया। रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज, श्री राम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज और राजश्री मेडिकल कॉलेजों जैसे संस्थानों ने मुझे एक नया रूप दिया। ये सिर्फ अस्पताल नहीं... अत्याधुनिक उपकरणों, समर्पित आघात इकाइयों, और सुपर-स्पेशियलिटी विभागों के साथ पूर्ण चिकित्सा केंद्र हैं। अब जटिल ऑपरेशन, एमआरआई, सीटी स्कैन और कैथ लैब जैसी सुविधाएं मेरे अपने आंगन में उपलब्ध हैं। इलाज के लिए मेरे लोगों को अब बाहर जाने की ज़रूरत महसूस नहीं होती थी।

आज, मैं बरेली हूं, एक ऐसा शहर जो अपनी चिकित्सा क्षमताओं पर गर्व करता है। मैं एक मेडिकल एजूकेशन हब बन गया हूं। अब यहां न केवल स्वास्थ्य की बेहतर सुविधाएं हैं, बल्कि यहां से पढ़कर डॉक्टर गांव देहात से लेकर बड़े शहरों तक बेहतर इलाज उपलब्ध करा रहे हैं। मेडिकल जांच के लिए मुंबई और दिल्ली जितनी सुविधाएं भी मेरे यहां है। ये प्रगति रुकी नहीं है, धीरे धीरे और मेडिकल कॉलेज बनेंगे और विश्वस्तरीय सुविधाएं भी स्थापित होंगी। मैं विकसित हुआ हूं, मैंने बदलाव अपनाया है, और मैं अपने निवासियों के स्वास्थ्य की बेहतर देखभाल करने के लिए तैयार हूं।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

...बरेली यू नहीं बना मेडिकल हब

बरेली की सरजमीं पर मरीजों को संजीवनी देने के लिए रखी गई थी मिशन अस्पताल की नींव

बरेली शहर की पहचान आध्यात्मिकता और शिक्षा से बनती है, तो चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में इस पहचान को सबसे मजबूत आधार देने वाला नाम है, बरेली का क्लारा स्वैन मिशन अस्पताल। करीब 140 वर्ष का इतिहास संजोए ये अस्पताल करुणा, निष्ठा और मानवता का वास्तविक परिचायक तो बना ही लेकिन अन्य के अंदर भी बरेली को चिकित्सा क्षेत्र में नया आयाम स्थापित करने के लिए किसी प्रेरणा से कम साबित नहीं हुआ। इसका ही परिणाम है कि अब बरेली जिला 100 नहीं बल्कि तीन मेडिकल कॉलेजों के साथ ही अत्याधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण 625 निजी अस्पतालों का हब बन गया है।

विशेषज्ञों के अनुसार, पहले जहां सरकारी अस्पतालों में भर्ती होने पर मरीजों को खुद उनके तीमारदार ही जीवन की डोर टूटने जैसी बातें करने लगते थे लेकिन अब सरकारी अस्पतालों की तस्वीर भी साफ हो रही है। जिसका परिणाम है कि जिले में 100 बेड का जिला महिला अस्पताल, 326 बेड का जिला अस्पताल और देहात के सभी 15 ब्लॉक पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के साथ ही गांव के निकट ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भी स्थापित हैं।

इलाज ही नहीं निदान से भी है पहचान : गौर करने वाली बात ये है कि जिले में सिर्फ अस्पतालों में मरीजों को बेहतर इलाज से संजीवनी मिलने का विषय नहीं है बल्कि इलाज से पूर्व उपयोगी साबित होने वाली इलाज पूर्व निदान के लिए भी बरेली किसी मायने में कम नहीं हैं। यहां 300 से अधिक पैथोलॉजी लैब, 682 अल्ट्रासाउंड जांच सेंटर और दस से अधिक सीटी व एमआरआई जांच सेंटर हैं। जहां रोजाना सैंकड़ों मरीज समय पर जांच कराकर उचित इलाज से नई जिंदगी जी रहे हैं।

03 मेडिकल कॉलेज,
08 आयुर्वेदिक कॉलेज
12 नर्सिंग कॉलेज

शहर की दौड़ खत्म, घर के पास ही गूंज रही किलकारी

■ पांच साल पहले तक देहात क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के हाल बेहाल थे, डॉक्टरों की कमी व संसाधन न होने पर लोगों को आर्थिक हानि का सामना करते हुए निजी अस्पतालों में इलाज कराना पड़ रहा था, लेकिन अब स्थिति बदल गई। नवाबगंज, बिथरी, मीरगंज, भमौरा समेत अन्य सीएचसी पर इस साल से ही प्रसव शुरू हो गए है।

नशे की लत से मुक्ति दिला रहा ओएसटी : जिले में अभी तंबाकू, शराब व दवाओं से नशा करने वाले मरीजों के लिए निजी व एनजीओ के माध्यम से संचालित नशा मुक्ति केंद्र ही सहारा बन रहे थे लेकिन अब जिला अस्पताल में ही इंजेक्टेबल ड्रग यूजर्स यानि इंजेक्शन से नशा करने वाले मरीजों का इलाज के लिए ओएसटी केंद्र की स्थापना हो गई है।

आरएमसीएच से बीआईयू तक का सफर... जो रहेगा जारी

2006 में स्थापित हुआ था रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल
लेकिन उच्च स्तरीय सेवाएं देने पर 2016 में बन गया बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी का हिस्सा

बरेली। बात उस दौर की है जब चिकित्सा सेवा के नाम पर बरेली में चंद अस्पताल ही थे, मरीजों को जटिल बीमारियों के इलाज के लिए दूर-दराज जैसे लखनऊ और दिल्ली के चक्कर लगाने पड़ रहे थे लेकिन वर्ष 2006 में मरीजों के लिए संजीवनी रुपी किरण के रुप में रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (आरएमसीएच) की स्थापना हुई।

इसके स्थापित होने से सिर्फ बरेली ही नहीं बल्कि उत्तराखंड के साथ ही नेपाल के मरीजों को भी काफी सहूलियत मिली। यहां मरीजों को मिल रहे उच्च स्तरीय इलाज के चलते ही इसकी चमक शासन प्रशासन तक भी पहुंची इसका ही परिणाम रहा है कि वर्ष 2016 के 16 सितंबर को यूजीसी अधिनियम 1956 के अनुसार उत्तर प्रदेश सरकार ने इसे विश्व विद्यालय की मान्यता प्रदान की। ये विश्वविद्यालय रोहिलखंड चैरिटेबल एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा प्रवर्तित है। अब यहां डॉक्टरी डिग्री, नर्सिंग, पैरा मेडिकल व फार्मेसी के साथ ही टेक्नीकल और मैनेजमेंट कोर्स भी संचालित हो रहे हैं।

ये है प्रबंधन का ध्येय : बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, कुलाधिपति डॉ. केशव कुमार अग्रवाल, प्रति कुलाधिपति डॉ. अशोक अग्रवाल, कुलपति डॉ. लता अग्रवाल, प्रति कुलपति डॉ. किरण अग्रवाल के कुशल नेतृत्व में नित नये आयाम स्थापित कर रहा है। प्रबंधन का प्रयास विश्व स्तरीय संकायों, अवसंरचना, सुविधाओं और प्रौद्योगिकी के समुचित सहयोग से उन्नत शिक्षण और अनुसंधान वातावरण प्रदान करके अपने विद्यार्थियों को व्यावसायिक और व्यक्तिगत जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए ज्ञान प्रदान करना और कौशल विकसित करना है।

स्वास्थ्य सेवा में 24वें वर्ष में प्रवेश

शिक्षा, चिकित्सा और सेवा में बड़ा नाम एसआरएमएस

बरेली। न्यूनतम खर्च पर विश्वस्तरीय इलाज लेना हो तो आज सभी के जेहन में एक ही नाम आता है। और वह है एसआरएमएस मेडिकल कालेज। साल दर साल एसआरएमएस में बढ़ती मरीजों की संख्या, इस पर बढ़ते विश्वास को बयान करने के लिए काफी है और यही मरीजों का विश्वास इसकी उपलब्धि है। इमरजेंसी और गंभीर बीमारियों में बरेली और आसपास के मरीज दिल्ली या लखनऊ जाने के बजाय उपचार के लिए एसआरएमएस आते हैं। स्वस्थ होकर घर वापस जाते हैं। यह भरोसा किसी उपलब्धि से कम नहीं। इसी विश्वास और उपलब्धियों के सहारे एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज चार जुलाई को स्वास्थ्य सेवा में 24वें वर्ष में प्रवेश किया।

बरेली स्थित भोजीपुरा में श्रीराम मूर्ति स्मारक मेडिकल इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (एसआरएमएस आईएमएस) की स्थापना एसआरएमएस ट्रस्ट की ओर से चार जुलाई वर्ष 2002 में की गई। ट्रस्ट के संस्थापक, चेयरमैन श्री देव मूर्ति जी ने अपने पिता स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व मंत्री स्वर्गीय राम मूर्ति जी के आदर्श, सबको शिक्षा और सबको स्वास्थ्य को जन जन तक पहुंचाने के लिए विश्वस्तरीय सुविधा युक्त हास्पिटल खोलने का संकल्प लिया। 2001 में वसंत पंचमी के दिन (29 जनवरी) को ट्रस्ट परिवार के सदस्यों के साथ नींव पूजन के बाद सपनों की इमारत ने आकार लेना शुरू किया। करीब डेढ़ वर्ष वर्ष बाद, बीस साल पहले, चार जुलाई 2002 को देव मूर्ति जी की मां आदरणीय रामरखी जी के सानिध्य और आशीर्वाद से क्रिटिकल केयर और आई बैंक के साथ 30 एकड़ में बने एसआरएमएस हास्पिटल का उद्घाटन हुआ। अगले ही वर्ष मरीजों के लिए यहां कार्डियोलाजी ओपीडी के साथ एमआरआई की सुविधा भी उपलब्ध हो गई। वर्ष 2005 में एमबीबीएस के पहले बैच के साथ मेडिकल कालेज भी आरंभ हो गया। एसआरएमएस आईएमएस आज लखनऊ और दिल्ली के बीच स्थित पूर्वी उत्तर प्रदेश का अत्याधुनिक संसाधनों से युक्त मल्टी सुपरस्पेशियलिटी हास्पिटल है। प्री क्लीनिकल, पैरा क्लीनिकल और क्लीनिकल डिपार्टमेंट सम्पन्न इस मेडिकल कालेज में रेडियोथेरेपी, कार्डियक साइंसेज, रीनल साइंसेज, न्यूरो साइंसेज और प्लास्टिक सर्जरी विभाग और इनकी ओपीडी भी सफलतापूर्वक संचालित हैं। इन विभागों में सबसे ज्यादा मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। जिनकी संख्या प्रतिदिन 12 सौ से ज्यादा हो जाती है। अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों में भी इन्हीं विभागों के 85 फीसद मरीज होते हैं50 से ज्यादा मरीजों की रेडियोथेरेपी और छह सौ से ज्यादा मरीजों की मेजर सर्जरी को यहां सफलतापूर्वक अंजाम दिया जा रहा है। यहां पर 3 .0 टेस्ला एमआरआई, हाई एनर्जी लीनियर एस्सेलेरेटर- ब्रेकी थेरेपी यूनिट, मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, इंटरवेंशनल एंजियोग्राफी के लिए कैथ लैब, एंजियोप्लास्टी और हार्ट की दूसरी जांचें, अत्याधुनिक 20 मेजर ओटी जैसे तमाम उपकरण और सुविधाएं मौजूद हैं। मरीजों के लिए सभी डॉक्टर व अन्य स्टाफ पूरे सेवाभाव के साथ कार्य कर रहा है।

हमने पहले दिन से ही हेल्थ फॉर आल, हॉस्पिटल फार आल को अपना आदर्श बनाया। हम सभी मरीजों को कम खर्च में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे हैं। यही वजह है कि एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज पर बरेली और आसपास के मरीजों का भी भरोसा बढ़ा है। इन 23 वर्षों में मरीजों के विश्वास के साथ ही एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज ने कई उपलब्धियां भी हासिल की हैं। इनमें 100 बेड का आरआर कैंसर इंस्टीट्यूट, इनफर्टिलिटी सेंटर, अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ 110 बेड की क्रिटिकल केयर यूनिट का स्थापित होना अहम है। -**आदित्य मूर्ति**, डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज

परदादा ने जेल में कैदियों की सेवा की प्रपौत्र सेना के जवानों को रख रहा स्वस्थ

बरेली के स्वास्थ्य जगत में धर्मदत्त वैध एक सम्मानित नाम हैं। अंग्रेजों के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान जेल में रहकर उन्होंने कैदियों की सेवा की और रिहाई के बाद जीवन पर्यंत लोगों के स्वास्थ्य की देखभाल को अपना ध्येय बनाया। आज उन्हीं की विरासत को आगे बढ़ाते हुए उनके पोते डॉ. अनुपम शर्मा पत्नी डॉ. मृदुला शर्मा और प्रपौत्र डॉ. राघव शर्मा-पत्नी डॉ. निकिता, जो भारतीय सेना में हैं, उत्तम चिकित्सीय सेवा में समर्पित हैं। 1937 में भिवाड़ी (हरियाणा) से आयुर्वेदाचार्य की शिक्षा प्राप्त कर उन्होंने बरेली के बड़ा बाज़ार, मदारी गेट पर तिलक फार्मेसी की स्थापना की। यहां वे स्वयं आयुर्वेदिक दवाओं का निर्माण कर मरीजों का उपचार करते थे। भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान गिरफ्तारी के बाद चार साल की जेल हुई। जेल में कैदियों को साधारण इलाज भी न मिलता देख उन्होंने जेलर से अनुमति लेकर परिसर में जड़ी-बूटियां उगाईं और उनसे तैयार दवाओं से कैदियों का इलाज शुरू किया-यह सेवा पूरे चार वर्षों तक जारी रही। रिहा होने के बाद वे पुन: तिलक फार्मेसी में बैठकर लोगों की सेवा करते रहे।1953 में उन्होंने धर्मदत्त आयुर्वेदिक चिकित्सालय की स्थापना की। 1989 में उन्होंने सेवाभाव से भरा जीवन पूर्ण किया। उनकी शुरू की गई संस्था आज भी बरेली आयुर्वेद कॉलेज के सहयोग से समाज को सेवा दे रही है।

प्रपौत्र लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ. राघव शर्मा पत्नी के साथ कर रहे जवानों का इलाज : परदादा और पिता की प्रेरणा से लेफ्टिनेंट कर्नल (डॉ.) राघव शर्मा ने भी चिकित्सा को ही अपना कर्मक्षेत्र चुना। राममूर्ति कॉलेज बरेली से एमबीबीएस और देश के अग्रिणी मेडिकल कॉलेज एएफएमसी,पुणे से एमडी करने के बाद वे असम स्थित गुवाहाटी आर्मी हॉस्पिटल में सैनिकों की सेवा में जुटे हैं। उनकी पत्नी लेफ्टिनेंट कर्नल (डॉ) निकिता, जिन्होंने उनके साथ ही एमबीबीएस और एमडी किया, वही सेना के कर्मियों की चिकित्सा सेवा में समान रूप से योगदान दे रही हैं।

पोते डॉ. अनुपम शर्मा - धर्मदत वैध की सेवा परंपरा का आधुनिक रूप : 1980 में एमबीबीएस और 1990 में एमडी करने के बाद डॉ. अनुपम शर्मा ने दिल्ली के सफदरजंग, राममनोहर लोहिया जैसे प्रतिष्ठित अस्पतालों में सेवा दी। एक वर्ष तक भारत सरकार के विशेष अनुबंध पर ईरान में कार्य किया। 1998 में उन्होंने बरेली में दादा व पिता भूपेंद्र नाथ शर्मा जो मीरगंज से विधायक रहे से प्रेरित हो धर्मदत सिटी हॉस्पिटल की स्थापना कर स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा दी। आज यह अस्पताल गुणवत्तापूर्ण इलाज के लिए जाना जाता है। वे वर्तमान में एपीआई (एसोसिएशन ऑफ फिजिशियंस ऑफ इंडिया) 2025, बरेली के अध्यक्ष हैं। उनकी पत्नी डॉ. मृदुला शर्मा, दिल्ली से प्रशिक्षित स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, 2024 में फोगसी बरेली ब्रांच की अध्यक्ष रहीं। दोनों के 20 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं और देश-विदेश के मेडिकल कांफ्रेंस में व्याख्यान दे चुके हैं। दोनों शिक्षा जगत में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं, ब्रह्मा देवी इंटर कॉलेज, मीरगंज सहित चार शिक्षण संस्थानों का संचालन देख रहें हैं।

आरसीआई में पाया इलाज... कैंसर को दी मात अब खिलखिला रही जिंदगी

बरेली। बीते वर्षों में कैंसर का नाम सुनते ही लोगों की आंखों के सामने मौत नाचने लगती थी, वर्ष 2022 से बड़ी संख्या में गंभीर रोगियों ने कैंसर को मात दी है और अब जिंदगी खिलखिला रही है उनको ये नई जिंदगी देने के लिए ढाल बना है बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी का रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट (आरसीआई)।

रोहिलखंड कैंसर संस्थान मध्य में स्थित 200 बेड का अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कैंसर संस्थान है। जिसकी स्थापना वर्ष 2022 में प्रतिष्ठित रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल परिसर में की गई थी। इसका उद्देश्य रोहिलखंड क्षेत्र और आसपास के जिलों के कैंसर रोगियों की अपूर्ण आवश्यकताओं की पूर्ति करना था। यह लखनऊ से 245 किलोमीटर और दिल्ली से 255 किलोमीटर दूर है। यह हवाई और रेल मार्ग से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। बरेली हवाई अड्डा केवल 2 किलोमीटर और रेलवे जंक्शन 5 किलोमीटर दूर है।

इन सुविधाओं से कैंसर से मिल रही मात : आरसीआई के निदेशक डॉ. अर्जुन अग्रवाल बताते हैं कि यहां जर्मन की कोबाल्ट आधारित सैगिनोवा 25 चैनल वाली अत्याधुनिक ब्रैकी थेरेपी इकाई, रेडियोथेरेपी सिमुलेशन और योजना के लिए एक समर्पित वाइड बोर सीटी स्कैन मशीन उपलब्ध है। इतना ही नहीं रोहिलखंड कैंसर संस्थान इस क्षेत्र में पीईटी-सीटी सेवाएं प्रदान करने वाला पहला संस्थान है। वहीं डीएम मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट के तहत साइटोटॉक्सिक कीमोथेरेपी रोगियों को किफायती और मामूली शुल्क पर व्यापक कैंसर देखभाल के साथ अंतरराष्ट्रीय मानकों की अत्याधुनिक रेडियोथेरेपी

■ डॉ. अर्जुन अग्रवाल ने बताया कि इंस्टीट्यूट में गामा कैमरा हाई डोज थैरेपी और बोन मैरो ट्रांसप्लांट सेंटर की नींव दो माह पूर्व रखी गई है। यूनिट का निर्माण आरंभ है। इस आधुनिक तकनीक से गंभीर रोगियों को बेहतर इलाज मिल सकेगा। अभी तक पैट स्कैन, गामा कैमरा थैरेपी के लिए मुंबई, दिल्ली जैसे शहरों के चक्कर लगाने पड़ते थे। लेकिन अब ही बरेली मंडल में पैट स्कैन और गामा थैरेपी का आरंभ होना किसी गौरव से कम नहीं है।

सुविधा के साथ ही बाह्य बीम रेडियोथेरेपी के लिए अत्याधुनिक टू बीम एसटीएक्स लिनैक मशीन उपलब्ध है। यह एसआरएस, एसबीआरटी, आईजीआरटी, आईएमआरटी, वीएमएटी, 3डी सीआरटी जैसी फोटॉन थेरेपी पद्धतियों से भी मरीजों को इलाज दिया जा रहा है। पूर्व में मरीजों को इलाज के लिए अलग-अलग अस्पतालों में भटकना पड़ता था लेकिन संस्थान में एक ही छत के नीचे जांच के साथ ही इलाज की सभी सुविधाएं मिल सकेंगी।

प्रस्तुति : अंकित चौहान (भाग-1)

अमृत विचार

मंगलवार, 25 नवंबर 2025

एक राजा को अपनी प्रजा के प्रति पिता के समान होना चाहिए।
–श्री रामचंद्र जी

अत्यावश्यक अपील

जी–20 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दुरुपयोगों को रोकने के लिए एक वैश्विक समझौते की अपील वर्तमान भू–राजनीतिक और तकनीकी परिस्थितियों में अत्यंत महत्वपूर्ण और समयोचित है। एआई आधारित प्रणालियों को दुनिया जिस तेजी से अपना रही है, उसी गति से दुरुपयोग की आशंकाएं भी बढ़ी हैं। चाहे वह चुनावी हस्तक्षेप हो, साइबर हमले, डीपफेक प्रोपगेंडा या आर्थिक अपराध। ऐसे में इस मुद्दे को जी–20 के उच्चतम राजनीतिक मंच पर उठाना साबित करता है कि भारत तकनीकी नैतिकता और मानव सुरक्षा को लेकर वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में आना चाहता है।

जी–20 के देश, अमेरिका से लेकर यूरोप, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया तक सभी डीपफेक, डेटा चोरी, साइबर फ्रॉड और डिजिटल चुनावी हेरफेर जैसी तमाम चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। भारत खुद सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्र में डीपफेक के जोखिमों को झेल रहा है। मतलब यह समस्या सार्वभौमिक है और इसे राष्ट्रीय सीमाओं के भीतर रहकर हल नहीं किया जा सकता। साइबर युद्ध में एआई हथियार बन रहा है। आतंकवादी संगठन एआई मॉडल्स का उपयोग भर्ती, फेक आइडेंटिटी, हैकिंग और ड्रोन ऑपरेशन के लिए करने लगे हैं। यदि संयुक्त नियम नहीं बनाए गए, तो तकनीकी अराजकता वैश्विक स्थिरता के लिए खतरा बन सकती है, इसीलिए प्रधानमंत्री मोदी द्वारा डेटा सुरक्षा, एआई डेवलपमेंट, एथिक्स और डीपफेक नियंत्रण जैसे मानकों पर वैश्विक संधि का प्रस्ताव एक निर्णायक कदम हो सकता है, क्योंकि यह तकनीकी समाधान के साथ-साथ राजनीतिक इच्छाशक्ति का भी प्रश्न है। जी–20 देश मिलकर ग्लोबल एआई रिस्क रजिस्टर, क्रॉस–बॉर्डर साइबर अटैक प्रोटोकॉल और डीपफेक ट्रैकिंग नेटवर्क जैसे कई मॉडल विकसित कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी का यह कहना कि महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियां वित्त-केंद्रित की जगह मानव–केंद्रित होनी चाहिए, बहुत दूरगामी सोच है। यह मुनाफे को प्राथमिकता देने वाली पूंजी संचालित टेक–इकोसिस्टम कंपनियों की उन खामियों की ओर इशारा है, जिसका दुष्प्रभाव समाज, गोपनीयता तथा नैतिकता पर पड़ता है। मानव–केंद्रित तकनीक का मतलब है, समावेशी डिज़ाइन, डिजिटल सुरक्षा, पर्यावरणीय संतुलन और सामाजिक हित को सर्वोपरि रखना। बदल चुके भू-राजनीतिक परिदृश्य में प्रधानमंत्री का संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बदलाव की अनिवार्यता पर जोर उचित है। भारत जैसे देशों की आर्थिक, जनसांख्यिकीय और रणनीतिक भूमिका आज पहले से कहीं अधिक शक्तिशाली है, लेकिन वैश्विक छवि मजबूत होने के बावजूद भारत की सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता आसान नहीं, क्योंकि यह मौजूदा शक्तियों, विशेषकर चीन की राजनीति और वीटो संरचना से जुड़ा सवाल बन जाता है। प्रधानमंत्री ने इब्सा यानी भारत–ब्राज़ील–दक्षिण अफ्रीका की भूमिका भी रेखांकित की, ये मिलकर ग्लोबल साउथ की आवाज़ को मजबूत कर सकते हैं और संयुक्त राष्ट्र सुधार पर सामूहिक दबाव बढ़ा सकते हैं। तीनों देशों की लोकतांत्रिक साख और उभरती अर्थव्यवस्थाएं इस दिशा में नैतिक और राजनीतिक जोर प्रदान कर सकती हैं।

प्रसंगवश

तेग बहादुर सी क्रिया करी न किनहूं आन

संसार भर के इतिहास में ऐसी कोई मिसाल नहीं मिलती कि किसी महापुरुष ने दूसरे धर्म के लिए अपनी कुर्बानी दी हो। सिखों के नौवें गुरु साहिब श्री गुरु तेग बहादुर जी का प्रकाश (जन्म) माता नानकी जी की कोख से सिखों के छठे गुरु मीरी पीरी के मालिक गुरु हरि गोबिन्द साहिब जी के घर पहली अप्रैल 1621 को अमृतसर साहिब में हुआ। बचपन उनका राजकुमार जैसा ही व्यतीत हुआ। शस्त्र विद्या उन्होंने बचपन में ही सीख ली थी, बहुत उदार होने के बावजूद शस्त्र विद्या विशेष कर तलवार चलाने में उनको महारत हासिल थी। तलवार के धनी होने के कारण पिता गुरु हरिगोबिंद जी ने इनका नाम तेग बहादुर रखा।

जब हिंदू संस्कृति मुगलों के हमलों की मार सहारने में असमर्थ महसूस करने लगी, तत्कालीन बादशाह औरंगजेब की जिद थी कि वह भारत में केवल इस्लाम धर्म ही रहने देगा। कश्मीरी पंडितों पर बढ़ते दबाव के कारण पंडित कृपा राम की अगुआई में औरंगजेब द्वारा मिली कुछ समय की मोहलत लेकर उसके अत्याचार से दुखी होकर अपने साथियों के जत्थे के साथ सभी आनंदपुर साहिब श्री गुरु तेग बहादुर साहिब की शरण में पहुंच गए। उन्होंने हिंदू धर्म की रक्षा करने की उनसे फरियाद की।

मालिक सिंह कालड़ा
अध्यक्ष, गुरुद्वारा मॉडल टाउन, बरेली

बातचीत के दौरान ही गुरु तेग बहादुर साहिब के नौ वर्षीय पुत्र गोबिंद राय जी भी आ गए। माहौल गमगीन देखकर उन्होंने गुरु पिता से इसका कारण पूछा। गुरु तेग बहादुर जी ने कहा कि सनातन धर्म बहुत खतरे में है। बादशाह औरंगजेब सबको इस्लाम अपनाने के लिए मजबूर कर रहा है। गोबिंद राय जी ने जब गुरु पिता से इसका समस्या का हल पूछा तो गुरु जी ने बताया कि इसका हल भी एक ही है कि कोई महान पुरुष अपना बलिदान दे, तभी सनातन धर्म बच सकता है। इस पर गोबिन्दराय ने कहा, फिर देरी किस बात की। आप से अधिक महान शख्सियत और कौन हो सकता है। आप अपना बलिदान देकर इनके धर्म की रक्षा करें।

यह सुनकर गुरु-पिता बहुत प्रसन्न हुए और पंडित जी से कहा कि जाओ औरंगजेब से कह दो कि अगर गुरु तेग बहादुर ने इस्लाम कबूल कर लिया तो हम सब भी इस्लाम कबूल कर लेंगे। अपने नौ वर्षीय पुत्र गोबिंदराय को औपचारिक रूप से गुरता गद्दी प्रदान कर गुरु तेग बगदुर जी पांच सिखों भाई मतीदास जी भाई, सती दास जी, भाई दयाला जी, भाई गुरदित्ता जी एवं भाई ऊदा जी के साथ दिल्ली की ओर कूच कर गए।

औरंगजेब को जब इस बात का पता चला, उसने तुरंत गुरु तेग बहादुर जी की गिरफ्तारी का वारंट जारी कर दिया। गुरु तेग बहादुर जी भी इधर आगरा होते हुए औरंगजेब के दरबार दिल्ली पहुंच गए। बादशाह ने बहुत नरमी से उन्हें चंदन की चौकी पर बिठाया। अपने कर्मचारियों द्वारा किए गए नावाजिब सलूक के लिए उसने माफी भी मांगी और कहा कि आप बाबा नानक के गद्दी-नशीं हो। आप इस्लाम धर्म कबूल कर लो, ताकि आप हिंदुओं के साथ मुसलमानों के भी पीर बन जाओगे। इस पर गुरु जी ने कहा कि उस परमात्मा/खुदा के बनाए तौर-तरीकों को बदलने का प्रयास करना तुम्हारा गलत है। यदि उस खुदा की भी यही चाहत होती तो वह अलग-अलग धर्म बनाता ही क्यों? उसकी रजा में दखल का तुम्हें कोई अधिकार नहीं है। हर एक को अपना ही धर्म प्यारा है। बादशाह प्रजा का पिता होता है। उसकी जिम्मेदारी है। सबको एक सा समझे। हर धर्म के लोगों को उनके हिसाब से ही उनकी आराधना करने दी जाए। आपके मत के प्रचार-प्रसार से यदि कोई इस्लाम कबूल करे तो कोई एतराज नहीं, लेकिन जबरिया धर्म परिवर्तन करना महापाप है।

दुनिया के अन्य मंदिरों से भिन्न है राम मंदिर

राजेंद्र कुमार पांडेय
अयोध्या

श्री राम मंदिर कई मायनों में दुनिया के अन्य मंदिरों से भिन्न है। मंदिर विश्वव्यापी श्री राम की जन्म भूमि पर बनना, समाज को एक सूत्र में बांधने वाला मंदिर होना, इसे विश्व के दूसरे मंदिरों से अलग करता है। दुनिया का शायद यह ऐसा पहला मंदिर है, जहां समाज में तुच्छ समझी जाने वाली गिलहरी अपनी कथा कह रही है। सामाजिक एकता के सूत्रधार समाज को प्रेरणा देने वाले और ईश्वरत्व को प्राप्त राम के मंदिर परिसर में उनके लीला सहचरों के विग्रह भी इसे अन्य मंदिरों से अलग करता है।

क्षेत्रफल और बनावट की दृष्टि से दुनिया में अन्य बहुत से हिंदू मंदिर हैं। क्षेत्रफल की दृष्टि कंबोडिया का अंकोरवाट मंदिर दुनिया का सबसे बड़ा 402 एकड़ में फैला मंदिर है। अमेरिका के न्यू जर्सी में स्थापित बीएपीएस स्वामी नारायण अक्षरधाम मंदिर 183 एकड़ में फैला है। तमिलनाडु के चिरुचिरापल्ली में 156 एकड़ में फैला श्री रंगनाथ स्वामी मंदिर का फैलाव 156 एकड़ में है। इसी राज्य के वेल्लोर में श्री लक्ष्मी नारायण देवी मंदिर श्री पुरम् का मंदिर 40 एकड़ में फैला है। इंडोनेशिया का परब्रह्मनन मंदिर, भारत का प्रेम मंदिर वृंदावन जैसे तमाम ऐसे मंदिर हैं, जो श्रद्धा के केंद्र होने के साथ ही बड़े क्षेत्रफल में फैले हैं।

कंबोडिया के अंकोरवाट मंदिर भगवान महाविष्णु को समर्पित है। इसी तरह तमिलनाडु का श्री रंगनाथ स्वामी मंदिर में भी महाविष्णु ही हैं। वेल्लोर के थिरूमलाईकोडी स्थित श्री लक्ष्मी नारायणी देवी मंदिर में लक्ष्मी नारायण विराजते हैं। इंडोनेशिया के ब्रंबनन मंदिर में ब्रह्मा, विष्णु और महेश के विग्रह हैं। दिल्ली के छत्तरपुर में 70 एकड़ में फैले मंदिर में भगवती कात्यायनी का विग्रह है। इसी तरह न्यू जर्सी और दिल्ली के मंदिर में भगवान स्वामी नारायण की मूर्तियां हैं।

खास बात है यह कि इन बड़े मंदिरों में ज्यादातर वैष्णव संप्रदाय के भगवान महाविष्णु के मंदिर हैं। महाविष्णु के ही अवतार श्री राम हैं। श्री राम का जन्म अयोध्या में हुआ। दुनिया में भगवान महाविष्णु की तरह श्री राम भी व्याप्त हैं। इंडोनेशिया, मलेशिया, मारीशस जैसे दुनिया के विभिन्न देशों में श्री राम आस्था और विश्वास के प्रतीक हैं। इंडोनेशिया में राजा उनके नाम की उपाधि धारण करते हैं। नगरों के नाम श्री राम और रामायण के पात्रों पर हैं। हिंदुओं में अयोध्या को पवित्र स्थल माना जाता है। यह सृष्टि के उदभव काल से ही माना जा रहा है।

अयोध्या में श्री राम के पांच हजार से भी ज्यादा मंदिर हैं। पवित्र अयोध्या में हर घर में श्री राम का मंदिर है, लेकिन उनके जन्म स्थान पर अब तक विवाद के चलते वैसा मंदिर नहीं था, जिसकी गणना दुनिया के इन मंदिरों के साथ की जा सके। मंदिर की दृष्टि से पूरी दुनिया को संस्कृति और संस्कार की रोशनी देने वाले श्रीराम की जन्मभूमि पर अंधेरा रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से ध्वज आरोहण के साथ राम मंदिर अपनी पूर्णता को प्राप्त कर रहा है।

राम मंदिर का क्षेत्रफल 70 एकड़ है। 2.7 एकड़ के गर्भगृह में राम लला के मंदिर का निर्माण है। राम लला का विग्रह यहीं स्थापित है। राम मंदिर के लिए दुनिया के लोगों का आकर्षण सबसे ज्यादा अनुभव किया जा रहा है। आने वाले श्रद्धालुओं के आंकड़े भी इस बात की गवाही देते हैं। अयोध्या में उनके जन्म स्थान पर बने श्री राम मंदिर की बड़ी खासियत है कि यह श्री राम की तरह समाज का प्रतिनिधित्व करता है। यह शायद अकेला मंदिर है, जहां देवी-देवताओं के साथ मानव, ऋषि-मुनियों से लेकर पशु-पक्षियों तक को स्थान मिला।

यह वही ऋषि-मुनि हैं, जिन्होंने समाज को धर्म और अध्यात्म विज्ञान का ज्ञान दिया। समाज को संस्कृति और संस्कार दिया। स्वयं श्री राम को इन्हीं ऋषि-मुनियों ने अयोध्या के राम लला से वैश्विक श्री राम बनाया। भले ही वह महाविष्णु के अवतार थे, लेकिन मानव रूप में मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम बनाने का श्रेय भी इन्हीं ऋषियों को है, जिनके विग्रह अब अयोध्या के श्री राम मंदिर में प्रतिष्ठित किए गए हैं। यह केवल श्री राम की लीला सहचर ही नहीं थे। समाज का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनके मंदिर तो अलग-अलग स्थानों पर मिल सकते हैं, लेकिन श्री राम के साथ उनके मंदिर शायद कहीं और उन्हें नहीं मिला। यह दुनिया का पहला मंदिर है, जहां सप्तर्षियों में शामिल महर्षि वाल्मीकि, वशिष्ठ, विश्वामित्र, अगस्त्य की मूर्तियां प्रतिष्ठित हैं। ऋषियों के साथ श्री राम का विराजना विशिष्ट है।

राम मंदिर में राम लला, श्री राम दरबार में सीता, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के विग्रह हैं। इनके साथ ही हनुमान जी और माता अन्नपूर्णा की मूर्तियां स्थापित हैं। लक्ष्मण का शेषावतार मंदिर, कुबेर टीला पर भगवान भोले का मंदिर है। मंदिर की एक विशिष्टता यह भी है कि श्री राम के जन्म स्थान पर अन्य हिंदू देवी देवताओं के साथ पंचायतन गणपति, सूर्य, शिव, जगदंबा, राम के मंदिर भी हैं।

अयोध्या का श्री राम मंदिर अतीत से भविष्य के समाज को जोड़ने की दृष्टि से भी खास है। इस दौर में जब विभिन्न तरह से समाज को तोड़ने के प्रयास किए जा रहे हों, यहां श्री राम मंदिर में समाज का प्रतिनिधित्व करने वाली अहिल्या, माता शबरी, निषादराज गुह की मूर्तियां समाज को जोड़ने में सहायक होंगी।

राम लला और देवी-देवताओं के साथ अधम की श्रेणी में माने जाने वाले जटायु और समाज में तुच्छ समझी जाने वाली गिलहरी की मूर्ति की स्थापना से जीवों के प्रति प्रेम की भावना समाज में जागेगी। श्री राम मंदिर, श्री राम के विराट व्यक्तित्व के साथ समाज का प्रतिनिधित्व करेगा। यहां पहुंचे नासिक के संत स्वामी नारायणदास कहते हैं, "राम लला के मंदिर का आकर्षण राम लला तो हैं ही, लेकिन यहां ऋषि, मुनि के साथ पशु पक्षियों से मानवता के प्रति प्रेम का संदेश मिलता है। यह श्री राम की वैश्विक छवि के अनुरूप है।"

राम मंदिर की बड़ी खासियत यह है कि यह श्रीराम की तरह समाज का प्रतिनिधित्व करता है। यह शायद अकेला मंदिर है, जहां देवी-देवताओं के साथ मानव, ऋषि मुनियों से पशु-पक्षियों तक को परिसर में स्थान मिला है।

आमने

बिहार में 65 लाख लोगों का नाम काट दिया गया। उनसे पहचान छीन ली गई। मैं आप सबसे कहना चाहता हूं, अगर कोई आपका नाम काटने लिए आए तो उसे बंद करो और मुझे फोन कर दो। मेरे आने के बाद ही ताला खोलना।

–इरफान अंसारी
झारखंड के मंत्री

सामने

मंत्री सरकारी अधिकारियों को बंधक बनाने की बात कर रहे हैं। यह अराजकता को बढ़ावा देना है। मंत्री ने संविधान और कानून को बनाए रखने की शपथ ली है और जब वह इस तरह संवैधानिक नियमों के खिलाफ बोलते हैं, तो उन्हें निकाल देना चाहिए।

–प्रतुलनाथ शाहदेव
भाजपा प्रवक्ता

संघ के संकल्प से सिद्ध हुआ राम मंदिर निर्माण

सर्वेश कुमार सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का ये लक्ष्य क्या इतनी ही आसानी से प्राप्त हो गया। इस दिन को देखने और स्वप्न को साकार करने के लिए विधिवत योजना बनी और यह योजना बनाई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने। इसके लिए संघ के तत्कालीन सरसंघचालक मधुकर दत्तात्रेय देवरस (बाला साहब देवरस) ने सभी परिस्थितियों, संघ की सामर्थ्य, समाज की आकांक्षा और मनोदशा का गहन अध्ययन, विश्लेषण कर उन कार्यकर्ताओं को श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन को आगे बढ़ाने और लक्ष्य तक पहुंचने की अनुमति दी, जो इस आंदोलन को स्थानीय स्तर पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में खासकर मुरादाबाद, मेरठ और कुमायूं मंडलों में चला रहे थे।

संघ के सरसंघचालक से आंदोलन की सफलता और संघ का मार्गदर्शन मांगने वालों में मुरादाबाद निवासी दो सूत्रधार थे, एक मुरादाबाद के पूर्व विभाग प्रचारक और तत्कालीन हिंदू जागरण मंच के पश्चिमी उत्तर प्रदेश के संयोजक दिनेश चंद्र त्यागी (शिक्षा एम एससी फिजिक्स), दूसरे कांग्रेस के प्रखर नेता पूर्व मंत्री, तीन बार कांग्रेस से विधायक रहे मुरादाबाद निवासी दाऊ दयाल खन्ना। बाला साहब से आंदोलन की योजना और विस्तार के लिए यह चर्चा बदायूं में 26 दिसंबर 1983 को लगे संघ के शीत शिविर में हुई। यहां बाला साहब देवरस दो दिन के प्रवास पर शिविर में आए थे।

इस वार्ता में संघ के सरसंघचालक ने कहा कि आंदोलन को संघ को चलाना चाहिए अथवा नहीं इस पर गंभीरता से विचार आवश्यक है। यदि आंदोलन को चलाना है तो यह मानकर आगे बढ़ाया जाए कि इसे हर हाल में सफल करना है, चाहे फिर कितना भी संघर्ष और त्याग क्यों ने करना पड़े। साथ ही उन्होंने यह भी कह दिया कि लक्ष्य प्राप्ति में कम से कम 30 से 40 वर्ष लगेंगे, इसलिए संघ को विचार करना पड़ेगा। उन्होंने अपने सहयोगियों से भी विचार विमर्श किया। उनका मानना था कि यदि संघ इसे अपने हाथ में ले तो सफलता तक संघर्ष जारी रखना पड़ेगा। इसके बाद बाला साहब ने दाऊ दयाल खन्ना और दिनेश चंद्र त्यागी से कहा कि आंदोलन चलाइए संघ सहयोग करेगा।

आगे चलकर आंदोलन की प्रखरता और लोकप्रियता को देखते हुए इसे संघ ने अपने समविचार परिवार के संगठन विश्व हिंदू परिषद् को आंदोलन चलाने के लिए कहा। दिल्ली के विज्ञान भवन में सात और आठ अप्रैल 1984 को हुई धर्म संसद में विश्व हिंदू परिषद् ने आंदोलन अपने हाथ में ले लिया। यही विहिप की देखरेख में श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ समिति का गठन किया गया। इसके अध्यक्ष गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवैद्यनाथ और महामंत्री दाऊ दयाल खन्ना को बनाया गया। आगे का आंदोलन इस समिति के नेतृत्व में आरंभ हुआ।

राम मंदिर के संकल्प को साकार करने के लिए संघ ने व्यापक योजना बनाई। आंदोलन के लिए लगभग एक दर्जन से अधिक प्रचारकों को विश्व हिंदू परिषद् में भेजा गया। इन प्रचारकों ने अपने जीवन को इस लक्ष्य के लिए समर्पित कर दिया। बंगलौर में 1981 में हुई संघ की बैठक में दिल्ली प्रांत प्रचारक अशोक सिंघल को दायित्व से मुक्त कर विश्व हिंदू परिषद् में नया दायित्व दिया गया। आंदोलन की पूरी सांगठनिक संचरचना के मूल केंद्र रहे चंपतराय को भी 1986 में पश्चिम उत्तर प्रदेश में मेरठ विभाग प्रचारक से विश्व हिंदू परिषद में भेज दिया।

वर्ष 1984 में संघ ने आंदोलन की कमान विश्व हिंदू परिषद को सौंपने का महत्वपूर्ण और दूरगामी लक्ष्य प्राप्ति के संकल्प के लिए निर्णय लिया। यह निर्णय आसान नहीं था, क्योंकि संघ ने अपने एक महत्वपूर्ण संगठन को एक ऐसे आंदोलन के लिए दांव पर लगा दिया था, जिसकी सफलता की राह बहुत कठिन थी। संघर्ष बहुत लंबा था। सुयोग्य, साहसी, समर्पित प्रचारकों की एक बड़ी टीम की आवश्यकता थी, लेकिन संघ ने हिंदू समाज के स्वाभिमान की रक्षा के लिए ये निर्णय किया।

प्रचारक गिरिराज किशोर, ओंकार भावे, सूर्यकृष्ण, श्यामजी गुप्त, राजेंद्र सिंह पंकज, उमाशंकर, पुरुषोत्तम नारायण सिंह, तुलसीराम नाना भागवत, सदानंद काकडे, गुरुजन सिंह, सूबेदार सिंह सरीखे प्रखर प्रचारकों की एक बड़ी टीम संघ से विहिप में भेजी गई। बाद में भी कई प्रमुख प्रचारक संघ से आंदोलन में प्रमुख भूमिका निभाने के लिए विश्व हिंदू परिषद् में भेजे गए। इनमें दिल्ली के क्षेत्र प्रचारक बड़े दिनेश कुमार जी का नाम प्रमुख है।

संघ में ही रहकर वरिष्ठ प्रचारक मोरोपंत पिंगले ने आंदोलन की योजना और रचना की। वे विहिप के मार्गदर्शक बनाए गए। मोरोपंत जी की ही योजना से विहिप ने एकात्मकता यात्राएं निकाल कर जन जागरण किया। राम ज्योति और शिला पूजन जैसे आयोजन हुए। इन कार्यक्रमों ने हिंदू समाज की सुप्तावस्था में रही शाश्वत चेतना और स्वाभिमान को जगा दिया। फलस्वरूप जागरूक समाज ने वर्ष 1990 और 1992 में अपने इष्ट के मंदिर निर्माण के लिए कूच कर दिया। दो बार कारसेवा संपन्न हुई। आंदोलन में दो अलग-अलग मोर्चों पर संघर्ष की रणनीति विहिप ने बनाई। एक थी प्रत्यक्ष आंदोलन, यानी सभा, सम्मेलन, प्रदर्शन, गोष्ठी, धार्मिक आयोजन, धर्म संसद, संत सम्मेलन आदि। दूसरी न्यायालय में विचाराधीन वादों की सुव्यवस्थित ढंग से पैरवी करना।

मंदिर निर्माण का ये लक्ष्य क्या इतनी ही आसानी से प्राप्त हो गया? इस दिन को देखने और स्वप्न को साकार करने के लिए विधिवत योजना बनी और यह योजना बनाई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने।

सोशल फोरम

तुम्हें क्या? कोई तुम्हारे लिए बेहाल हो जाए!

इमरोज़ ने अमृता को ख़त लिखा- किसी चीज़ में मन नहीं लगता, घर ख़ाली लगता है। कोई क्यों इतना पागल हो जाता है किसी के लिए? क्यों? पर तुम्हें क्या? ओ, चुप हो जाने वाली! ओ, ख़त न लिखने वाली! ओ, मेरी सेबों वाली! तुम्हें क्या? कोई तुम्हारे लिए हाल से बेहाल हो जाए! अच्छा, तुम एक बार आओ तो सही। मैं अपनी बदनसीबी से दो-दो हाथ कर लूंगा।

सुजाता चोखेरबाली
ब्लॉगर

एक ख़त में लिखते हैं- ऐ मेरी दौलत आओ जितनी ख़र्ची जाए, उतनी जीने के लिए ख़र्च लें। आओ, एक-दूसरे का नोट भुना लें।

दोनों पागल थे एक दूसरे के प्यार में। कभी किसी नाम से संबोधित करते, कभी किसी तरह से। इमरोज़ ने समूची अमृता को प्यार किया। स्टेशन पर इंतज़ार किया तो अमृता की नज़्में, साड़ियां, कुर्ते, चूड़ियां सबके साथ उसके लिए इंतज़ार किया। उसकी बेटी को अपनी बेटी की तरह पालते हुए इंतज़ार किया। उसकी रचनाओं के लिए इंतज़ार किया। अमृता ने भी इमरोज़ के दराज में पड़े रंगों को सहलाया, पोंछा और यह चाहत की कि वह पेंटिंग करता रहे, जिनमें वह अर्थ तलाशती रहे। अमृता ने इमरोज़ को टूटकर प्यार किया।

उसने लिखा- जी करता है तुम अभी कहीं से उजागर हो जाओ। चाहे धरती से उगो चाहे अंबर से गिरो। कभी लिखा- तुम्हारी कला को सौ-सौ नमस्कार! तुम्हारे हाथों के आगे मस्तक झुकाती हूं। कलाकार के हाथ उसकी कोख होते हैं।

दोनों के ख़तों में मिलता है बेइंतहा प्यार, बेक़रारी, साथ न हो पाने की मजबूरी और ख़लिश, साथ होने की बेसब्री, नाराज़गी और मनाना। मैं पढ़ रही थी और सब बहुत अच्छा चल रहा था कि अचानक इमरोज़ लिखते हैं एक ख़त में- कल रात सपने में देखा तुम गोभी के पराठे बना रही थीं, मैं और सैली दाएं-बाएं बैठे खा रहे थे। आज दिन भर भूख नहीं लगी। कल रात ज़्यादा खा लिया था न!

मेरा फेमिनिस्ट मन अभी चिढ़ने ही वाला था कि कि हंस पड़ा, मुझे बाक़ी ख़त याद आ गए। अमृता अक्सर विदेशी यात्राओं पर रहती थीं। उन्हें ख़ूब न्यौते आते थे। इमरोज़ लिखते हैं- ये तीन महीने अमृता के अमृता के साथ हैं, तीन महीने के लिए घर की ज़िम्मेदारियां हमारे ऊपर छोड़ दो। भोपी (अमृता की बेटी) के इस अंकल में मम्मी भी शामिल जो गई हैं। मैं तुम्हारी तरह दिन भर काम करता हूं और दिन भर घर पर रहता हूं। घर के लिए और अपनी दोनों बेटियों के लिए। मेरा हर ख़त तुम्हारे नाम एक टोस्ट होगा।

सामयिकी

ग्रामीण इलाकों की पहली जरूरत हैं अस्पताल

गांव की चौपाल पर बैठे बुजुर्ग अक्सर कहा करते हैं कि लहलहाती फसल जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी स्वास्थ्य और उसको बनाए रखने के लिए अस्पताल भी हैं। खेती से अनाज मिलता है, लेकिन अस्पताल से जीवन सुरक्षित होता है। जब बच्चे बीमार पड़ते हैं, गर्भवती महिलाओं को देखभाल की जरूरत होती है या बुजुर्ग अचानक बीमार हो जाते हैं, तब घर-परिवार की सारी चिंता सिर्फ एक सवाल पर टिक जाती है कि कैसे जल्दी अस्पताल पहुंच कर मरीज़ को समय पर इलाज मिल जाए। यही चिंता आज भी देश के लाखों गांवों की है।

अक्सर गांवों से अस्पताल काफी दूर होत हैं। वहां तक जाने के लिए सुगम रास्ते न होना सबसे बड़ी समस्या है। गांव के कच्चे रास्तों, धूल-भरी हवाओं और तेज़ गर्मी में यह यात्रा कठिन हो जाती है। वहीं मानसून में ये कच्चे रास्ते कीचड़ से भर जाते हैं, जिससे होकर गुज़रना किसी भी गाड़ी के लिए मुश्किल हो जाता है। गर्भवती महिलाओं के लिए यह दूरी सबसे बड़ा संकट बन जाती है। कई बार सड़कें टूटी होने से सफर लंबा हो जाता है और महिलाओं की रास्ते में ही डिलीवरी हो जाती है। इससे मां और बच्चे दोनों का जीवन दांव पर लग जाता है।

कोमल
एक्टिविस्ट

कई बार साधारण खांसी और बुखार भी बिगड़कर बड़ी समस्या बन जाती है। गांव के बुजुर्ग अक्सर ब्लड प्रेशर, डायबिटीज या सांस की बीमारियों से जूझते हैं। ऐसी बीमारियों में नियमित दवा और समय-समय पर जांच बहुत जरूरी होती है। मगर जब जांच और दवा के लिए भी दूसरे गांव जाना पड़े तो बुजुर्ग अक्सर इलाज टाल देते हैं। धीरे-धीरे उनकी हालत बिगड़ती जाती है और परिवार को अचानक किसी गंभीर स्थिति का सामना करना पड़ता है।

ग्रामीण भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति इसी तरह की चुनौतियों से घिरी हुई है। भारत सरकार की Rural Health Statistics 2021-22 रिपोर्ट बताती है कि देश में उप स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ग्रामीण स्वास्थ्य ढांचे की रीढ़ है। रिपोर्ट के अनुसार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में विशेषज्ञ देखभाल प्रदान करने वाले बुनियादी ढांचे में भारी खामियां थीं। सीएचसी में 83.2 प्रतिशत आवश्यक सर्जन, 74.2 प्रतिशत आवश्यक प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ, 79.1 प्रतिशत चिकित्सक और 81.6 प्रतिशत आवश्यक बाल रोग विशेषज्ञ उपलब्ध नहीं थे। कुल मिलाकर मौजूदा सीएचसी की आवश्यकता की तुलना में 79.5 प्रतिशत विशेषज्ञों की कमी थी। रिपोर्ट के अनुसार 31 मार्च, 2022 तक भारत में 161,829 उप स्वास्थ्य केंद्र थे जिनमें से 157,935 ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत थे। लगभग 24,935 पीएचसी ग्रामीण क्षेत्रों में और 6,118 शहरी क्षेत्रों में स्थित थे।

वर्ष 2005 से देश में उप स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या में 11,909 की वृद्धि हुई है। इनमें सबसे अधिक राजस्थान (3,011), गुजरात (1,858), मध्य प्रदेश (1,413) और छत्तीसगढ़ (1,306) में वृद्धि हुई है। रिपोर्ट कहती है कि एक उप केंद्र द्वारा कवर की गई औसत ग्रामीण आबादी 5,691 व्यक्ति थी, जबकि औसतन, एक पीएचसी और सीएचसी ने ग्रामीण क्षेत्रों में क्रमशः 36,049 और 164,027 व्यक्तियों को कवर किया था। पांच हज़ार लोगों की आबादी पर एक सब-सेंटर, तीस हज़ार की आबादी पर एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और एक लाख बीस हज़ार की आबादी पर एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र संचालित होने चाहिए। दुर्गम इलाकों में यह मानक और छोटा है, जैसे तीन हज़ार पर एक सब-सेंटर, लेकिन वास्तविक स्थिति इस मानक से बहुत दूर है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

राम नगरी अयोध्या

अलौकिक से अद्भुत हुई

5 00 वर्ष के लंबे संघर्ष और इंतजार के बाद 25 नवंबर को वो शुभ घड़ी आ गई, जब देश-दुनिया के आस्था के केंद्र प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या में भव्य राम मंदिर पूर्ण हो जाएगा। बाबर की शह पर 1528 में रामनगरी में जिस मंदिर को तोड़ दिया गया था, वहां भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निमार्ण की पांचवी सदी से चली आ रही प्रतीक्षा समाप्त होने का ऐतिहासिक पल आ गया है। 25 नवंबर मंगलवार को शुभ मुहूर्त दोपहर 12 से 12: 30 बजे के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंदिर के 191 फिट ऊंचे शिखर पर सूर्य के मध्य अंकित 'ॐ' व कोविदार वृक्ष का केसरिया ध्वज चढ़ाएंगे और श्रीराम मंदिर निर्माण कार्य पूरा होने की घोषणा करेंगे। 9 नवंबर 2019 को सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की बेंच द्वारा श्रीराम जन्मभूमि के पक्ष में फैसला सुनाने के बाद 25 मार्च 2020 को पूरे 28 साल बाद रामलला टेंट से निकलकर फाइबर मंदिर में शिफ्ट हुए थे। इसके बाद 5 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम जन्मभूमि परिसर में भूमि पूजन कर श्रीराम मंदिर निर्माण की आधारशिला रखी। इसके बाद 22 जनवरी 2024 को रामलला की मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा हुई। आज करोड़ों लोग भगवान राम के दर्शन के लिए अयोध्या आ रहे हैं। आज जो भगवान के दर्शन हो रहे हैं, उसके पीछे दशकों तक चली लंबी कानूनी लड़ाई है। राम मंदिर निर्माण का सफर काफी चुनौतियों भरा रहा है। बाबरी विवाद, अदालतों में चली लंबी लड़ाई और फिर शीर्ष अदालत के फैसले के बाद मंदिर का निर्माण शुरू हुआ।

विवेक सक्सेना
अयोध्या

अब तक के इतिहास के अहम पड़ाव

- 1528 : अयोध्या में राम जन्मभमूमि पर मस्जिद बनने से शुरू हुआ विवाद
  मुगल शासक बाबर के सूबेदार मीरबाकी ने 1528 में अयोध्या में एक मस्जिद बनवाई। यह मस्जिद उसी जगह बनी जहां भगवान राम का जन्म हुआ था। बाबर के सम्मान में मीर बाकी ने इस मस्जिद का नाम बाबरी मस्जिद रखा। 19 वीं सदी में हिंदुओं ने यह मामला उठाया और कहा कि भगवान राम के जन्मस्थान मंदिर को तोड़कर मस्जिद बना ली गई। इसके बाद से रामलला के जन्मस्थल को वापस पाने की लड़ाई शुरू हुई।
- 1858 : बाबरी मस्जिद बनने के 330 साल बाद हुई पहली एफआईआर
  मीरबाकी के मस्जिद बनाने के 330 साल बाद 1858 में लड़ाई कानूनी हो गई, जब पहली बार परिसर में हवन, पूजन करने पर एक एफआईआर हुई। अयोध्या रिविजिटेड किताब के मुताबिक एक दिसंबर 1858 को अवध के थानेदार शीतल दुबे ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि परिसर में चबूतरा बना है। ये पहला कानूनी दस्तावेज है, जिसमें परिसर के अंदर राम के प्रतीक होने के प्रमाण हैं। इसके बाद तारों की एक बाड़ खड़ी कर विवादित भूमि के आंतरिक और बाहरी परिसर में मुस्लिमों और हिंदुओं को अलग-अलग पूजा और नमाज की इजाजत दी गई।
- 1885 : जब अदालत पहुंची राम के लिए पक्के घर की बात
  1858 में हुई लड़ाई के 27 साल बाद 1885 में राम जन्मभूमि के लिए लड़ाई अदालत पहुंची। जब निर्मोही अखाड़े के मंहत रघुबर दास ने फैजाबाद के न्यायालय में स्वामित्व को लेकर दीवानी मुकदमा दायर किया। दास ने बाबरी ढांचे के बाहरी आंगन में स्थित राम चबूतरे पर बने अस्थायी मंदिर को पक्का बनाने और छत डालने की मांग की। जज ने फैसला सुनाया कि वहां हिंदुओं को पूजा-अर्चना का अधिकार है, लेकिन वे जिलाधिकारी के फैसले के खिलाफ मंदिर को पक्का बनाने और छत डालने की अनुमति नहीं दे सकते।
- 1949 : मूर्तियों का प्रकटीकरण
  देश के आजाद होने के दो साल बाद 22 दिसंबर 1949 को ढांचे के भीतर गुंबद के नीचे रामलला की मूर्तियों का प्रकटीकरण हुआ। हिंदू पक्ष का कहना था कि राम प्रकट हुए हैं, जबकि मुस्लिमों ने आरोप लगाया था कि किसी ने रातों-रात मूर्तियां रख दीं। इसके बाद इसे विवादित ढांचा मानकर ताला लगवा दिया गया था।
- 1950 : आजादी के बाद पहला मुकदमा
  आजादी के बाद पहला मुकदमा हिंदू महासभा के सदस्य गोपाल सिंह विशारद ने 16 जनवरी, 1950 को सिविल जज, फैजाबाद की अदालत में दायर किया। विशारद ने ढांचे के मुख्य गुंबद के नीचे स्थित भगवान की प्रतिमाओं की पूजा-अर्चना की मांग की। करीब 11 महीने बाद 5 दिसंबर 1950 को ऐसी ही मांग करते हुए महंत रामचंद्र परमहंस ने सिविल जज के यहां मुकदमा दाखिल किया। मुकदमे में दूसरे पक्ष को संबंधित स्थल पर पूजा-अर्चना में बाधा डालने से रोकने की मांग रखी गई। 3 मार्च 1951 को गोपाल सिंह विशारद मामले में न्यायालय ने मुस्लिम पक्ष को पूजा-अर्चना में बाधा न डालने की हिदायत दी। ऐसा ही आदेश परमहंस की तरफ से दायर मुकदमे में भी दिया गया।
- 1959 : निर्मोही अखाड़े ने मांगी पूजा-अर्चना की अनुमति
  17 दिसंबर 1959 को रामानंद संप्रदाय की तरफ से निर्मोही अखाड़े के छह व्यक्तियों ने मुकदमा दायर कर इस स्थान पर अपना दावा ठोका। साथ ही मांग रखी कि रिसीवर प्रियदत्त राम को हटाकर उन्हें पूजा-अर्चना की अनुमति दी जाए। यह उनका अधिकार है। मुकदमों की कड़ी में एक और मुकदमा 18 दिसंबर 1961 को दर्ज किया गया। ये मुकदमा उत्तर प्रदेश के केंद्रीय सुन्नी वक्फ बोर्ड ने दायर किया। कहा कि यह जगह मुसलमानों की है। ढांचे को हिंदुओं से लेकर मुसलमानों को दे दिया जाए। ढांचे के अंदर से मूर्तियां हटा दी जाएं। ये मामले न्यायालय में चलते रहे।
- 1982 : हिंदू धर्मस्थलों की मुक्ति का अभियान
  1982 वो साल था जब विश्व हिंदू परिषद ने राम, कृष्ण और शिव के स्थलों पर मस्जिदों के निर्माण को साजिश करार दिया और इनकी मुक्ति के लिए अभियान चलाने का एलान किया। दो साल बाद 8 अप्रैल 1984 को दिल्ली में संत-महात्माओं, हिंदू नेताओं ने अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि स्थल की मुक्ति और ताला खुलवाने को आंदोलन का फैसला किया।
- 1986 : परिसर का ताला खुला
  कानूनी लड़ाई में एक फैसला 1 फरवरी 1986 को आया जब फैजाबाद के जिला न्यायाधीश केएम पांडेय ने स्थानीय अधिवक्ता उमेश पांडेय की अर्जी पर इस स्थल का ताला खोलने का आदेश दे दिया। फैसले के खिलाफ इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ में दायर अपील खारिज हो गई।

इतिहास में दर्ज हो रही है एक-एक तिथि

राम मंदिर शिलान्यास, फिर प्राण प्रतिष्ठा और अब ध्वजारोहण। एक एक तिथि अब इतिहास में दर्ज हो रही है। अयोध्या की अलौकिकता अद्भुत बन गई है। शिलान्यास के बाद से रामनगरी में निरंतर विशिष्ट आयोजनों की श्रृंखला नए कीर्तिमान गढ़ रही है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जहां रामोत्सव के रंग क्षितिज पर छाए थे, वहीं योगी सरकार द्वारा लगातार आठ भव्य दीपोत्सव के आयोजनों ने अयोध्या को विश्व पटल पर आच्छादित कर दिया। अब जब राम मंदिर पूर्ण स्वरूप में अपनी आभा बिखेर रहा है, तो 25 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा होने वाला ध्वजारोहण अनुष्ठान उत्सव रामनगरी के लिए ही नहीं, बल्कि सनातन समाज को आह्लादित कर देने वाला है।

राम जन्मभूमि पर बने भव्य राम मंदिर ने अब अपना पूर्ण स्वरूप धारण कर लिया है। शिलान्यास के पावन क्षण से शुरू हुई यात्रा अब ध्वजारोहण के साथ एक और स्वर्णिम अध्याय लिखने को तैयार है। 25 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं भगवा ध्वज चढ़ाकर मंदिर को पूर्णता प्रदान करेंगे। यह आयोजन केवल एक अनुष्ठान नहीं, बल्कि पांच सदी के संकल्प की पराकाष्ठा है। 5 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री ने जब राम मंदिर का शिलान्यास किया था, तब करोड़ों रामभक्तों की आंखें नम थीं। उस दिन अयोध्या ने सदियों का इंतजार समाप्त होते देखा। इसके बाद 22 जनवरी 2024 को प्राण प्रतिष्ठा के साथ रामलला अपने नवीन मंदिर में विराजमान हुए। देश-दुनिया के कोने-कोने से आए श्रद्धालु उस अलौकिक दृश्य के साक्षी बने, जब प्रभु श्रीराम की मूर्ति में प्राण फूंके गए। अब जब मंदिर का गर्भगृह, नृत्य मंडप, सिंह द्वार और भेय खंड पूरे हो चुके हैं, तब ध्वजारोहण का क्षण आया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा ध्वजारोहण को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर लीं गईं हैं। राम मंदिर में ध्वजारोहण को लेकर विशेष अनुष्ठान भी प्रारंभ हो गया है। अनुष्ठान से पहले निकली कलश यात्रा ने नई आध्यात्मिक चेतना का संचार किया है।

अयोध्यावासियों ने ही नहीं संपूर्ण सनातन समाज को प्राण प्रतिष्ठा की तरह ही अब राम मंदिर पर लहराने वाली धर्म ध्वज पताका की प्रतीक्षा है। राष्ट्रीय बौद्धिक परिषद प्रमुख विजयशंकर पांडेय कहते हैं कि यह सनातन समाज के स्वप्नों का पूर्ण साकार रूप हैं, मंदिर पर ध्वजारोहण विश्व में मर्यादा पुरुषोत्तम के प्रति श्रद्धा के नवीन प्रकटीकरण का संवाहक होगा।

योगी सरकार के अयोध्या को आध्यात्मिक राजधानी का संकल्प भी पूर्ण

योगी आदित्यनाथ सरकार ने आठ वर्षों में अयोध्या को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी बनाने का जो संकल्प लिया था, वह अब साकार हो रहा है। दीपोत्सव के आठ आयोजन तो केवल झांकी थे। 2024 में 28 लाख दीपों ने जब सरयू तट को दुल्हन की तरह सजाया था, तब दुनिया ने देखा कि रामनगरी अब वैभव की नई परिभाषा लिख रही है। चौदह कोसी और पंचकोसी परिक्रमा मार्ग, नव्य सरयू घाट, राम की पैड़ी हर ओर भव्यता का विस्तार हुआ है।

ऐतिहासिक है 25 नवंबर ध्वजारोहण दिवस

25 नवंबर का दिन इसलिए भी ऐतिहासिक है, क्योंकि यह कार्तिक पूर्णिमा के ठीक बाद का दिन है। वैदिक परंपरा में ध्वज को ब्रह्मा, विष्णु और महेश का प्रतीक माना जाता है। जब 191 फिट ऊंचे ध्वजदंड पर 36 फिट लंबा भगवा

मंदिर में रामलला को प्रणाम कर श्रद्धा निवेदित करते मुख्यमंत्री योगी (फाइल फोटो)

ध्वज फहराया जाएगा, तब ऐसा प्रतीत होगा मानो स्वयं भगवान सूर्य राम मंदिर को अपनी किरणों से अभिनंदन कर रहे हों।

विश्व सांस्कृतिक धरोहर बनी नगरी

अयोध्या अब केवल तीर्थ नहीं, विश्व की सांस्कृतिक धरोहर बन चुकी है। जहां कभी खंडहर थे, वहां आज 67 एकड़ में फैला मंदिर परिसर खड़ा है। तीन मंजिला यह मंदिर नागर शैली में बना है, जिसमें 392 स्तंभ और 44 द्वार हैं। अब ध्वजा की छाया में जब रामलला विराजेंगे, तब सचमुच यह कहना अतिशयोक्ति न होगा कि रामराज्य की पहली किरण फूट पड़ी है। 25 नवंबर को जब प्रधानमंत्री ध्वज चढ़ाएंगे, उस क्षण करोड़ों भारतीयों का हृदय एक ही स्वर में गूंजेगा जय सिया राम। यह ध्वजारोहण केवल एक झंडे का चढ़ाना नहीं होगा, यह 500 वर्षों के तप, त्याग और संघर्ष का विजय पताका होगा, जो सनातन धर्म के पुनर्जागरण का घोष करता हुआ आकाश में लहराएगा।

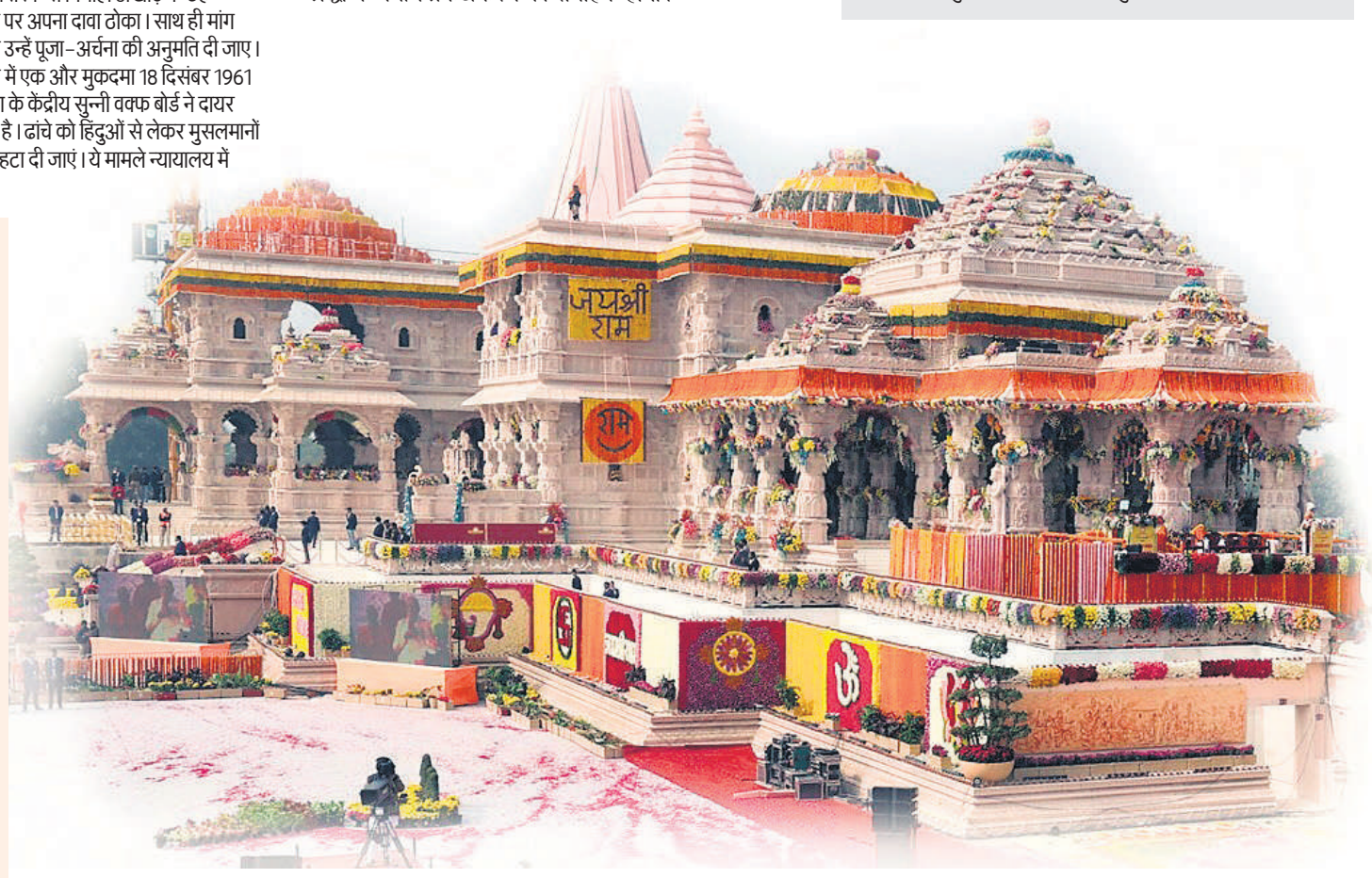

शिलान्यास से भव्य निर्माण तक

1989: राम जन्मभूमि पर मंदिर का शिलान्यास

जनवरी 1989 में प्रयाग में कुंभ मेले के दौरान मंदिर निर्माण के लिए गांव-गांव शिला पूजन कराने का फैसला हुआ। साथ ही 9 नवंबर 1989 को श्रीराम जन्मभूमि स्थल पर मंदिर के शिलान्यास की घोषणा की गई। काफी विवाद और खींचतान के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने शिलान्यास की इजाजत दे दी। बिहार निवासी कामेश्वर चौपाल से शिलान्यास कराया गया।

1990: आडवाणी ने शुरू की रथ यात्रा आंदोलन को दी धार

सितंबर 1990 को लाल कृष्ण आडवाणी रथ यात्रा लेकर निकले। इस यात्रा ने राम जन्मभूमि आंदोलन को और धार दे दी। आडवाणी गिरफ्तार हुए। गिरफ्तारी के साथ केंद्र में सत्ता परिवर्तन भी हुए।

1992: विवादित ढांचा गिरा, कल्याण सरकार बर्खास्त

6 दिसंबर 1992 को अयोध्या पहुंचे हजारों कारसेवकों ने विवादित ढांचा गिरा दिया। इसकी जगह इसी दिन शाम को अस्थायी मंदिर बनाकर पूजा-अर्चना शुरू कर दी। केंद्र की तत्कालीन पीवी नरसिम्हा राव सरकार ने राज्य की कल्याण सिंह सरकार सहित अन्य राज्यों की भाजपा सरकारों को भी बर्खास्त कर दिया। जन्मभूमि थाना में ढांचा ध्वंस मामले में भाजपा के कई नेताओं समेत हजारों लोगों पर मुकदमा दर्ज कर दिया गया।

1993: दर्शन-पूजन की मिली अनुमति

बाबरी ढहाए जाने के दो दिन बाद 8 दिसंबर 1992 को अयोध्या में कर्फ्यू लगा था। वकील हरिशंकर जैन ने उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ में गुहार लगाई कि भगवान भूखे हैं। राम भोग की अनुमति दी जाए। करीब 25 दिन बाद 1 जनवरी 1993 को न्यायाधीश हरिनाथ तिलहरी ने दर्शन-पूजन की अनुमति दे दी।
7 जनवरी 1993 को केंद्र सरकार ने ढांचे वाले स्थान व कल्याण सिंह सरकार द्वारा न्यास को दी गई भूमि सहित यहां पर कुल 67 एकड़ भूमि का अधिग्रहण कर लिया।

2002: हाईकोर्ट में शुरू हुई मालिकाना हक पर सुनवाई

अप्रैल 2002 में उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ ने विवादित स्थल का मालिकाना हक तय करने के लिए सुनवाई शुरू हुई। उच्च न्यायालय ने 5 मार्च 2003 को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को संबंधित स्थल पर खुदाई का निर्देश दिया। 22 अगस्त 2003 को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने न्यायालय को रिपोर्ट सौंपी। इसमें संबंधित स्थल पर जमीन के नीचे एक विशाल हिंदू धार्मिक ढांचा (मंदिर) होने की बात कही गई।

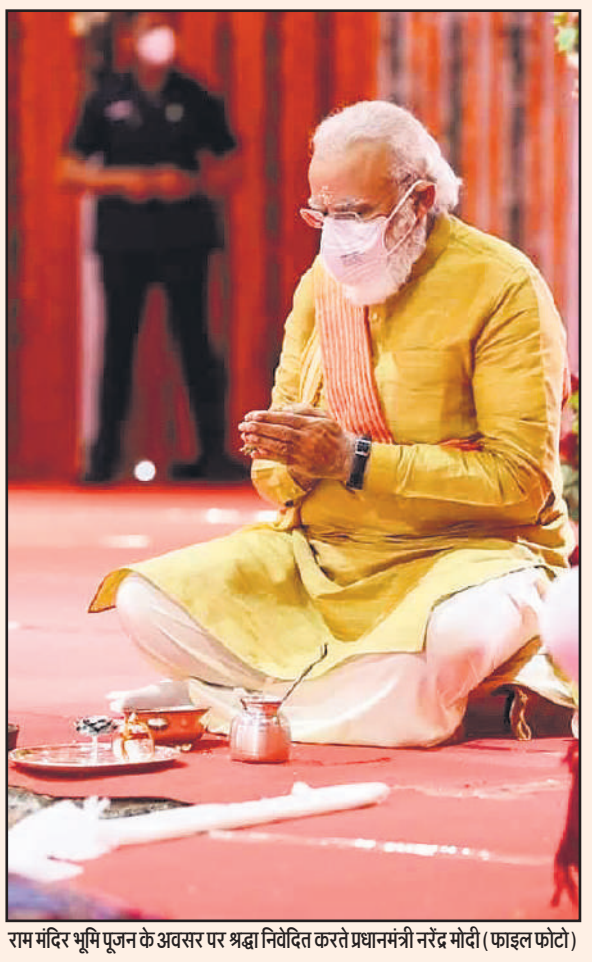

राम मंदिर भूमि पूजन के अवसर पर श्रद्धा निवेदित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (फाइल फोटो)

2010: इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने दिया ऐतिहासिक फैसला

30 सितंबर 2010 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इस स्थल को तीनों पक्षों श्रीराम लला विराजमान, निर्मोही अखाड़ा और सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड में बराबर-बराबर बांटने का आदेश दिया। न्यायाधीशों ने बीच वाले गुंबद के नीचे जहां मूर्तियां थीं, उसे जन्मस्थान माना। इसके बाद मामला सर्वोच्च न्यायालय पहुंचा।

2017 : सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मध्यस्थता की पेशकश

21 मार्च 2017 को सर्वोच्च न्यायालय ने मध्यस्थता से मामले सुलझाने की पेशकश की। यह भी कहा कि दोनों पक्ष राजी हों, तो वह भी इसके लिए तैयार है।

2019 : सुप्रीम फैसला और मंदिर निर्माण का रास्ता साफ

6 अगस्त 2019 को सर्वोच्च न्यायालय ने प्रतिदिन सुनवाई शुरू की। 16 अक्तूबर 2019 को सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई पूरी हुई और कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया। इससे पहले 40 दिन तक लगातार सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। 9 नवंबर 2019 को 134 साल से चली आ रही लड़ाई में सर्वोच्च न्यायालय ने संबंधित स्थल को श्रीराम जन्मभूमि माना और 2 .77 एकड़ भूमि रामलला के स्वामित्व की मानी। वहीं, निर्मोही अखाड़ा और सुन्नी वक्फ बोर्ड के दावों को खारिज कर दिया गया। इसके साथ ही कोर्ट ने निर्देश दिया कि मंदिर निर्माण के लिए केंद्र सरकार तीन महीने में ट्रस्ट बनाए और ट्रस्ट निर्मोही अखाड़े के एक प्रतिनिधि को शामिल करे। साथ ही यह भी आदेश दिया कि उत्तर प्रदेश की सरकार मुस्लिम पक्ष को वैकल्पिक रूप से मस्जिद बनाने के लिए 5 एकड़ भूमि किसी उपयुक्त स्थान पर उपलब्ध कराए।

2020: अयोध्या में मंदिर की आधारशिला के साथ निर्माण कार्य शुरू

इसी के साथ दशकों से चली आ रही लंबी कानूनी लड़ाई समाप्त हो गई। 5 फरवरी 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में मंदिर निर्माण के लिए राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की घोषणा की। इसके छह महीने बाद 5 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री ने अयोध्या में राम मंदिर की आधारशिला रखी।

2024: रामलला की प्राण प्रतिष्ठा

134 साल चली कानूनी लड़ाई के बाद राम जन्मभूमि पर मंदिर के पहले चरण का काम पूरा होने के बाद इसमें रामलला को स्थापित किया गया। 22 जनवरी 2024 की वह ऐतिहासिक तारीख थी, जब मंदिर में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा हुई। 23 जनवरी से मंदिर आम लोगों के लिए खुल गया था।

सोत्र- गजेटियर, हिन्दू चेतना स्मारिका

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	84,900.71	25,959.50
गिरावट	331.21	108.65
प्रतिशत में	0.39	0.42

सोना 1,25,800 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,56,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 25 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1790, फ़ॉर्चून कि. 2225, रविन्द्रा 2455, फॉर्चुन 13 किग्रा 1955, जय जवान 1975, सचिन 2020, सूरज 1975, अवसर 1890, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1885, क्लासिक (किग्रा) 2130, मोर 2170, चक्र टिन 2315, ब्लू 2115, आशीर्वाद मस्टर्ड 2360, स्वास्तिक 2505

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5050, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 10400, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4320, द्वारकेश 4300,

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3800, मसूरी- 1200, बासमती- 7700, परमल- 1900

दाल दलहन : काला चना- 4640, साबुत चना दाल- 4800, मूंग साबुत- 7300, राजमा- 10000-12200, दाल उड़द- 7000, साबुत मसूर दाल- 5000, मसूर दाल- 3900, उड़द साबुत- 6400, काबुली चना- 10400, अरहर दाल- 10300, लोबिया/करमानी- 3700

भारत, कनाडा एफटीए वार्ता फिर करेंगे शुरू

केंद्रीय उद्योग मंत्री गोयल बोले- 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक बढ़ाने की योजना

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और कनाडा मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत फिर से शुरू करने पर सहमत हो गए हैं। इसका मकसद 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक बढ़ाना है।

गोयल ने सोमवार को यहां एक कार्यक्रम में कहा कि एफटीए या व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) में कई रणनीतिक पहलू होते हैं और यह दोनों देशों के बीच विश्वास को दर्शाता है। इस समझौते से दोनों पक्षों के निवेशकों और कारोबारियों का विश्वास बढ़ेगा। मंत्री ने कहा कि हम उच्च-महत्वाकांक्षी सीईपीए पर वार्ता शुरू करने और 2030 तक दोनों देशों के बीच व्यापार को दोगुना करने पर सहमत हुए हैं। दोनों देश स्वाभाविक सहयोगी हैं और एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं करते हैं। भारत और कनाडा की ताकतें व्यवसायों एवं निवेशकों के लिए एक महत्वपूर्ण शक्ति बन सकती हैं। हम कनाडा से बहुत कुछ सीख सकते हैं और कनाडा को बहुत कुछ दे सकते हैं। महत्वपूर्ण खनिजों और महत्वपूर्ण खनिजों की प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों में अपार संभावनाएं हैं। परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में, खासकर यूरेनियम आपूर्ति के क्षेत्र में कनाडा के साथ हमारे सहयोग को लेकर अच्छी संभावनाएं हैं।

उन्होंने कहा कि हम दोनों ओर अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता ला सकते हैं।'' कनाडा ने 2023 में भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत रोक दी थी। 2023 में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत के संभावित संबंध होने के कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों के बाद दोनों देशों के संबंधों में तनाव उत्पन्न हुआ था। भारत ने ट्रूडो के आरोपों को बेतुका बताते हुए खारिज कर दिया था। मार्च 2022 में दोनों देशों ने एक अंतरिम समझौते के लिए वार्ता फिर से शुरू की थी, जिसे आधिकारिक तौर पर प्रारंभिक प्रगति व्यापार समझौता (ईपीटीए) कहा गया था। व्यापार समझौते पर अब तक छह से अधिक दौर की वार्ता हो चुकी है। आम तौर पर किसी व्यापार समझौते में दो देश अपने बीच व्यापार की अधिकतम वस्तुओं पर सीमा शुल्क में उल्लेखनीय कमी करते हैं या उसे समाप्त कर देते हैं। वे सेवाओं में व्यापार को बढ़ावा देने और निवेश आकर्षित करने के लिए मानदंडों को भी उदार बनाते हैं।

मोदी-कार्नी की वार्ता के बाद संबंधों में आई नई ऊर्जा

कनाडा को भारत का निर्यात 2024-25 में 9.8% बढ़कर 4.22 अरब डॉलर हो गया जो 2023-24 में 3.84 अरब डॉलर था। वहीं आयात 2.33% घटकर 4.44 अरब डॉलर रह गया जो 2023-24 में 4.55 अरब डॉलर था। जून में कनाडा के कनानसकीस में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की अपने कनाडाई समकक्ष मार्क कार्नी के साथ हुई बातचीत के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में नई ऊर्जा आई। भारत और कनाडा के बीच वस्तुओं एवं सेवाओं का द्विपक्षीय व्यापार 2023 में 18.38 अरब डॉलर का था। व्यापारिक संबंधों को गति देने के लिए गोयल ने कनाडा के निर्यात संवर्धन, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एवं आर्थिक वृद्धि मंत्री मनिंदर सिद्धू के साथ दो दौर की चर्चा की है। सिद्धू हाल ही में यहां यात्रा पर आए थे। दोनों मंत्रियों ने इस महीने की शुरुआत में यहां व्यापार एवं निवेश पर भारत-कनाडा मंत्रिस्तरीय संवाद (एमडीटीआई) की सह-अध्यक्षता भी की थी। गोयल ने कहा कि हम डेटा सेंटर, क्वांटम कंप्यूटिंग, मशीन लर्निंग सभी नए युग की प्रौद्योगिकियों के साथ एआई (कृत्रिम मेधा) जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं जहां भारत के पास एआई उभरती प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाने के इच्छुक निवेशकों के लिए बहुत ही रणनीतिक लाभ हैं।

सिम के दुरुपयोग पर मोबाइल उपयोगकर्ता होगा जवाबदेह

- दूरसंचार विभाग ने सीएलआई का उपयोग न करने की हिदायत भी दी

नई दिल्ली, एजेंसी

अगर मोबाइल फोन उपभोक्ता के नाम पर खरीदा गए सिम का इस्तेमाल साइबर धोखाधड़ी या अवैध गतिविधि में होता है, तो उसके लिए मूल ग्राहक को कानूनी रूप से जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। सोमवार को आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

दूरसंचार विभाग ने कहा कि मोबाइल फोन की आईएमईआई संख्या में छेड़छाड़, फर्जी दस्तावेजों पर सिम लेना या दूसरों को सिम सौंपना गंभीर उल्लंघन है और इसके दुष्परिणाम मूल ग्राहक पर लागू होंगे। अगर उनके नाम पर लिए गए सिम कार्ड का बाद में गलत इस्तेमाल होता है, तो असली ग्राहक को भी दोषी माना जा सकता है। विभाग ने ग्राहकों से कॉलिंग लाइन आइडेंटिटी (सीएलआई) या पहचान बदलने वाले दूसरे एप एवं वेबसाइट का उपयोग न करने की हिदायत दी है। दूरसंचार अधिनियम, 2023 के तहत मोबाइल उपयोगकर्ता की पहचान में मददगार आईएमईआई एवं अन्य तरीकों से छेड़छाड़ पर 3 वर्ष कैद और 50 लाख का जुर्माना हो सकता है।

स्पैम कॉल की डीएनडी एप से करें शिकायत : ट्राई

नई दिल्ली। दूरसंचार नियामक ट्राई ने सोमवार को कहा कि केवल नंबर ब्लॉक करने से स्पैम कॉल और धोखाधड़ी वाले संदेशों पर रोक नहीं लगती है। इसके लिए ग्राहकों को ट्राई डीएनडी एप से ही स्पैम की शिकायतें दर्ज करानी चाहिए। ट्राई डीएनडी एप भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) का आधिकारिक मंच है। ट्राई ने कहा कि उपभोक्ताओं की शिकायतों पर स्पैम और फर्जीवाड़े वाले संदेश भेजने पर 21 लाख से अधिक मोबाइल नंबर काटे जा चुके हैं और एक लाख इकाइयों को काली सूची में डाला जा चुका है।

गैर-अमेरिकी बाजार समुद्री निर्यात के लिए नए इंजन बनकर उभरे

नई दिल्ली, एजेंसी

- भारत के समुद्री क्षेत्र का निर्यात 16.18 प्रतिशत बढ़ा

भारत के समुद्री क्षेत्र का निर्यात 2025-26 की अप्रैल-अक्टूबर अवधि में 16.18% बढ़कर 4.87 अरब डॉलर हो गया। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, चीन, वियतनाम, रूस, कनाडा और ब्रिटेन सहित गैर-अमेरिकी बाजारों में अच्छी वृद्धि इसकी प्रमुख वजह रही।

भारतीय समुद्री उत्पादों पर 50% शुल्क से अमेरिका को निर्यात प्रभावित हुआ है। एक अधिकारी ने बताया कि इस अवधि के दौरान क्षेत्र में व्यापार करने के तरीके में उल्लेखनीय बदलाव देखा गया है। पारंपरिक रूप से भारत के सबसे बड़े झींगा बाजार अमेरिका को निर्यात में 7.43% की गिरावट आई और यह 8.54 करोड़ डॉलर रह गया। हालांकि चीन, वियतनाम, बेल्जियम, जापान, रूस, कनाडा और ब्रिटेन को निर्यात में हुई शानदार वृद्धि से इस कमी की भरपाई हो गई। ये लाभ निर्यात गंतव्यों में विविधता एवं वैश्विक सोर्सिंग प्रवृत्तियों में संरचनात्मक बदलाव को दर्शाते हैं क्योंकि एशिया व यूरोप में खरीदार निरंतर गुणवत्ता तथा प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण के लिए भारतीय आपूर्तिकर्ताओं की ओर तेजी से रुख कर रहे हैं। सात महीने के दौरान चीन और वियतनाम को झींगा व प्रॉन का निर्यात क्रमशः 24.54 और 123.63% बढ़कर 56.83 करोड़ डॉलर तथा 26.16 करोड़ डॉलर हो गया। बेल्जियम, जापान, रूस, कनाडा और ब्रिटेन को निर्यात क्रमशः 94.18, 10.84, 49, 13.54 और 28.81 प्रतिशत बढ़ा।

आसियान से कागज और पेपरबोर्ड का आयात 14% बढ़ा

नई दिल्ली। उद्योग निकाय आईपीएमए ने सोमवार को कहा कि 2025-26 की पहली छमाही में आसियान देशों से कागज और पेपरबोर्ड का आयात 14 प्रतिशत बढ़ गया, जो एक खतरनाक प्रवृत्ति जारी रहने का सूचक है। पिछले चार साल में आसियान देशों से आयात मात्रा 30% से ज्यादा संचयी वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ी है। कमर्शियल इंटेलिजेंस एंड स्टैटिस्टिक्स के महानिदेशालय के आंकड़ों का हवाला देते हुए, इंडियन पेपर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईपीएमए) ने कहा कि 2025-26 की पहली छमाही में आसियान देशों से आयात 2.07 लाख टन पहुंच गया, जबकि पिछले साल 1.82 लाख टन था। अब भारत के कुल पेपर और पेपरबोर्ड आयात में आसियान देशों का हिस्सा 20% से ज्यादा है।

भारत की अर्थव्यवस्था में 6.5% की दर से होगी वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी

- एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने 2025-26 का लगाया अनुमान
- कर कटौती और मौद्रिक नीति में ढील से वृद्धि को मिलेगा बढ़ावा

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था के 6.5% और अगले वित्त वर्ष 2026-27 में 6.7% की दर से बढ़ने का अनुमान व्यक्त किया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि कर कटौती और मौद्रिक नीति में ढील से उपभोग आधारित वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा।

भारत का वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) चालू वित्त वर्ष की अप्रैल से जून अवधि में पांच तिमाहियों में सबसे तेज 7.8% की दर से बढ़ने का अनुमान है। दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के जीडीपी वृद्धि अनुमानों के आधिकारिक आंकड़े 28 नवंबर को जारी होने वाले हैं। एसएंडपी ने अपनी इकोनॉमिक आउटलुक एशिया-पैसिफिक रिपोर्ट में कहा कि हमारा अनुमान है कि भारत की जीडीपी 2025-26 (मार्च 2026 को समाप्त) में 6.5% और 2026-27 में 6.7% की दर से बढ़ेगी, जिसमें जोखिम दोनों ओर संतुलित होंगे। अमेरिकी शुल्क के प्रभाव के बावजूद मजबूत खपत से प्रेरित घरेलू वृद्धि मजबूत बना हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि दर 6.8% रहने का अनुमान लगाया है जो 2024-25 की 6.5% की वृद्धि दर से बेहतर है।

जीएसटी की कम दरें और आयकर एवं ब्याज दरों में कटौती बन सकती है उपभोग वृद्धि का बड़ा चालक

एसएंडपी ने कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की कम दरें मध्यम वर्ग के उपभोग को बढ़ावा देंगी और इस वर्ष शुरू की गई आयकर कटौती एवं ब्याज दरों में कटौती का पूरक बनेंगी। इन बदलावों से चालू वित्त वर्ष और अगले वित्त वर्ष में निवेश की तुलना में उपभोग वृद्धि का बड़ा चालक बन सकता है। सरकार ने 2025-26 के बजट में आयकर छूट को सात से बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दिया है, जिससे मध्यम वर्ग को एक लाख करोड़ की कर राहत मिली है। आरबीआई ने जून में प्रमुख नीतिगत दरों में 0.5% की कटौती करके उन्हें तीन साल के निचले स्तर 5.5% पर ला दिया था। वहीं, 22 सितंबर से 375 वस्तुओं पर जीएसटी दरें घटा दी गईं जिससे दैनिक उपभोग की वस्तुएं सस्ती हुई हैं। एसएंडपी ने कहा कि भारत पर प्रभावी अमेरिकी शुल्क में बढ़ोतरी से देश में निर्यातोन्मुखी विनिर्माण के विस्तार पर असर पड़ रहा है। ऐसे संकेत हैं कि अमेरिका भारतीय उत्पादों पर शुल्क कम कर सकता है। व्यापार नीति के प्रति अमेरिका के नए दृष्टिकोण के कारण सरकारें और कंपनियां छूट के लिए बातचीत करने में समय एवं पैसा खर्च कर रही हैं जिसके परिणामस्वरूप उत्पादकता बढ़ाने के प्रयासों से ध्यान हट रहा है।

साप्ताहिक अध्ययन : बाजार की गतिविधियों का अनुमान

शेयर बाजार के सप्ताह भर के आंकड़ों का अध्ययन करने से आगामी सप्ताह में होने वाले बदलाव का अनुमान लगाया जा सकता है। जैसे इस सप्ताह शेयर बाजार ने मिश्रित संकेतों के बीच संतुलित लेकिन उतार-चढ़ाव भरी चाल दिखाई। सप्ताह की शुरुआत वैश्विक बाजारों की कमजोरी, अमेरिकी बॉण्ड यील्ड और तेल कीमतों के उतार-चढ़ाव से दबाव में रही। हालांकि, सप्ताह के दूसरे हिस्से में बैंकिंग और आईटी शेयरों में खरीदारी से बाजार को सहारा मिला। घरेलू आर्थिक आंकड़े उम्मीद के अनुरूप होने से निवेशकों की चिंता कम हुई और सूचकांकों ने सीमित दायरे में स्थिरता बनाए रखी। यह सप्ताह आंकड़ा बताता है कि बाजार अभी स्पष्ट दिशा की तलाश में है और निवेशक ग्लोबल संकेतों व एफआईआई-डीआईआई की गतिविधियों पर ध्यान दे रहे हैं। यह एक रेंजबाउंड लेकिन अवसरों से भरा सप्ताह रहा। यह सब गतिविधियां आगामी सप्ताह में बाजार की नीतियों का अनुमान लगाने में सहायक हो सकती हैं।

वैश्विक कारकों का प्रभाव

इस सप्ताह बाजार पर सबसे बड़ा असर वैश्विक संकेतों का रहा। अमेरिकी फेड की नीतियों को लेकर अनिश्चितता, बॉण्ड यील्ड में उतार-चढ़ाव और तेल कीमतों की कमजोरी ने भारतीय बाजार में शुरुआती दबाव बनाया। एशियाई बाजारों में भी कमजोर रुझानों ने निवेशकों को प्रभावित किया। डॉलर इंडेक्स में हल्की मजबूती से आईटी शेयरों को थोड़ा समर्थन मिला, जबकि उभरते बाजारों में एफआईआई की बिकवाली चिंता का कारण बनी रही।

घरेलू आर्थिक संकेतकों से राहत

मुद्रास्फीति और औद्योगिक उत्पादन जैसे प्रमुख डेटा उम्मीद के अनुरूप रहे, जिससे बाजार को स्थिरता मिली। निवेशकों को भरोसा हुआ कि घरेलू अर्थव्यवस्था मजबूत दिशा में आगे बढ़ रही है। सरकार की कैपेक्स योजनाओं और बैंकिंग सेक्टर की क्रेडिट ग्रोथ ने सकारात्मक धारणा बढ़ाई। इससे सप्ताह के दूसरे हिस्से में बाजार की चाल सुधरी।

अगले सप्ताह की दिशा

अगले सप्ताह बाजार की दिशा मुख्य रूप से वैश्विक संकेतों, आर्थिक डेटा और एफआईआई के प्रवाह पर निर्भर करेगी। इंडेक्स अभी प्रमुख प्रतिरोधों के पास है, जिससे उतार-चढ़ाव बढ़ने की संभावना है। निवेशकों गुणवत्तापूर्ण शेयरों में निवेश बनाए रखें और बड़े ट्रेंड का इंतजार करें।

सेक्टरवार प्रदर्शन

बैंकिंग सेक्टर ने मजबूती दिखाई, खासकर बड़े निजी बैंकों में खरीदारी देखने को मिली। आईटी सेक्टर में डॉलर की मजबूती और चुनिंदा स्टॉक्स में शॉर्ट कवरिंग से सुधार रहा। एफएमसीजी सेक्टर ने डिफेंसिव खरीदारी के चलते स्थिर प्रदर्शन दिया। मेटल सेक्टर वैश्विक कमोडिटी कमजोरी की वजह से दबाव में रहा, जबकि ऑटो सेक्टर में मिश्रित रुख देखने को मिला। समग्र रूप से, सेक्टर प्रदर्शन संतुलित रहा।

शेयर बाजार दूसरे दिन भी गिरा, सेंसेक्स 331 अंक टूटा

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजार में सोमवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में गिरावट आई और दोनों मानक सूचकांक नुकसान में रहे। सतर्क निवेशकों की अंतिम समय में बिकवाली और किसी ठोस संकेतक के अभाव में सेंसेक्स 331 अंक गिर गया जबकि निफ्टी 26,000 अंक के नीचे आ गया।

बीएसई का सेंसेक्स शुरुआती बढ़त गंवाते हुए 331.21 अंक की गिरावट के साथ 84,900.71 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई का निफ्टी 108.65 अंक गिरकर 25,959.50 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के शेयरों में प्रमुख रूप से गिरावट रही। दूसरी तरफ टेक महिंद्रा, एशियन पेंट्स, इन्फोसिस, अदाणी पोर्ट्स, सन फार्मा और एचडीएफसी बैंक लाभ में रहे।

भारत और इजराइल मुक्त व्यापार समझौते में रणनीतिक क्षेत्रों पर ध्यान दें : जीटीआरआई

नई दिल्ली, एजेंसी

- भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने 11वें बीएसीएसए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन-कल्दुसेरी में लिया भाग

भारत और इजराइल के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर वार्ता फिर से शुरू करने के लिए नए सिरे से किए जा रहे प्रयासों को माल व्यापार में लाभ के बजाय रक्षा विनिर्माण, इलेक्ट्रॉनिक, सेमीकंडक्टर, जल एवं सिंचाई प्रौद्योगिकी, सटीक कृषि तथा साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में रणनीतिक सहयोग द्वारा निर्देशित किया जाना चाहिए।

आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि इजराइल एक उच्च आय वाला प्रौद्योगिकी-संचालित बाजार है। इजराइल की जनसंख्या एक करोड़ से कम है जिससे कपड़ा, वाहन या सामान्य इंजीनियरिंग वस्तुओं जैसे भारत द्वारा अधिक निर्यात किए जाने वाले क्षेत्रों के लिए संभावनाएं सीमित हो जाती हैं। वहीं भारत कृषि, जेनेरिक, इस्पात, रसायन जैसे क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धी है जिनमें इजराइल या तो आत्मनिर्भर है या गुणवत्ता और फाइटोसैनिटरी मानदंडों के माध्यम से कड़ाई से विनियमित है या पहले से ही यूरोपीय संघ तथा अमेरिका जैसे भागीदारों को शुल्क में प्राथमिकता देता है।

जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि दोनों देशों के लिए नए सिरे से एफटीए प्रयास को व्यापारिक लाभ के बजाय रक्षा विनिर्माण, इलेक्ट्रॉनिक, सेमीकंडक्टर, जल एवं सिंचाई प्रौद्योगिकी, सटीक कृषि तथा साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में रणनीतिक सहयोग द्वारा निर्देशित किया जाना चाहिए। दोनों देशों ने औपचारिक रूप से शीघ्र ही एफटीए वार्ता पुनः शुरू करने के लिए नियम-शर्तों पर पिछले सप्ताह हस्ताक्षर किए थे। 2014 के बाद दोनों पक्षों में शुल्क, मानकों और संवेदनशील उत्पादों तक पहुंच पर सहमति न बनने पर बातचीत थम गई। एक दशक के बाद 2024-25 में कई उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान के बाद इसको फिर से गति मिली है।

द्विपक्षीय व्यापार में मुख्य रूप से हीरे, पेट्रोलियम उत्पाद और रसायन हैं लेकिन हाल में इलेक्ट्रॉनिक मशीनरी और उच्च प्रौद्योगिकी वाले उत्पादों, संचार प्रणालियों एवं चिकित्सकीय उपकरणों जैसे क्षेत्रों में भी व्यापार में वृद्धि देखी गई है। भारत से इजराइल को प्रमुख निर्यात वाली वस्तुओं में मोती एवं कीमती पत्थर, मोटर वाहन डीजल, रासायनिक व खनिज उत्पाद, मशीनरी व विद्युत उपकरण, प्लास्टिक, वस्त्र, परिधान, आधार धातुएं तथा परिवहन उपकरण और कृषि उत्पाद शामिल हैं।

राजकोषीय, मौद्रिक उपायों से निजी निवेश को मिलेगी गति : आरबीआई

मुंबई, एजेंसी

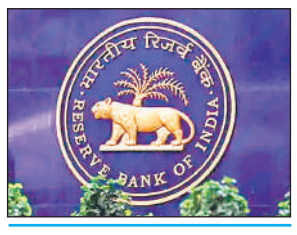

- अर्थव्यवस्था की स्थिति शीर्षक से केंद्रीय बैंक ने नवंबर बुलेटिन में प्रकाशित किया लेख

इस साल अबतक राजकोषीय, मौद्रिक और नियामकीय उपायों से उच्च निजी निवेश और वृद्धि में तेजी का रास्ता साफ होगा। इससे कुल मिलाकर दीर्घकाल में आर्थिक मोर्चे पर मजबूती आएगी। भारतीय रिजर्व बैंक के सोमवार को जारी एक बुलेटिन में यह कहा गया है।

अर्थव्यवस्था की स्थिति शीर्षक से नवंबर बुलेटिन में प्रकाशित लेख में कहा गया कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद, भारतीय अर्थव्यवस्था में और तेजी के संकेत दिखाई दे रहे हैं। इसमें कहा गया कि अक्टूबर के लिए उपलब्ध उच्च-आवृत्ति संकेतक (पीएमआई, जीएसटी संग्रह, बिजली खपत, ईवे बिल आदि) विनिर्माण और सेवा गतिविधियों, दोनों में मजबूती का संकेत देते हैं। इसे त्योहारों की मांग और जीएसटी सुधारों से समर्थन मिला। बुलेटिन में लिखा गया है कि मुद्रास्फीति ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर आ गई है और निर्धारित लक्ष्य से काफी नीचे बनी हुई है। साथ ही, वित्तीय स्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं और वित्तीय संसाधनों का प्रवाह भी अच्छा बना हुआ है।

लेख के अनुसार, इस वर्ष अब तक किए गए राजकोषीय, मौद्रिक और नियामकीय उपायों से उच्च निजी निवेश, उत्पादकता और वृद्धि के एक सकारात्मक चक्र का रास्ता साफ होगा। इससे दीर्घकाल में आर्थिक मोर्चे पर मजबूती आएगी। बुलेटिन के अनुसार, वैश्विक अनिश्चितता अभी भी उच्चस्तर पर बनी हुई है। हालांकि, एक वर्ष से अधिक समय तक लगातार उच्चस्तर पर रहने के बाद अक्टूबर में इसमें थोड़ी कमी देखी गई।

इसमें आगे कहा गया है कि वैश्विक शेयर बाजारों में बढ़ते उत्साह को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। इससे इसके टिकाऊ स्तर पर बने रहने और वित्तीय स्थिरता पर इसके प्रभाव को लेकर सवाल उठ रहे हैं। केंद्रीय बैंक ने साफ किया है कि बुलेटिन में प्रकाशित अर्थव्यवस्था की स्थिति लेख में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं और भारतीय रिजर्व बैंक के विचारों से इसका कोई लेना-देना नहीं है।

आग्रह | कृषि सचिव ने कहा- आपूर्ति श्रृंखला से बिचौलियों को हटाकर किसानों को पहुंचाया जा सके बेहतर लाभ

होटल, रेस्तरां सीधे किसान उत्पादक संगठनों से खरीदें उपज

नई दिल्ली, एजेंसी

कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी ने सोमवार को होटल और रेस्तरां से किसान-उत्पादक संगठनों (एफपीओ) से खरीदने का आग्रह किया ताकि आपूर्ति श्रृंखला से बिचौलियों को हटाकर उत्पादकों के लिए बेहतर लाभ प्राप्त किया जा सके। सचिव ने होटल उद्योग से पर्यटकों और भोजन को बेहतर बनाने के लिए भौगोलिक संकेत (जीआई) वाले खाद्य उत्पादों को बढ़ावा देने का भी आह्वान किया।

चतुर्वेदी ने फेडरेशन ऑफ होटल एंड रेस्तरां एसोसिएशंस ऑफ इंडिया (एफएचआरएआई) के कार्यक्रम में कहा कि देशभर में बड़ी संख्या में होटल और रेस्तरां हैं। अगर आप स्थानीय कृषक समुदाय से साझेदारी कर प्रामाणिक भोजन, सब्जियां, मसाले और अन्य चीजें खरीदते हैं, तो यह दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद होगा। उन्होंने कृषि मंत्रालय और होटल एंड रेस्तरां एसोसिएशन ऑफ नार्दर्न इंडिया (एचआरएएनआई) के सहयोग से 'एफपीओ-हॉस्पिटैलिटी एंड फार्मर्स बेनिफिट' पर आयोजित सम्मेलन में कहा कि देशभर में 35,000 एफपीओ हैं, जिनमें से 10,000 सरकारी योजनाओं के तहत स्थापित हैं। मंत्रालय एक वेब-आधारित मंच शुरू करने की योजना बना रहा है। इसके तहत एफपीओ अपनी अतिरिक्त उपज को व्यवसायों, होटलों और रेस्टरां द्वारा सीधी खरीद के लिए पंजीकृत कर सकते हैं।

चतुर्वेदी ने कहा कि होटल और रेस्टरां श्रृंखला वैसे भी स्थानीय मंडियों से फल, सब्जियां, मसाले और अनाज खरीद रहे हैं। हम उनसे अनुरोध कर रहे हैं कि वे सीधे किसानों से जुड़े एफपीओ से खरीद शुरू करें। कृषि भारत के जीडीपी में 18% का योगदान देती है और 46% कार्यबल को रोजगार देती है। यह कृषि और गैर-कृषि क्षेत्रों के बीच आय असमानता को उजागर करता है। सचिव ने कहा कि कृषि क्षेत्र दो प्रमुख चुनौतियों का सामना कर रहा है। पहली चुनौती जोत का छोटा आकार है जो बड़े पैमाने पर उत्पादन और मोल-जोल की शक्ति को सीमित करती है। दूसरी चुनौती, उगाई फसलों के भाव और खुदरा कीमतों के बीच बड़ा अंतर है। कृषक समुदायों के साथ सीधी साझेदारी मूल्य में इस अंतर को पाटने में मदद कर सकती है।

मशीनों के उपयोग से पराली जलाने के मामले घटे

कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी ने सोमवार को कहा कि सरकार के विभिन्न उपायों से इस साल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने के मामलों में कमी आई है। इसमें कृषि मशीनरी के उपयोग और अन्य उपायों के लिए सरकारी सहायता प्रमुख रूप से हैं। उन्होंने कहा कि इस साल रबी फसलों की बुवाई पिछले साल के मुकाबले बेहतर रहेगी। चतुर्वेदी ने कहा कि सरकार ने किसानों को इस समस्या से निपटने के लिए उपयुक्त उपकरण और आवश्यक उपाय उपलब्ध कराए हैं। निश्चित रूप से मशीनरी उपलब्ध कराने और स्थानीय तथा बाह्य उपायों की नीति से, दिल्ली, आसपास के क्षेत्रों, पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने के मामलों में कमी आई है। कृषि सचिव ने कहा कि दस दिन में पराली जलाने का कोई मामला सामने नहीं आया है। उत्तर भारत में किसानों द्वारा फसलों की कटाई के बाद पराली जलाना सर्दियों में दिल्ली और आसपास के इलाकों में वायु प्रदूषण का प्रमुख कारण रहा है।

बर्फ ने की चित्रकारी

अनंतनाग : जम्मू और कश्मीर के अनंतनाग में सर्दियों की एक सुबह, बर्फ से ढकी पेड़ों की शाखाएं और पत्तियां।

आईएनएस माहे: नौसेना का नया शिकारी

आईएनएस माहे भारतीय नौसेना का एक अत्याधुनिक पनडुब्बी रोधी युद्धपोत है, जो कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा निर्मित किया गया है। यह युद्धपोत भारत की आत्मनिर्भरता और तटीय रक्षा क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका जलावतरण सोमवार को ही किया गया। यह माहे क्लास का पहला जहाज है, इस श्रेणी के आठ जहाज बनाए जा रहे हैं। इसके जलावतरण के मौके पर थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी मौजूद थे, उन्होंने इसे आत्मनिर्भर भारत की शक्ति बताया है। यह जहाज दुश्मन की पनडुब्बियों को ढूंढकर नष्ट करने, तटीय गश्त करने और समुद्री मार्गों को सुरक्षित रखने में सक्षम है। आइए जानते हैं आईएनएस माहे की विशेषताओं, क्षमताओं और निर्माण के बारे में।

उन्नत सोनार और रडार से लैस

आईएनएस माहे को नौसेना का मौन शिकारी कहा जा रहा है क्योंकि यह एक अत्याधुनिक पनडुब्बी रोधी युद्धपोत है जो समुद्री क्षेत्र में दुश्मन पनडुब्बियों का पता लगाने और उन्हें नष्ट करने में सक्षम है। यह युद्धपोत अपनी उन्नत सोनार और रडार प्रणालियों के साथ-साथ अपनी चुपचाप और सटीक मारक क्षमता के कारण एक मौन शिकारी के रूप में कार्य करता है।

78 मीटर लंबा, रफ्तार 25 नाट्स

- आईएनएस माहे एक पनडुब्बी रोधी युद्धपोत है जो तटीय रक्षा और पनडुब्बी रोधी अभियानों में सक्षम है।
- इसकी लंबाई 78 मीटर और चौड़ाई 11 मीटर है, और यह 1,100 टन विस्थापन वाला है।
- यह युद्धपोत 25 नॉट्स की अधिकतम गति से चल सकता है और इसमें 60 से अधिक कर्मियों को समायोजित करने की क्षमता है।
- आईएनएस माहे में उन्नत सोनार और रडार प्रणाली हैं, जो पनडुब्बियों और अन्य खतरों का पता लगाने में मदद करती हैं।

मुंबई में हुआ जलावतरण

- आईएनएस माहे को 24 नवंबर को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया।
- इसका जलावतरण मुंबई में किया गया और इसमें भारतीय नौसेना के अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।
- आईएनएस माहे का जलावतरण भारत की तटीय रक्षा क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण कदम है, यह नौसेना की क्षमताओं को बढ़ाने में मदद करेगा।

पनडुब्बी मारने में सक्षम

- आईएनएस माहे पनडुब्बी रोधी अभियानों में सक्षम है, जिसमें पनडुब्बियों का पता लगाना और उन्हें नष्ट करना शामिल है।
- यह युद्धपोत तटीय रक्षा में भी सक्षम है, जिसमें तटीय क्षेत्रों की रक्षा करना और समुद्री खतरों से निपटना शामिल है।
- आईएनएस माहे में उन्नत हथियार प्रणाली है, जिसमें टारपीडो, मिसाइलें और तोपें शामिल हैं।

कोचीन शिपयार्ड में निर्माण

- आईएनएस माहे का निर्माण कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा किया गया है।
- इसके निर्माण में लगभग 5 साल लगे, लागत लगभग 35,000 करोड़ थी।
- यह युद्धपोत भारत की आत्मनिर्भरता और तटीय रक्षा क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण कदम है।

वर्ल्ड ब्रीफ

स्लोवेनिया : इच्छामृत्यु को खारिज किया

लुबलियाना। स्लोवेनिया के नागरिकों ने रविवार को एक जनमत संग्रह में उस कानून को खारिज कर दिया, जो लाइलाज बीमारी से पीड़ित लोगों को अपना जीवन समाप्त करने की अनुमति देता था। चुनाव प्राधिकारियों द्वारा जारी प्रारंभिक परिणामों में यह जानकारी सामने आई। लगभग पूरी हो चुकी मतगणना के अनुसार, करीब 53 प्रतिशत मतदाताओं ने इस कानून के खिलाफ मतदान किया जबकि लगभग 46 प्रतिशत ने इसके पक्ष में वोट दिया। चुनाव आयोग ने कहा कि मतदान लगभग 50 प्रतिशत रहा। इच्छामृत्यु के खिलाफ अभियान का नेतृत्व करने वाले रूढ़िवादी कार्यकर्ता एलेस प्रिम्क ने कहा कि करुणा की जीत हुई है।

पोप की अगवा छात्रों को रिहा करने की अपील

अबुजा। नाइजीरिया के उत्तर-मध्य स्थित नाइजर प्रांत के एक कैथोलिक स्कूल से अगवा किए गए 303 स्कूली बच्चों में से 50 बच्चे अपहरणकर्ताओं के चंगुल से छूटकर अपने परिवारों के पास पहुंच गए हैं। इस बीच, पोप ने शेष बच्चों की तत्काल रिहाई की अपील की है। नाइजर राज्य में क्रिश्चन असोसिएशन ऑफ नाइजीरिया के अध्यक्ष और स्कूल के संचालक बुलुस दाऊवा योहाना के अनुसार 10 से 18 साल के ये स्कूली बच्चे शुक्रवार और शनिवार को अपहरणकर्ताओं के चंगुल से भाग निकले। 253 छात्र और 12 शिक्षक अब भी अपहरणकर्ताओं के कब्जे में हैं।

ब्राजील में बोल्सोनारो के जेल जाने की खुशी

रियो डी जेनेरियो। रियो डी जेनेरियो की सालाना प्राइड परेड के लिए रविवार को कोपाकबाना के बोर्डवॉक पर हजारों लोग एकत्र हुए और उन्होंने ब्राज़ील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो को एक दिन पहले एहतियाती तौर पर जेल भेजे जाने का जश्न मनाया। प्रदर्शनकारी ट्रकों पर सवार थे और उन्होंने लोगों से कहा कि वह जेल में हैं! और बोल्सोनारो बाहर जाओ। इस दौरान एलजीबीटीक्यू समुदाय के लोगों ने इंद्रधनुषी कपड़े पहने हुए थे और वे जोरदार तरीके से नारेबाजी कर रहे थे।

हावड़ा में कार तालाब में गिरी, 3 बच्चों की मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले के उलुबेरिया में सोमवार को स्कूल से बच्चों को लेकर घर जा रही एक कार के तालाब में गिर जाने से तीन बच्चों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना उलुबेरिया में बहिरा के निकट उस समय हुई जब चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और वाहन तालाब में गिर गया।

कनाडा अपने नागरिकता कानून में करेगा संशोधन, मिली शाही मंजूरी

इस कदम से वहां निवासित भारतीय मूल के परिवारों को लाभ मिलने की संभावना

- **नागरिकता अधिनियम को और अधिक समावेशी बनाने की पहल**

ओटावा, एजेंसी

कनाडा ने वंश-आधारित नागरिकता कानून को आधुनिक बनाने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाया है। इस अधिनियम में संशोधन करने वाले विधेयक को शाही मंजूरी मिल गई है। इस कदम से का असर भारतीय मूल के हजारों परिवारों पर पड़ने की संभावना है। कनाडा सरकार द्वारा शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा गया है कि नागरिकता अधिनियम (2025) में संशोधन करने वाले विधेयक सी-3 को शाही स्वीकृति मिल गई है। इसमें कहा गया कि यह नागरिकता अधिनियम को और अधिक समावेशी बनाने और कनाडाई नागरिकता के मूल्य को बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

बयान में कहा गया है कि नए कानून के लागू होते ही, उन सभी लोगों को कनाडाई नागरिकता प्रदान की जाएगी, जो विधेयक के प्रभाव में आने से पहले पैदा हुए हैं और जो प्रथम-पीढ़ी की सीमा या पिछले कानूनों के पुराने प्रावधानों के कारण नागरिक नहीं बन पाए थे। कनाडाई वंशानुक्रम से नागरिकता पर पहली-पीढ़ी की सीमा वर्ष 2009 में लागू की गई थी। इसका अर्थ है कि यदि कोई बच्चा कनाडा के बाहर पैदा हुआ या गोद लिया गया है, तो वह वंशानुक्रम से कनाडाई नागरिक नहीं माना जाएगा, यदि उसके कनाडाई माता-पिता भी कनाडा के बाहर ही पैदा हुए हों या गोद लिए गए हों। मामले से परिचित लोगों का कहना है कि इस सीमा के कारण अनेक भारतीय मूल के कनाडाई लोगों के लिए समस्या उत्पन्न हो गई, जिनके बच्चे देश से बाहर पैदा हुए थे। बयान में कहा गया है कि नया कानून विदेश में जन्मे या गोद लिए गए कनाडाई माता-पिता को इस विधेयक के लागू होने की तिथि या उसके बाद कनाडा के बाहर जन्मे या गोद लिए गए अपने बच्चे को नागरिकता देने की अनुमति देगा, बशर्ते कि उनका कनाडा से पर्याप्त संबंध हो।

कनाडा में वांछित भारतीय मूल का व्यक्ति गिरफ्तार : टोरंटो पुलिस ने कनाडा की 25 सर्वाधिक वांछित सूची में शामिल भारतीय मूल के एक व्यक्ति को आग्नेयास्त्रों और गोला-बारूद के साथ गिरफ्तार किया है। टोरंटो पुलिस के बयान में कहा गया कि निकोलस सिंह (24) को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया गया, जो जमानत के उल्लंघन के लिए संपूर्ण कनाडा पर लागू वारंट के तहत वांछित था। इसमें कहा गया कि सिंह को एक आग्नेयास्त्र, एक मैगजीन और गोला-बारूद के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस का कहना है कि अधिकारी बाथर्स्ट स्ट्रीट और ड्यूपॉन्ट स्ट्रीट क्षेत्र में जांच कर रहे थे, तभी उन्होंने सिंह को एक वाहन में देखा। उसे शांतिपूर्वक गिरफ्तार कर लिया गया।

अगले साल भारत आएंगे कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी

जोहानिसबर्ग। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी अगले साल भारत की यात्रा करेंगे। दक्षिण अफ्रीका में जी-20 शिखर सम्मेलन से इतर द्विपक्षीय वार्ता के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कार्नी को भारत आने का निमंत्रण दिया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। कनाडा के प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा रविवार को जारी एक बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री कार्नी ने 2026 की शुरुआत में भारत आने के प्रधानमंत्री मोदी के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है। इसमें कहा गया कि दोनों नेताओं ने वार्ता के दौरान व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में संबंधों को आगे बढ़ाने के अलावा रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्रों में गहन सहयोग की संभावनाएं तलाशने पर सहमति व्यक्त की। बयान में कहा गया कि दोनों नेताओं ने वस्तुओं, सेवाओं, निवेश, कृषि, डिजिटल व्यापार और सतत विकास को शामिल करते हुए एक महत्वाकांक्षी व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते के लिए औपचारिक रूप से बातचीत शुरू करने पर सहमति व्यक्त की। इसमें कहा गया कि मोदी और कार्नी ने मंत्रियों और व्यापारी समुदाय सहित नियमित पारस्परिक उच्च-स्तरीय यात्राओं के महत्व पर सहमति व्यक्त की। कार्नी ने दोनों देशों के बीच कानून लागू करने को लेकर वार्ता में हो रही प्रगति का भी स्वागत किया। वर्ष 2023 में कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का हाथ होने के आरोपों के बाद भारत-कनाडा संबंध बेहद खराब हो गए थे।

अप्रैल में चीन की यात्रा पर जाऊंगा और उसके बाद शी की मेजबानी करूंगा : ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी

- **बीजिंग यात्रा के दौरान चीनी राष्ट्रपति ने दिया था निमंत्रण**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि उन्होंने अप्रैल में बीजिंग की यात्रा के लिए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के दिए निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है। ट्रंप ने कहा कि इसके साथ ही उन्होंने अगले वर्ष के उत्तरार्ध में शी जिनपिंग को अमेरिका की राजकीय यात्रा के लिए आमंत्रित किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह घोषणा सोमवार की सुबह शी जिनपिंग से फोन पर हुई बातचीत के कुछ घंटों बाद की।

उन्होंने बताया कि दोनों नेताओं ने यूक्रेन, फेंटेनाइल और सोयाबीन जैसे मुद्दों पर चर्चा की। यह फोन कॉल दक्षिण कोरियाई शहर बुसान में दोनों नेताओं की आमने-सामने की मुलाकात के लगभग एक महीने बाद हुई है। ट्रंप ने कहा कि चीन के साथ हमारे संबंध बेहद मजबूत हैं। चीन ने इससे पहले दोनों नेताओं की फोन पर हुई बातचीत की जानकारी दी थी, लेकिन राजकीय यात्राओं के बारे में कुछ नहीं कहा। हालांकि स्वीकार किया था कि दोनों नेताओं ने व्यापार, ताइवान और यूक्रेन पर चर्चा की है।

चीन की आधिकारिक समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, शी ने सोमवार को फोन पर ट्रंप से कहा कि ताइवान की मुख्य भूमि चीन में वापसी द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह बातचीत जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची द्वारा हाल ही में दिए गए उस बयान के बाद हुई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि चीन ताइवान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करता है तो जापान की सेना इसमें हस्तक्षेप कर सकती है। ताइवान एक स्वशासित द्वीप है जिस पर चीन अपना दावा करता है।

चीन जापान के साथ बढ़ते तनाव को लेकर चिंतित

चीनी पहले हमेशा यह कहते रहे हैं कि उनके नेता अनुरोध करने पर फ़ोन उठाते हैं, लेकिन सोमवार की कॉल के बारे में ऐसा नहीं कहा। वाशिंगटन स्थित विचारक संस्था स्टिमसन सेंटर में चीन कार्यक्रम के निदेशक सन युन ने कहा कि इसका अभिप्राय है कि चीन ने ट्रंप को फ़ोन किया था। मेरा सबसे अच्छा अनुमान यह है कि चीन जापान के साथ बढ़ते तनाव को लेकर चिंतित है। शिन्हुआ के मुताबिक, शी ने फोन पर कहा कि चीन और अमेरिका, जिन्होंने युद्ध के दौरान एक साथ लड़ाई लड़ी थी, को संयुक्त रूप से द्वितीय विश्व युद्ध के विजयी परिणाम की रक्षा करनी चाहिए।

इराकी सुन्नी पार्टियों ने गठित किया परिषद

बगदाद। इराक की प्रमुख सुन्नी मुस्लिम राजनीतिक पार्टियों ने हाल के संसदीय चुनावों के बाद अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए एक एकीकृत राष्ट्रीय राजनीतिक परिषद का गठन किया है। जिसका उद्देश्य सरकार गठन और सुन्नी दलों के अधिकारों की रक्षा करना है।

ऑपरेशन सिंदूर में श्री कृष्ण के संदेश का किया पालन

- **कुरुक्षेत्र में 10वें अंतर्राष्ट्रीय गीता सम्मेलन में बोले रक्षामंत्री राजनाथ**

चंडीगढ़, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की कार्रवाई उस संदेश से प्रेरित थी जो भगवान कृष्ण ने पांडवों को दिया था कि युद्ध प्रतिशोध या महत्वाकांक्षा के लिए नहीं, बल्कि धर्म के शासन की स्थापना के लिए लड़ा जाना चाहिए। रक्षा मंत्री ने हरियाणा के कुरुक्षेत्र, 10वें अंतर्राष्ट्रीय गीता सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद कहा, भगवान कृष्ण ने अर्जुन को यह भी सीख दी कि जो व्यक्ति धर्म के मार्ग पर चलता है वह कभी नहीं डरता।

सिंह ने अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा कि जघन्य कृत्य अब भी राष्ट्रीय चेतना को परेशान करता है। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों ने उस समय अमानवीय कृत्य किया जब निर्दोष पर्यटकों को उनका धर्म पूछने के बाद मार दिया गया। रक्षामंत्री ने कहा कि वह घटना न केवल भारत के शांतिप्रिय स्वभाव को चुनौती दे रही थी, आतंकवादियों और उनके संरक्षकों ने यह मान लिया था कि भारत का शिष्टाचार उसकी कमजोरी है, लेकिन वे भूल गए कि भारत गीता का देश है।

आतंकवाद के खिलाफ चुप नहीं रहेगा भारत

रक्षामंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, हमने भगवान कृष्ण के संदेश का पालन किया। और इस अभियान ने पूरी दुनिया को यह संदेश दिया है कि भारत न तो आतंकवाद के खिलाफ चुप रहेगा और न ही किसी भी परिस्थिति में कमजोर पड़ेगा। श्री कृष्ण ने कुरुक्षेत्र में अर्जुन को समझाया था कि धर्म केवल उपदेशों से ही नहीं बचता; यह कर्मों से सुरक्षित रहता है, और ऑपरेशन सिंदूर वह धर्म-आधारित कर्म था जिसे हमने अपनाया।

चीन ने भारतीय पासपोर्ट को अवैध बताया

ईटानगर, एजेंसी

- **अरुणाचल को चीन का हिस्सा बता महिला को शंघाई हवाई अड्डे पर 18 घंटे तक रोका गया**

ब्रिटेन में रहने वाली अरुणाचल प्रदेश की एक महिला ने आरोप लगाया है कि चीन के शंघाई हवाई अड्डे पर आव्रजन अधिकारियों ने पारगमन ठहराव के दौरान उनके भारतीय पासपोर्ट को मानने से इनकार करने के बाद उन्हें लगभग 18 घंटे तक हिरासत में रखा।

प्रेमा वांगजोम थोंगडोक ने दावा किया कि 21 नवंबर को वह लंदन से जापान की यात्रा कर रही थीं और उनके तीन घंटे का निर्धारित ठहराव एक भयावह अनुभव में बदल गया जब आव्रजन कर्मियों ने उनके पासपोर्ट को केवल इसलिए अवैध घोषित कर दिया क्योंकि उसमें अरुणाचल प्रदेश को उनके जन्मस्थान के रूप में सूचीबद्ध किया गया था। थोंगडोक ने दावा किया कि चीनी अधिकारियों ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश चीन का हिस्सा है और आगे की प्रक्रिया की अनुमति देने से पहले उन्होंने उनकी बात स्वीकार करने की मांग की। उनके परिवार का संबंध पश्चिम कामेंग जिले के रूपा से है। महिला ने रविवार को एक्स पर दावा किया कि उन्हें उचित भोजन या बुनियादी सुविधाओं के बिना पारगमन क्षेत्र तक सीमित रखा गया। थोंगडोक ने यह भी दावा किया कि उनके पास वैध वीजा होने के बावजूद पासपोर्ट जब्त कर लिया गया।

भारत की कड़ी आपत्ति

मामले में भारत ने चीन से कड़ी आपत्ति जताई और कहा है कि उसके अधिकारियों का व्यवहार अंतर्राष्ट्रीय संधियों के खिलाफ है। भारत ने नई दिल्ली में चीनी दूतावास के अधिकारियों के समक्ष इस मुद्दे को उठाया और बीजिंग में भारतीय राजदूत ने भी इस मुद्दे को उठाया।

पेशावर में आत्मघाती हमले में तीन सुरक्षाकर्मी मारे गए

पेशावर, एजेंसी

- **जवाबी गोलीबारी में तीन हमलावर भी मारे गए**

पाकिस्तान के पेशावर में सोमवार को अर्द्धसैनिक बल के मुख्यालय पर हुए आत्मघाती हमले में तीन सुरक्षाकर्मी मारे गए और दो अन्य घायल हो गए। शहर के पुलिस प्रमुख मियां सईद ने बताया कि संघीय कांस्टेबुलरी मुख्यालय में सेंध लगाने का प्रयास कर रहे तीन आत्मघाती हमलावर भी जवाबी गोलीबारी में मारे गए।

सईद ने कहा, एक हमलावर ने मुख्य द्वार पर खुद को उड़ा लिया, जबकि अन्य दो परिसर में घुस गए। एफसी कर्मियों ने उनका सामना किया और दोनों मौके पर ही मारे गए।

खैबर पख्तूनख्वा के पुलिस महानिरीक्षक जुल्फिकार हमीद ने कहा कि एफसी मुख्यालय के अंदर दो आत्मघाती विस्फोट हुए, एक मुख्य द्वार पर और दूसरा परिसर में स्थित मोटरसाइकिल स्टैंड के पास। मुख्य द्वार पर हुए विस्फोट से आसपास के आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्रों में दहशत फैल गई तथा विस्फोट की आवाज काफी दूर तक सुनी गई।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 25 नवंबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, पंचमी 22 .56 तक तत्पश्चात षष्ठी।

आज का पंचांग

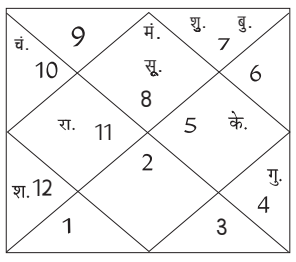

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल-मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-उत्तराषाढ़ा 23 .57 तक तत्पश्चात श्रवण।

मेष
आज आपके काम में काफी स्थिरता रहेगी। व्यावसायिक यात्रा लाभकारी सिद्ध होगी। निजी संबंधों में रिश्तों के बीच बढ़ रही दूरियां दूर होंगी। अपनी योग्यता के अनुरूप काम करके आत्मसंतुष्टि का अनुभव करेंगे। जीवनसाथी के साथ अनबन दूर होगी।

वृष
आज कार्यक्षेत्र में आपको स्थानांतरण के अवसर मिल सकते हैं। आपका स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा। गूढ़ विद्याओं के प्रति काफी आकर्षित रहेंगे। परिजनों के साथ शॉपिंग के लिए जा सकते हैं। अपने क्रोध पर नियंत्रण रखें।

मिथुन
आज यथार्थवादी बने रहें अन्यथा आप गलत निर्णय ले सकते हैं। अपनी इच्छाओं को दूसरों पर लादने का प्रयास न करें। इसके कारण आपका मन खराब हो सकता है। आपको कुछ विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा।

कर्क
आज प्रबंधन संबंधी कार्यों से जुड़े लोगों को बेहतरीन लाभ मिलेगा। पारिवारिक तनाव दूर होगा। विद्यार्थियों को शिक्षा के उत्तम अवसर प्राप्त होंगे। आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर की साज-सजावट में आप अत्यधिक ध्यान देंगे।

सिंह
आज विरोधियों के ऊपर विजय प्राप्त होगी। जीवनसाथी के साथ विमर्श करने से आपकी कई समस्याओं का समाधान हो जाएगा। अनावश्यक बातों को तूल देने से बचें। शत्रु पक्ष आपका नुकसान पहुंचाने को लेकर तत्पर रहेगा। ।

कन्या
आज आपकी लापरवाही बड़ी परेशानी को आमंत्रण दे सकती है। आपके ऊपर अचानक काम का दबाव बढ़ सकता है। कार्यक्षेत्र में नए मित्र बन सकते हैं। प्रेम संबंधों में थोड़ी सावधानी रखें। शाम के समय कहीं घूमने जा सकते हैं।

तुला
आज किसी से कोई वादा न करें। नई कार्ययोजना बनाने से पहले अनुभवी लोगों की सलाह अवश्य ले लें। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियों का दबाव बढ़ सकता है। रक्तचाप के रोगियों को तनाव से बचना चाहिए। विरोधी आपकी छवि को बिगाड़ने में लगे रहेंगे।

वृश्चिक
आज का दिन राजनीति से जुड़े लोगों के लिए अत्यंत शुभ रहेगा। आपकी जीवनशैली काफी अनुशासित रहेगी। किसी महत्वपूर्ण कार्य को लेकर योजना बना सकते हैं। धन को लेकर समस्या का समाधान हो जाएगा। आपके सामने करियर के अनेक विकल्प आएंगे।

धनु
आज कार्यक्षेत्र में आलस्य का अनुभव करेंगे। आपका आत्मविश्वास जागृत होगा। दूसरों के मामले में सोच-समझकर ही सलाह दें। नई स्किल सीखने में तत्पर रहेंगे। बच्चे पढ़ाई को लेकर लापरवाह हो सकते हैं।

मकर
आज आप साहित्य और सिनेमा का आनंद ले सकते हैं। बच्चे अपने करियर को लेकर थोड़े कनफ्यूज हो सकते हैं। काम की अधिकता रहेगी। कार्यक्षेत्र में अपने संसाधनों का सार्थक सदुपयोग करने के कारण आपको लाभ मिलेगा।

कुंभ
आज विदेश में रहने वाले लोगों को धन की कमी का सामना करना पड़ सकता है। राजनीतिक लोगों को अपनी छवि की चिंता रहेगी। बिना मांगी सलाह देने के कारण अपमानित होना पड़ सकता है। अपने जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें।

मीन
आज कारोबार में बड़ा लाभ मिलने की संभावना बन रही है। पैतृक व्यवसाय कर रहे लोगों की आय बढ़ेगी। कानूनी मामलों में निर्णय आपके पक्ष में आ सकता है। वैवाहिक जीवन का भरपूर आनंद लेंगे। घर की साज-सजावट का काफी ध्यान रखेंगे।

सुडोकू -171

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		1			4			
								8
				9			7	
	4							
				3				
9			1					
						6		
				7				

सुडोकू - 170 का हल

4	5	8	1	6	2	3	9	7
1	2	9	7	3	8	4	5	6
6	7	3	9	4	5	1	2	8
8	1	6	5	7	3	9	4	2
5	9	4	8	2	1	6	7	3
2	3	7	4	9	6	5	8	1
3	4	1	2	5	7	8	6	9
7	8	5	6	1	9	2	3	4
9	6	2	3	8	4	7	1	5

मुझे लगता है कि भारत की बल्लेबाजी काफी खराब थी। टेस्ट क्रिकेट के लिए जरूरी जज्बा और संयम नहीं था। कुछ अच्छी गेंदें फेंकी गई, लेकिन बल्लेबाज कठिन स्पैल के लिए तैयार नहीं थे। ऐसा लगता है कि जल्दी लक्ष्य का पीछा करने की ही सोच थी जो टेस्ट मैच में अवास्तविक है।

-अनिल कुंबले

स्टेडियम

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार 25 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

हाईलाइट

धवन व हरभजन होंगे आकर्षण का केंद्र

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन और हरभजन सिंह तथा दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज तेज गेंदबाज डेल स्टेन और ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर शेन वाटसन 26 जनवरी से चार फरवरी तक गोवा में होने वाली लीजेंड्स प्रो टी20 लीग में आकर्षण का केंद्र होंगे। आयोजकों ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क को लीग आयुक्त नियुक्त किया गया है। इस लीग में छह फ्रैंचाइजी आधारित टीम और 90 दिग्गज खिलाड़ी हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिताओं के मुकाबलों का आयोजन 1919 स्पोर्ट्स क्रिकेट स्टेडियम में किया जाएगा।

विलियम्सन की टीम में वापसी

वेलिंगटन । केन विलियम्सन को अगले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन टेस्ट मैचों की शृंखला के लिए न्यूजीलैंड की 14 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। विलियम्सन जिम्बाब्वे में न्यूजीलैंड की पिछली टेस्ट शृंखला और इस सत्र में अब तक सीमित ओवरों के अधिकतर मैचों में नहीं खेल पाए थे। विलियम्सन का न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ सीमित अनुबंध है, जो उन्हें विदेशी लीगों में खेलने की अनुमति देता है, जबकि वे उपलब्ध होने पर न्यूजीलैंड के लिए भी खेल सकते हैं। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा मैदान पर केन की क्षमता से सभी अच्छी तरह से अवगत हैं। उनकी वापसी से हमारी टेस्ट टीम को मजबूती मिलेगी।

वेई यी ने सिंदारोव को बराबरी पर रोका

पणजी। चीन के ग्रैंडमास्टर वेई यी ने सोमवार को यहां शतरंज विश्व कप फाइनल की पहली बाजी में ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंदारोव को बराबरी पर रोका जबकि तीसरे स्थान के मुकाबले में ग्रैंडमास्टर आंद्रे इसिपेंको ने ग्रैंडमास्टर नोदिरबेक याकुबोएव को हराया। पहली बाजी में वेई ने काले मोहरों से खेलते हुए सिंदारोव को जीत दर्ज करने के लिए जोखिम उठाने के लिए मजबूर किया। वेई ने एक समय मजबूत स्थिति बना रखी थी लेकिन सिंदारोव वापसी करने में सफल रहे और अंतत: दोनों खिलाड़ी 50 चाल के बाद मुकाबले को ड्रॉ कराने के लिए राजी हो गए। तीसरे स्थान के प्ले ऑफ में इसिपेंको ने याकुबोएव को 38 चाल में हराया। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में उनकी जगह सुनिश्चित करने के लिए अब अगली बाजी में सिर्फ ड्रॉ ही काफी होगा।

प्रांजलि ने 25 मीटर पिस्टल में स्वर्ण जीता

टोक्यो । भारतीय निशानेबाज प्रांजलि प्रशांत धूमल ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सोमवार को यहां महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, जो डेफलिम्पिक्स (बधिर ओलंपिक) में उनका तीसरा पदक है। इससे पहले उन्होंने अभिनव देशवाल के साथ मिश्रित पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण और महिला एयर पिस्टल में रजत पदक जीता था। महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में यूक्रेन की मोसिना हालिना ने रजत और कोरिया की जियोन जिवोन ने कांस्य पदक जीता। भारत की एक अन्य खिलाड़ी और महिलाओं की एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली अनुया प्रसाद चौथे स्थान पर रहीं। प्रांजलि ने 600 में से 573 अंक के नए क्वालीफिकेशन विश्व रिकॉर्ड के साथ फाइनल में प्रवेश किया था। अनुया प्रसाद क्वालीफिकेशन में 569 स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहीं।

यान्सेन के सामने बल्लेबाजों का समर्पण, क्लीन स्वीप का खतरा

गुवाहाटी टेस्ट का तीसरा दिन : सिर्फ 201 रनों पर सिमट गई भारतीय पारी

सिर्फ सात रन बनाकर पैवेलियन लौटते कप्तान ऋषभ पंत। एजेंसी

गुवाहाटी, एजेंसी

कप्तान ऋषभ पंत सहित प्रमुख बल्लेबाजों के गैर जिम्मेदाराना रवैये से अपने विकेट इनाम में देने के कारण भारतीय टीम सोमवार को यहां अपनी पहली पारी में 201 रन पर सिमट गई। जिससे दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच में मजबूत शिकंजा कसकर शृंखला में क्लीन स्वीप करने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। अपनी पहली पारी में 489 रन बनाने वाले दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 288 रन की बढ़त हासिल की। उसने भारत को फॉलोऑन देने की बजाय दूसरी पारी में बल्लेबाजी करना उचित समझा। उसने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 26 रन बनाए हैं और उसकी कुल बढ़त 314 रन की हो गई है।

खराब रोशनी के कारण जब तीसरे दिन का खेल समाप्त घोषित किया गया तब एडेन मार्करम 12 और रयान रिकलेटन 13 रन पर खेल रहे थे। भारत का स्कोर एक समय एक विकेट पर 95 रन था लेकिन इसके बाद उसने 27 रन के अंदर छह विकेट गंवा दिए। पिच से कभी कभार उछाल और थोड़ा टर्न मिल रहा है पर वह अभी भी बल्लेबाजी के लिए अनुकूल है लेकिन अधिकतर भारतीय बल्लेबाजों ने गलत शॉट खेल कर अपने विकेट इनाम दिए। इनमें मुख्य रूप से साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल और कप्तान ऋषभ पंत शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से मार्को यान्सेन सबसे सफल गेंदबाज रहे। दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी में 93 रन बनाने वाले इस तेज गेंदबाज ने 48 रन देकर छह विकेट लिए। उन्होंने अपने लंबे कद का अच्छा फायदा उठाकर भारतीय बल्लेबाजों को अपनी शॉर्ट पिच गेंदों से निशाना बनाया। ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर (64 रन देकर तीन विकेट) ने उनका अच्छा साथ दिया। मार्करम ने पांच कैच लेकर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारतीय और बल्लेबाजों को अपने निचले क्रम के बल्लेबाज वाशिंगटन सुंदर (92 गेंद पर 48 रन) और कुलदीप यादव (134 गेंद पर 19 रन) से सीख लेनी चाहिए जिन्होंने सात विकेट 122 रन पर गिरने के बाद आठवें विकेट के लिए 72 रन जोड़े। उनकी साझेदारी टूटने के बाद भारतीय पारी सिमटने में देर नहीं लगी।

कप्तान ऋषभ पंत का विकेट लेने के बाद जश्न मनाते दक्षिण अफ्रीका के मार्को यान्सेन। एजेंसी

यशस्वी जायसवाल (97 गेंदों में 58 रन) ने स्ट्रोक्स से भरपूर अर्धशतक जड़ा, लेकिन हार्मर की एक गेंद ने अचानक उछाल लिया जिस पर वह गच्चा खा गए और यान्सेन को कैच दे बैठे। केएल राहुल (22) आउट होने वाले पहले बल्लेबाज थे। वह भी जायसवाल के साथ 65 रन की साझेदारी के दौरान अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे लेकिन केशव महाराज और हार्मर की दो गेंद ऐसी थी जिसने सुबह के सत्र का रुख पूरी तरह बदल दिया। पिच में ज्यादा खामियां नहीं थीं और जायसवाल के आकर्षक स्ट्रोक-प्ले ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने हार्मर की गेंद को बार-बार लेंथ से स्वीप किया और महाराज की गेंद पर काउ कॉर्नर के ऊपर से छक्का भी जड़ा। यहां तक कि राहुल भी दूसरे छोर पर सहजता से रन बटोर रहे थे लेकिन महाराज की टर्न लेती एक गेंद उनके बल्ले का बाहरी किनारा लेकर पहली स्लिप में मार्करम के हाथों में चली गई। सुदर्शन (15) की स्पिनरों के खिलाफ बैकफुट पर जाने और इस प्रक्रिया में विफल होने की कमजोरी फिर से खुलकर सामने आ गई। जैसा कि वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद में हुआ था, एक बार फिर वह हार्मर की गेंद को पुल करने के लिए बैकफुट पर चले गए लेकिन सही तरह से शॉट लगा पाए और रयान रिकलेटन ने मिडविकेट पर डाइव लगाकर कैच लपक दिया। जुरेल (00) को चायकाल से ठीक पहले यानसन की गेंद पर पुल करने की जरूरत नहीं थी।

यशस्वी जायसवाल (97 गेंदों में 58 रन) ने स्ट्रोक्स से भरपूर अर्धशतक जड़ा, लेकिन हार्मर की एक गेंद ने अचानक उछाल लिया जिस पर वह गच्चा खा गए और यान्सेन को कैच दे बैठे। केएल राहुल (22) आउट होने वाले पहले बल्लेबाज थे। वह भी जायसवाल के साथ 65 रन की साझेदारी के दौरान अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे लेकिन केशव महाराज और हार्मर की दो गेंद ऐसी थी जिसने सुबह के सत्र का रुख पूरी तरह बदल दिया। पिच में ज्यादा खामियां नहीं थीं और जायसवाल के आकर्षक स्ट्रोक-प्ले ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने हार्मर की गेंद को बार-बार लेंथ से स्वीप किया और महाराज की गेंद पर काउ कॉर्नर के ऊपर से छक्का भी जड़ा। यहां तक कि राहुल भी दूसरे छोर पर सहजता से रन बटोर रहे थे लेकिन महाराज की टर्न लेती एक गेंद उनके बल्ले का बाहरी किनारा लेकर पहली स्लिप में मार्करम के हाथों में चली गई। सुदर्शन (15) की स्पिनरों के खिलाफ बैकफुट पर जाने और इस प्रक्रिया में विफल होने की कमजोरी फिर से खुलकर सामने आ गई। जैसा कि वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद में हुआ था, एक बार फिर वह हार्मर की गेंद को पुल करने के लिए बैकफुट पर चले गए लेकिन सही तरह से शॉट लगा पाए और रयान रिकलेटन ने मिडविकेट पर डाइव लगाकर कैच लपक दिया। जुरेल (00) को चायकाल से ठीक पहले यानसन की गेंद पर पुल करने की जरूरत नहीं थी।

भारत

201/10 (पहली पारी) (83.5 ओवर)

- यशस्वी का यानसेन बो हार्मर 58
- राहुल का मारक्रम बो महाराज 22
- सुदर्शन का रिकेलटन बो हार्मर 15
- जुरेल का महाराज बो यान्सेन 00
- ऋषभ पंत का वेरेनबो यान्सेन 07
- जडेजा का मारक्रम बो यान्सेन 06
- रेड्डी का मारक्रम बो यान्सेन 10
- वाशिंगटन का मार्करम बो हार्मर 48
- कुलदीप का मार्करम बो यान्सेन 19
- बुमराह का वेरेन बो यान्सेन 05
- मोहम्मद सिराज नाबाद 02

गेंदबाजी : यानसेन 19.5-5-48-6, मुल्डर 10-5-14-0, महाराज 15-1-39-1, हार्मर 27-6-64-3, मार्करम 10-1-26-0, मुथुसामी 2-0-2-0

दक्षिण अफ्रीका

26/0 (दूसरी पारी) (8 ओवर)

- रेयान रिकेल्टन नाबाद 13
- ऐडन मारक्रम नाबाद 12

गेंदबाजी : बुमराह 3-0-13-0, सिराज 3-1-8-0, जडेजा 1-0-2-0, कुलदीप 1-0-2-0

पंत अगर सही शॉट खेलता तो अलग बात होती : यान्सेन

ऋषभ पंत को मार्को यान्सेन के खिलाफ खराब शॉट चयन के लिए काफी आलोचना झेलनी पड़ रही है, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के इस तेज गेंदबाज का मानना है कि अगर इस स्टार विकेटकीपर ने सही शॉट खेला होता तो शायद इस तरह की बात नहीं हो रही होती। पंत ने यान्सेन के खिलाफ तब जोखिम उठाया जब भारतीय टीम 102 रन पर चार विकेट गंवाने के बाद संकट में थी। यान्सेन ने शॉर्ट गेंद फेंकी जो पंत के शरीर की तरह आई और उनके बल्ले का किनारा लेकर विकेटकीपर के दस्तानों में चली गई। यानसेन को एहसास हो गया था कि ना तो हवा से मदद मिल रही है और ना ही सतह से मूवमेंट मिल रही है।

कई बार आप योजनाओं को सही तरह से लागू नहीं कर पाते : वॉशिंगटन

गुवाहाटी, एजेंसी

वॉशिंगटन सुंदर और मार्को यान्सेन में सोमवार को एक बात समान थी। दोनों का मानना है कि ऋषभ पंत की रणनीति अच्छी थी लेकिन उसे लागू करने में थोड़ी कमी रही। भारत के कार्यवाहक कप्तान पंत जब सात रन बनाकर खेल रहे थे तब यान्सेन की शॉर्ट गेंद पर विकेटकीपर को कैच दे बैठे जो तीसरे दिन के खेल के दौरान चर्चा का विषय बना रहा।

इससे पहले ध्रुव जुरेल ने भी इसी तेज गेंदबाज के खिलाफ गैरजरूरी पुल शॉट खेलकर मिड ऑन पर कैच थमाया। समान सवाल पर यान्सेन जैसा ही जवाब देते हुए वॉशिंगटन ने कहा किसी और दिन गेंद स्टैंड में चली जाती और हम सब तारीफ करते और ताली बजाते। ऐसा ही होता है। कभी-कभी आपको उनकी योजना और कौशल का समर्थन करना होता है। उन्होंने कहा यह देखते हुए कि उन्होंने पहले भी बहुत सारे उदारहण पेश किए हैं। मुझे लगता है कि यह सिर्फ उनके कौशल का समर्थन करने के बारे में है। जाहिर है कि योजना को उस तरह लागू नहीं किया जा सकता जिस तरह हम चाहते थे। भारत के बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहने के बावजूद वॉशिंगटन ने कहा कि पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी है। उन्होंने कहा यह बहुत अच्छा विकेट है। आपको इस तरह के विकेट पर अधिक बल्लेबाजी करने को नहीं मिलती, विशेषकर भारत में। सच कहूं तो यह एक जीवंत विकेट है। अगर आप क्रीज पर समय बिताओगे तो रन बनाओगे।

वॉशिंगटर का यह जवाब ध्रुव जुरेल और पंत को शायद पसंद नहीं आए जो खराब शॉट खेलकर आउट हुए। उन्होंने इस बात से भी इनकार किया कि जब यानसेन गेंदबाजी कर रहे थे तो असमान उछाल था। वाशिंगटन ने कहा बिल्कुल भी असमान उछाल नहीं था। जाहिर है वह सबसे लंबा है और उसे गुड लेंथ पर थोड़ा तेज उछाल मिलता है। हम ऐसे गेंदबाजों के खिलाफ काफी खेले हैं। उन्होंने कहा बस किसी और दिन हम उन्हीं गेंदों पर बहुत बेहतर बल्लेबाजी करते तो चीजें बिल्कुल अलग होतीं।

वॉशिंगटन ने अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित किया है। पिछले टेस्ट में वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे जबकि यहां आठवें नंबर खेलते हुए वह सबसे सहज नजर आए। यह पूछने पर कि क्या क्रम बदलने से असहज होते हैं, वॉशिंगटन ने कहा बिल्कुल नहीं। सच कहूं तो मैं ऐसा क्रिकेटर बनना चाहता हूं जो टीम की जरूरत के हिसाब से आगे आए और जहां भी टीम चाहे वहां बल्लेबाजी और गेंदबाजी करे। मुझे तैयार रहना होगा और टीम के लिए काम करना होगा। मेरी मानसिकता ऐसी ही है। उन्होंने कहा मैं चाहे किसी भी स्थिति में रहूं। मुझे अलग-अलग भूमिका भी निभाने को मिलती है। मुझे नहीं लगता कि बहुत लोगों को यह मौका मिलता है इसलिए यह सिर्फ रोमांचक है।

पीएम मोदी ने दृष्टिबाधित महिला टीम की सराहना की

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट टीम को पहला टी-20 विश्व कप जीतने पर बधाई देते हुए सोमवार को कहा कि यह जीत टीम वर्क और दृढ़ संकल्प का शानदार उदाहरण है।

भारत ने रविवार को कोलंबो के पी सारा ओवल में खेले गए फाइनल में नेपाल को सात विकेट से हराकर टूर्नामेंट जीता। भारत ने पहले गेंदबाजी करते हुए नेपाल को पांच विकेट पर 114 रन पर रोक दिया और फिर 12 ओवर में तीन विकेट पर 117 रन बनाकर खिताब अपने नाम किया। मोदी ने अपने एक्स पेज पर लिखा पहला दृष्टिबाधित महिला टी-20 विश्व कप जीतकर इतिहास रचने के लिए भारतीय दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट टीम को बधाई। इससे भी अधिक सराहनीय बात यह है कि वे टूर्नामेंट में अजेय रहीं। उन्होंने कहा यह वास्तव में एक ऐतिहासिक खेल उपलब्धि है। यह कड़ी मेहनत, टीम वर्क और दृढ़ संकल्प का शानदार उदाहरण है। प्रत्येक खिलाड़ी एक चैंपियन है। टीम को भविष्य के लिए मेरी शुभकामनाएं।

भारत ने ढाका में महिला कबड्डी विश्व कप जीता

ढाका, एजेंसी

- **बेटियों ने फिर किया कमाल 30 दिन में 3 वर्ल्ड कप**
- **फाइनल में चीनी ताइपै को 35-28 से हराया**

भारतीय महिला कबड्डी टीम ने सोमवार को चीनी ताइपै को 35-28 से हराकर लगातार दूसरा विश्व कप खिताब जीत लिया।

भारत 11 देशों के टूर्नामेंट में शीर्ष पर रहा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने टीम को बधाई देते हुए एक्स पर लिखा भारतीय महिला कबड्डी टीम को विश्व कप 2025 जीतकर देश को गौरवान्वित करने के लिये बधाई। उन्होंने जबर्दस्त कौशल, प्रतिबद्धता और दृढ़ता का प्रदर्शन किया।

उनकी जीत से अनगिनत युवाओं को कबड्डी खेलने, बड़े सपने देखने और ऊंचे लक्ष्य तय करने की प्रेरणा मिलेगी। भारत ने सेमीफाइनल में ईरान को 33-21 से हराया था। दूसरी ओर चीनी ताइपै ने बांग्लादेश को 25-18 से मात दी थी।

हमारी महिला कबड्डी टीम ने इतिहास रचा जो गर्व का पल है। पूरी टीम को महिला कबड्डी विश्व कप जीतने पर बधाई। आपकी शानदार जीत ने फिर साबित कर दिया कि भारत की खेल प्रतिभाएं शिखर पर क्यों हैं। भविष्य के लिये शुभकामनाए।

-अमित शाह , गृहमंत्री

श्रीकांत व प्रणय की नजरें सैयद मोदी इंटरनेशनल में वापसी पर

लखनऊ, एजेंसी

सीनियर बैडमिंटन खिलाड़ी किदाम्बी श्रीकांत और एचएस प्रणय इस सत्र का अंत जीत के साथ करना चाहेंगे लेकिन उन्हें मंगलवार से यहां शुरू हो रहे सैयद मोदी अंतर्राष्ट्रीय सुपर 300 टूर्नामेंट में युवा खिलाड़ियों की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा जो शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ खुद को परखने के लिए तैयार हैं।

इस 240,000 डॉलर इनामी प्रतियोगिता की चमक भी कुछ कम हो गई है, क्योंकि अमेरिकी ओपन चैंपियन आयुष शेट्टी ने हाल ही में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लेने के बाद अंतिम समय में इस प्रतियोगिता से अपना नाम वापस ले लिया। पूर्व चैंपियन श्रीकांत को मलेशिया मास्टर्स में उपविजेता बनकर नई ऊर्जा मिली थी, लेकिन वह उस लय को बरकरार नहीं रख पाए। अब घरेलू धरती पर होने वाले टूर्नामेंट से उन्हें साल का अंत सकारात्मक तरीके से करने का एक और मौका मिलेगा। प्रणय भी जीत हासिल करने के लिए बेताब हैं। उन्होंने हाल में जापान मास्टर्स और ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लिया था लेकिन वहां अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। वह अब घरेलू दर्शकों के सामने अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। पांचवीं वरीयता प्राप्त श्रीकांत का पहला मुकाबला मीराबा लुवांग मैसनाम से जबकि तीसरी वरीयता प्राप्त प्रणय का सामना पहले दौर में कविन थंगम से होगा। सभी की निगाहें छठे वरीय थारुण मन्नेपल्ली पर भी होंगी, जो सतीश कुमार करुणाकरण से भिड़ेंगे, जबकि एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम भी मनराज सिंह के खिलाफ अपने पहले मैच में अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे। मिथुन मंजूनाथ का मुकाबला कजाकिस्तान के दिमित्री पानारिन से होगा।

मेदवेदेव और बोपन्ना डब्ल्यूटीएल में एक ही टीम में

बेंगलुरु। रूस के स्टार खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव और अनुभवी भारतीय रोहन बोपन्ना 17 से 20 दिसंबर तक यहां होने वाली विश्व टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) के लिए एक ही टीम में खेलेंगे जबकि सुमित नागल उस टीम का हिस्सा हैं जिसमें दुनिया के पूर्व नंबर छह खिलाड़ी गेल मोनफिल्स शामिल हैं।

निक किर्गियोस और कनाडा के स्टार डेनिस शापोवालोव भी चार टीम की इस फ्रेंचाइजी आधारित प्रतियोगिता में आकर्षण का केंद्र होंगे। एसएम कृष्णा टेनिस स्टेडियम में होने वाले 2025 सत्र में चार टीम में 16 अंतरराष्ट्रीय और भारतीय खिलाड़ी शामिल होंगे। यह टूर्नामेंट तीन सत्र के बाद पहली बार यूएई के बाहर आयोजित हो रहा है।

साक्षात्कार | ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी ने प्रदर्शन में निरंतरता लाने के दिए टिप्स

खिलाड़ियों की फिटनेस बेहतर होनी चाहिए : साइना

नई दिल्ली, एजेंसी

ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने भारतीय खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन की मांगों पर खरा उतरने और प्रदर्शन में निरंतरता लाने के लिए अपनी शारीरिक फिटनेस बेहतर करने की सलाह दी है। लंदन ओलंपिक 2012 की कांस्य पदक विजेता साइना ने पीटीआई से बातचीत में बताया कि मौजूदा पीढी के लिये चोटें आम बात हो गई है और महिला एकल खिलाड़ियों की नयी जमात में आक्रामकता का अभाव है।

लीजैंड्स विजन लीगेसी टूर इंडिया के लिये शहर में आई साइना ने कहा हमें प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। हमे सात्विक . चिराग, लक्ष्य या सिंधू या आने वाले खिलाड़ियों से लगातार अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। हमे नतीजे चाहिये। उन्होंने कहा उन्हें अच्छे ट्रेनर और फिजियो देखने चाहिए। अगर शरीर सौ फीसदी फिट है तो कोचिंग कठिन नहीं है। लगातार खिताब जीतने के लिये शरीर को मजबूत बनाने की कवायद में अधिक ट्रेनर और फिजियो पर फोकस करना होगा। साइना ने कहा विक्टर एक्सेलसेन ने यही किया और कैरोलिना मारिन ने भी। मानसिक तैयारी तो सभी की अच्छी होती है लेकिन शारीरिक तौर पर और बेहतर होने की जरूरत है। लक्ष्य सेन ने 2025 सत्र में पहला खिताब जीता जब उन्होंने आस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 फाइनल में जापान के युशी तनाका को हराया।

साइना ने कहा जीत तो जीत है जिससे आत्मविश्वास बढ़ता है। उसने इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। यह अच्छा संकेत है कि वह फॉर्म में लौट रहा है। उन्होंने कहा उसने ओलंपिक में अच्छा खेला था और यहां भी।

लक्ष्य सेन हैं सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी

खिलाड़ी के तौर पर प्रशंसा और आलोचना दोनों का सामना करना पड़ता ही है। वह शीर्ष स्तर पर है और उससे लगातार जीत की अपेक्षा रहती है। वह इस समय हमारा सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी है लिहाजा अतिरिक्त दबाव है लेकिन वह अच्छा खेल रहा है। साइना और पी वी सिंधू ने कम उम्र से ही अंतर्राष्ट्रीय खिताब जीतने शुरू कर दिये थे लेकिन महिला वर्ग में मौजूदा पीढी की खिलाड़ी उस तरह का प्रभाव नहीं छोड़ पाई है। साइना ने कहा शायद इस पीढी में आक्रामकता कम है। मैं और सिंधू अधिक आक्रामक और ताकतवर थे।